THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 15 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.14 2083 गुरुवार, 16 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

महाराष्ट्र-तेलंगाना में लू की चेतावनी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल के दूसरे हफ्ते में पारा लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। अगले दो सप्ताह में तापमान 6 से 8ओसी तक बढ़ सकता है। इधर उत्तराखंड में मौसम ठंडा है। यहां केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हुई है। जम्मू-कश्मीर और असम समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में पारा 42ओसी पहुंच गया। राजस्थान में मंगलवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। यहां बाड़मेर और जैसरमेर में तापमान 41ओसी के ऊपर चला गया। उत्तर प्रदेश के बांदा में अधिकतम तापमान 40.4ओसी रिकॉर्ड किया गया।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासी पारा चढा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। विपक्षी दलों ने बुधवार को कहा कि वे महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन परिसीमन विधेयक का एकजुट होकर विरोध करेंगे। विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों पर साझा रणनीति को लेकर चर्चा की। बता दें कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को मूर्त रूप देने के लिए गुरुवार को एक विधेयक संसद में पेश किया जाएगा, जिसमें संसद के निचले सदन में सदस्यों की मौजूदा संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। वहीं परिसीमन विधेयक को भी पेश किया जाएगा।

परिसीमन विधेयक की 5 बड़ी बातें

परिसीमन विधेयक का उद्देश्य लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करना है (राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35), जो 1976 में हुए पिछले विधानसभा समायोजन के बाद से भारत में हुई जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए किया गया है। लगभग 50 वर्षों तक, लोकसभा में सीटों का आवंटन प्रभावी रूप से रुका हुआ था, जनसंख्या परिवर्तन के आधार पर कोई बदलाव नहीं किया गया था, इस रोक का मतलब यह था कि भले ही कुछ राज्यों में जनसंख्या वृद्धि हुई, जबकि अन्य में गिरावट आई, सीटों का वितरण इन जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को प्रतिबिंबित नहीं करता था। यह विधेयक राज्यों के बीच सीटों के पुनर्वितरण पर 50 वर्षों से चली आ रही इस "रोक" को आधिकारिक रूप से समाप्त करता है, जिससे वर्तमान जनसंख्या रुझानों के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण संभव हो सकेगा। इस विधेयक से उत्तरी और मध्य राज्यों (जैसे उत्तर प्रदेश और बिहार) को फायदा होगा, इन राज्यों की सीटों की संख्या में प्रभावी रूप से वृद्धि होगी, जहां जनसंख्या वृद्धि दर अधिक रही है, जबकि दक्षिणी राज्यों में यह वृद्धि काफी कम होगी। दक्षिणी राज्यों (जैसे तमिलनाडु और केरल) को डर है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण उनकी सीटें उत्तर भारतीय राज्यों की तुलना में कम हो सकती हैं, जिससे उनकी राजनीतिक शक्ति घटेगी। विधेयक में 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का प्रस्ताव है।

ताकि 2029 के आम चुनाव से शुरू होकर सभी सीटों में से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों। लोकसभा के प्रस्तावित विस्तार के साथ, 850 सीटों में से एक तिहाई सीटें विशेष रूप से महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी। इस विधेयक में यह प्रावधान है कि प्रत्येक परिसीमन अभ्यास के बाद आरक्षित सीटों को बारी-बारी से आवंटित किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व समय के साथ विभिन्न भौगोलिक निर्वाचन क्षेत्रों में समान रूप से वितरित हो।

बिहार में पहली बार बीजेपी का 'सम्राट'

> जदयू के विजय और बिजेंद्र बने डिप्टी सीएम

पटना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सम्राट चौधरी ने बुधवार को बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सम्राट बिहार में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री हैं। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने सम्राट चौधरी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। सम्राट चौधरी की सरकार में जदयू के दो वरिष्ठ नेताओं-विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव को बतौर उप-मुख्यमंत्री शामिल किया गया।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार ने एक्स पर पोस्ट कर उन्हें बधाई दी। नीतीश कुमार ने अपनी पोस्ट में कहा, आज बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर श्री सम्राट चौधरी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आपके नेतृत्व में बिहार और तेजी से विकसित होगा और देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद जदयू के विजय कुमार चौधरी ने कहा कि उन्होंने डिप्टी सीएम के रूप में जो शपथ ली है, वह नीतीश कुमार के विश्वास का परिणाम है और राज्य में उनकी नीतियों व कार्यशैली को आगे बढ़ाया जाएगा। विजय चौधरी ने कहा, मैं नीतीश कुमार के प्रति आभार प्रकट करता हूं। उनके विश्वास के कारण ही मुझे यह जिम्मेदारी मिली है। उनके जो रास्ते, नीतियां, कार्यक्रम और कार्यशैली हैं, हम उसी पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास मॉडल में पहले भी बीजेपी शामिल रही है और वर्तमान में भी गठबंधन उसी दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा अब तक नीतीश कुमार का जो मॉडल था, उसमें भाजपा भी थी। अभी तुलना की कोई बात नहीं है। बिहार के मॉडल में नीतीश कुमार भी हैं, बीजेपी भी है और अन्य सहयोगी दल भी हैं।

सबरीमाला मैनेजमेंट बोला-अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं

यहां ब्रह्मचारी देवता, महिलाएं क्यों आना चाहती हैं
एससी ने कहा-करोड़ों की आस्था को गलत ठहराना मुश्किल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में चौथे दिन सुनवाई हुई। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीबी) ने कहा कि यह खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यह आजन्म ब्रह्मचारी माने जाने वाले देवता का मंदिर है। टीबी का पक्ष रखते हुए एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- 10 से 50 साल के उम्र की महिलाएं देवता के स्वरूप और पहचान के विपरीत हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया।

'समुद्र में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं'

विदेश मंत्री जयशंकर ने चेताया, ऊर्जा संकट पर भारत का सख्त रुख

नई दिल्ली/टोक्यो, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारत का डंका बजाया है। जापान की ओर से आयोजित 'एजेक-प्लस' यानी एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की आभासी बैठक में जयशंकर ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर होने वाले हमले किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। इस बैठक का मुख्य एजेंडा ऊर्जा बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति शृंखला में आने वाली बाधाओं पर चर्चा करना था। जयशंकर ने साफ-साफ कहा कि भारत समुद्री व्यापार के सुरक्षित और निर्बाध रास्तों का पुरजोर समर्थन करता है।

बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए विदेश मंत्री ने लिखा, 'जापान की ओर से आयोजित एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की बैठक में हिस्सा लिया। मैंने स्पष्ट किया है कि मर्चेंट शिपिंग यानी व्यापारिक जहाजों पर हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। किसी भी हाल में समुद्र में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं है। दुनिया की आर्थिक तरक्की के लिए जरूरी है कि ऊर्जा बाजारों पर किसी भी तरह का दबाव न बनाया जाए। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है। भारत आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाने के लिए अपने जैसे विचार रखने वाले देशों के साथ मिलकर काम करेगा। इस वर्चुअल समिट में भारत के अलावा कई बड़े एशियाई नेता शामिल हुए। इनमें मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर और थाईलैंड के पीएम अनुतिन चरनविराकुल के नाम प्रमुख हैं। वहीं, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने भी अपनी बात रखी। फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने कहा कि होर्मुज के बंद होने के बाद उनके देश में ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया है।

पीएम मोदी ने दी बिहार के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को बधाई

इनके नेतृत्व में बिहार चौतरफा विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में लंबे समय से चल रही राजनीतिक चर्चाओं और नई सरकार के गठन को लेकर लोगों की उत्सुकता आखिरकार समाप्त हो गई है। राज्य में नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों ने पदभार संभाल लिया है। बिहार की जनता पिछले कई दिनों से यह जानने को उत्सुक थी कि नए नेतृत्व में राज्य की कमान किसके हाथ में होगी। आज हुए शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

उनके साथ ही जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने प्लेटफॉर्म एक्स पर बिहार के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों बधाई दी।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

अग्रिम जमानत पर लगी रोक तीन हफ्ते में देना होगा जवाब

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी है। यह मामला असम में दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ कई पासपोर्ट रखने के आरोप लगाए थे। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरीऔर अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने इस मामले में खेड़ा को नोटिस जारी करते हुए तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया, जिसमें तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि फिलहाल संबंधित आदेश (ट्रांजिट बेल) पर रोक लगाई जाती है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर खेड़ा असम की संबंधित अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश उस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेगा। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी और तब तक सभी पक्षों को अपना जवाब दाखिल करना होगा।

सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि तेलंगाना हाई कोर्ट को इस मामले में सुनवाई का अधिकार क्षेत्र नहीं था, क्योंकि कथित अपराध और एफआईआर दोनों असम में दर्ज हैं। उन्होंने इसे फोरम चुनने की कोशिश बताते हुए कानून का दुरुपयोग करार दिया।

असम सरकार ने स्पेशल लीव पिटीशन दायर कर 10 अप्रैल को तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें खेड़ा को एक सप्ताह के लिए ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। हाई कोर्ट ने यह राहत इसलिए दी थी ताकि खेड़ा संबंधित अदालत में नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें।

तेलंगाना हाई कोर्ट की एकल पीठ, जस्टिस के सुजाना ने आदेश दिया था कि गिरफ्तारी की स्थिति में खेड़ा को एक सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए।

'सम्राट' सरकार में हुआ विभागों का बंटवारा

गृह समेत 29 मंत्रालय सीएम के पास, जेडीयू के हिस्से में आए 18

पटना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में नई सरकार बनने के बाद विभागों का बंटवारा भी हो गया है। फिलहाल ज्यादातर विभाग मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के जिम्मे रखे गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने पास कुल 29 विभाग रखे हैं। इनमें गृह, सामान्य प्रशासन, नगर विकास, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, पथ निर्माण समेत कई अहम विभाग शामिल हैं। वहीं, डिप्टी सीएम विजय चौधरी के पास 10 विभाग हैं। उनके पास जल संसाधन, शिक्षा, ग्रामीण विकास, संसदीय कार्य और परिवहन जैसे महत्वपूर्ण विभाग हैं।

दूसरे उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र यादव को 8 विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। इनमें ऊर्जा, वित्त, योजना एवं विकास, समाज कल्याण और वाणिज्य-कर जैसे प्रमुख विभाग शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर बधाई भी दी। गौरतलब है कि बिहार में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सहित कुल 36 मंत्री हो सकते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के साथ 33 और मंत्रियों को शामिल करने की गुंजाइश है, जो अगले कुछ दिनों में होने की संभावना है।

पीओके में 70 से अधिक आतंकी लॉन्च पैड एक्टिव

800 दहशतगर्दों को भारत भेजने का संजो रहा सपना

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसकी सेना ने जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की तैयारी तेज कर दी है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पार कम से कम 70 आतंकी लॉन्चपैड फिर से सक्रिय किए गए हैं, जहां करीब 800 आतंकियों को घुसपैठ के लिए तैयार रखा गया है।

सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान इस साजिश को ऐसे समय अंजाम देने की कोशिश में है, जब वैश्विक ध्यान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष खासतौर पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच तनाव पर केंद्रित है। साथ ही भारत में चल रहे विधानसभा चुनावों को भी वह एक मौके के तौर पर देख रहा है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है और उन्हें लॉन्चपैड्स पर तैनात किया गया है। इनमें से करीब 10 लॉन्चपैड अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हैं, जबकि बाकी एलओसी के आसपास सक्रिय हैं।

ममता सरकार ने दार्जिलिंग पहाड़ी क्षेत्रों के मुद्दों पर चर्चा से किया इनकार : अमित शाह

कोलकाता, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की सरकार ने दार्जिलिंग पहाड़ी क्षेत्रों के मुद्दों पर चर्चा के तीन प्रस्तावों को ठुकरा दिया था। अमित शाह ने कहा, पिछले डेढ़ साल में पश्चिम बंगाल के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सेओंग की पहाड़ियों के लोगों के मुद्दों और वहां रहने वाले गोरखाओं की मांगों पर चर्चा के लिए भेजे गए बैठकों के तीन प्रस्तावों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने अस्वीकार कर दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री को बुधवार सुबह दार्जिलिंग के लेबोंग ग्राउंड में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करना था। हालांकि, खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर वहां उतर नहीं सका, जिस कारण सार्वजनिक रैली में एक सात मिनट का वीडियो संदेश चलाया गया।

ममता बनर्जी ने नहीं भेजा कोई प्रतिनिधि

वीडियो संदेश में अमित शाह ने कहा, पिछले डेढ़ साल में मैंने पहाड़ियों और गोरखाओं के मुद्दों पर चर्चा के लिए तीन बार बैठक का प्रस्ताव रखा। लेकिन ममता बनर्जी ने इस मामले पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। वह दार्जिलिंग में रहने वाले गोरखाओं को न्याय और उनके वैध अधिकार नहीं दिलाना चाहतीं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन चिंता न करें। पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद, हमारा पहला काम गोरखाओं की समस्याओं का समाधान करना होगा। गोरखा आंदोलन को लेकर अतीत में गोरखाओं के खिलाफ दर्ज सभी शिकायतें और मामले वापस ले लिए जाएंगे।

21 अप्रैल को फिर दार्जिलिंग आएंगे शाह

सार्वजनिक बैठक में शामिल न हो पाने पर खेद व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वे 21 अप्रैल को दार्जिलिंग जिले के सुकना में फिर आएंगे, जो 23 अप्रैल को होने वाले दो-चरणीय मतदान के पहले चरण के लिए अभियान का अंतिम दिन होगा। उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य का दौरा किया है। मेरे अनुभव से पता चलता है कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत निश्चित है। तब अवैध घुसपैठ, भ्रष्टाचार और गुंडाराज के दिन समाप्त हो जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री को जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज, अलीपुरद्वार जिले के फालाकाटा और कूच बिहार जिले के तुफानगंज में तीन अन्य सार्वजनिक सभाओं को भी संबोधित करना निर्धारित था।

'हम होर्मुज के संबंध में कई देशों के साथ संपर्क में'

खाड़ी में नाविकों को लेकर सरकार ने दिया अपडेट

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत सरकार ने बड़ा बयान दिया है। विदेश मंत्रालय और शिपिंग मंत्रालय ने साफ किया है कि भारतीय नागरिकों और जहाजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग देशों से तेल खरीद रहा है। उन्होंने बताया कि भारत 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर फैसले ले रहा है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए कई देशों से बातचीत जारी है।

सरकार ने बताया कि होर्मुज में मौजूद भारतीय जहाजों को सुरक्षित वापस लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय कई देशों के साथ संपर्क में है ताकि समुद्री मार्ग सुरक्षित बने और जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सके। पोत परिवहन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने जानकारी दी कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज से जुड़ी कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई है। महानिदेशालय शिपिंग के जरिए अब तक 2,337 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है।

'दिल्ली छीन रही जनता से वोट का अधिकार'

> ममता ने बंगाली नववर्ष पर लोगों को दी बधाई, केंद्र पर किया हमला

कोलकाता, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बंगाली नववर्ष के खास मौके पर राज्य के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने लोगों से केंद्र सरकार की मनमानी का विरोध करने और बंगाल की आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखने को कहा। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर राज्य के लोगों को बंगाली नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि नए साल की इस सुबह में हर किसी का जीवन दुखों से मुक्त हो। उन्होंने कामना की कि इस नई पुकार के साथ हर इंसान का मन पवित्रता से भर जाए।

केंद्र पर साधा निशाना

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्र सरकार पर जनता के वोट देने के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दें। ममता ने कहा कि हमारा बंगाल कला और संस्कृति का केंद्र होने के साथ-साथ सभी धर्मों के बीच सद्भाव की धरती भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि कुछ बुरी ताकतें बंगाल को भ्रष्ट करने के लिए खड़ी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठे शासक लोगों के अधिकार छीन रहे हैं, जिन्हें सबक सिखाना जरूरी है। ममता बनर्जी ने लोगों से विभाजनकारी और तानाशाही प्रवृत्तियों को रोकने का संकल्प लेने को कहा। उन्होंने अपील की कि इस शुभ दिन पर हम सब मिलकर एक शपथ लें। हमें हर तरह की संकीर्ण सोच की दीवारों को तोड़कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोई भी विभाजनकारी ताकत हमारी शांति, पारंपरिक सद्भाव और दोस्ती के बंधन को नहीं तोड़ पाएगी। अंत में मुख्यमंत्री ने आने वाले विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए जोड़ा फूल के निशान पर वोट दें।

पेटेंट फाइलिंग में तमिलनाडु सबसे आगे : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में पेटेंट फाइल करने के मामले में एक नया रिकॉर्ड बना है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में नवाचार (इनोवेशन) और बौद्धिक संपदा के प्रति बढ़ती जागरूकता से यह मजबूती आई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि कुल आवेदनों में से लगभग 70 प्रतिशत यानी 99,721 आवेदन भारतीय निवासियों ने किए हैं। वहीं, विदेशी आवेदनों की संख्या 44,008 रही। यह देश में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक पेटेंट फाइलिंग है। सरकार का मानना है कि नीतिगत सुधारों, कम फीस और जागरूकता अभियानों की वजह से यह संभव हो पाया है। सरकार ने स्टार्टअप्स, एमएसएमई और शिक्षण संस्थानों के लिए पेटेंट फाइलिंग फीस में 80 प्रतिशत की बड़ी छूट मिलती है।

'तकनीक नहीं ले सकती संवेदनशीलता की जगह'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का युवा डॉक्टरों को संदेश

नागपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपित द्रौपदी मुर्मू ने नागपुर स्थित एम्स के दूसरे दीक्षांत समारोह में युवा डॉक्टरों को नवाचार, शोध और सतत सीखने को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है और कोई भी तकनीक मानवीय संवेदना की जगह नहीं ले सकती। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि जिज्ञासा ही प्रगति की नींव है। चिकित्सा विज्ञान में नए समाधान खोजने की प्रेरणा डॉक्टरों को न केवल बेहतर पेशेवर बनाएगी, बल्कि सेवा के अधिक अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉक्टरों में सेवा भावना के साथ-साथ आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। मुर्मू ने स्पष्ट किया कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता बनाए रखें, यही आपको एक अच्छा डॉक्टर ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि देश के बेटे-बेटियां मिलकर इस सपने को साकार करेंगे। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को मानवता की सेवा का विशेष अवसर मिला है, जिस पर उन्हें गर्व होना चाहिए और इसे संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए। सरकार की स्वास्थ्य संबंधी पहलों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन कल्याण आरोग्य योजना के तहत 43 करोड़ से अधिक हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

सांसद अशोक मित्तल के घर ईडी की रेड

भगवंत मान ने कसा तंज टिपिकल मोदी स्टाइल

जालंधर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब से राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दबिश दी है। बुधवार सुबह ईडी की टीमों ने जालंधर और फगवाड़ा में उनके घर, संस्थानों और कारोबारी ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। सुबह करीब 9 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में दिल्ली से आई ईडी टीमों ने कई स्थानों को घेर लिया।

मित्तल के आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि अंदर अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की जा रही है। ईडी की टीमें एलपीयू समेत लवली ग्रुप से जुड़े कई प्रतिष्ठानों तक पहुंची है। जानकारी के अनुसार लवली ऑटोज, लवली स्वीट्स और लवली डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर भी जांच के दायरे में हैं। इतना ही नहीं, मित्तल परिवार से जुड़े आवासीय और व्यावसायिक परिसरों पर भी छानबीन की जा रही है। उनके परिजनों के ठिकानों पर भी ईडी की टीमें दस्तावेज खंगाल रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह पूरी कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम फेमा के कथित उल्लंघन से जुड़े मामले में की जा रही है। ईडी अधिकारियों की नजर खासतौर पर वित्तीय लेन-देन और विदेशी फंडिंग से जुड़े दस्तावेजों पर है। गौरतलब है कि आप ने हाल ही में सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटाकर यह जिम्मेदारी अशोक मित्तल को सौंपी थी। इस फैसले के महज कुछ दिनों बाद ईडी की यह कार्रवाई कई राजनीतिक मायनों में भी अहम मानी जा रही है।

इस रेड पर सीएम भगवंत मान ने ट्वीट कर तंज कसा। सीएम ने लिखा-भाजपा द्वारा पंजाब चुनाव की तैयारी शुरू आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद अशोक मित्तल के घर और यूनिवर्सिटी में ईडी की रेड टिपिकल मोदी स्टाइल। हम वो पत्ते नहीं जो शाख से टूट कर गिर जाएंगे, आंधियों को कह दो अपनी औकात में रहें। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने भी एक्स पर लिखा- मोदी ने पंजाब में चुनावों की तैयारी शुरू कर दी। लेकिन पंजाब के लोग ये बर्दाश्त नहीं करेंगे। बीजेपी को इसका करारा जवाब देंगे।

एनएसए खत्म होते ही सांसद अमृतपाल की अजनाला कांड में गिरफ्तारी तय

चंडीगढ़, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के मामले में पंजाब सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट रणनीति तय कर ली है। सूत्रों के अनुसार, 22 अप्रैल को समाप्त हो रही राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत को आगे बढ़ाने की संभावना नहीं है, लेकिन इसके साथ ही अमृतपाल की रिहाई भी नहीं होगी। राज्य पुलिस अजनाला थाना हमले के मामले में उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार करेगी, जिसके बाद वह असम की डिब्रूगढ़ जेल में ही बंद रहेगा। पंजाब गृह विभाग ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर साफ किया है कि कानून-व्यवस्था और सुरक्षा कारणों से अमृतपाल को एनएसए समाप्त होने के बाद भी डिब्रूगढ़ जेल में ही रखा जाए। राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के संयुक्त आकलन के बाद यह निर्णय लिया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने अंतिम समय में किसी भी बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया है।

सांसद राघव चड्ढा को बड़ा झटका, सुरक्षा ली वापस

चंडीगढ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा में डिप्टी लीडर अशोक मित्तल के घर और दफ्तर और छापेमारी के बीच पंजाब सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को दी गई सिक्योरिटी वापस ले ली है।

वर्ष 2022 में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने के कुछ समय बाद राघव चड्ढा को पंजाब सरकार ने सुरक्षा उपलब्ध कराई थी। उसके बाद से यह सिक्योरिटी बदस्तूर जारी थी। राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटाए जाने के बाद इस बात के आसार जताए जा रहे थे कि चड्ढा से सिक्योरिटी वापस ली जाएगी। राघव के पास अभी तक पंजाब सरकार की ओर से जेड प्लस सिक्योरिटी दी थी।

उधर सूत्रों की खबर है कि राघव चड्ढा को केंद्र सरकार ने जेड सुरक्षा दे सकती है। केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली-पंजाब में राघव को जेड सुरक्षा दी जा सकती है। दिल्ली-पंजाब के अलावा वाई प्लस सुरक्षा घेरा रह सकता है। बीते दिनों आम आदमी पार्टी ने चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता के पद से हटाया है। चड्ढा के बाद आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता बनाया है।

नोएडा श्रमिक प्रदर्शनः आरजेडी प्रवक्ताओं पर केस दर्ज, क्या है आरोप

नोएडा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन को लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। आगजनी और तोड़फोड़ के बाद पुलिस ने करीब 300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं इस हिंसा के मामले में 7 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

नोएडा पुलिस ने साजिश के तहत सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने के आरोप में आरजेडी के दो नेशनल स्पोक्सपर्सन के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है। नोएडा पुलिस ने आरजेडी प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचना यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इन पर नोएडा का वीडियो बताकर गलत वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने का आरोप है। प्रवक्ताओं पर भ्रामक नैरेटिव बनाकर और लोगों को भड़काकर कानून व्यवस्था प्रभावित करने का आरोप है।

पुलिस के मुताबिक गलत वीडियो शेयर करने से नोएडा के अलग अलग क्षेत्रों में

डर और अविश्वास का माहौल बना। पुलिस का कहना है कि सुनियोजित तरीके से पुलिस की छवि को धूमिल करने के लिए भड़काऊ सूचना शेयर की गई। गलत सूचना की वजह से माहौल खराब हुआ और हिंसा बढ़ी।

आरजेडी प्रवक्ता प्रियंका भारती और कंचना यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 353(1)(बी), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और धारा 66डी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने इसे सोची-समझी साजिश बताया है, जिसमें 7 व्हाट्सएप ग्रुप और 25 बॉट सोशल मीडिया हैंडल के जरिए अशांति फैलाने की जांच की जा रही है।

प्रेमी की शादी रोकने के लिए होने वाली दुल्हन पर किया एसिड अटैक, आरोपी महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के इंदिरा विहार इलाके में एसिड अटैक में झुलसी 21 साल की युवती की हालत गंभीर बनी हुई हैं। युवती को गुरुतेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। युवती की 19 अप्रैल को ही शादी होने वाली थी। पुलिस ने इस मामले में 26 साल की महिला को गिरफ़्तार किया गया हैं। आरोप है महिला का युवती के होने वाले दूल्हे से प्रेम संबंध था।

पुलिस के मुताबिक 14 अप्रैल को गोकुलपुरी थाने में युवती पर तेज़ाब से हमला किए जाने का मामला सामने आया था। पुलिस जब घटना स्थल पर पहुंची तो परिजन उसे जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में जाँच आगे बढ़ाई। फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और सबूत इकट्ठा किए। शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित युवती की शादी रविवार, 19 अप्रैल को होनी थी। बताया जा रहा है उसे आरोपी महिला का प्रेम प्रसंग था और वो इस शादी को रोकना चाहती थी। इसलिए उसने ये ख़ौफ़नाक कदम उठाया।

'जज साहिबा के बच्चों को तुषार मेहता केस देते हैं ऑर्डर कैसे देंगी'; केजरीवाल का एक और एफिडेविट

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ बुधवार को एक और एफिडेविट दाखिल किया है। उन्होंने जस्टिस शर्मा की ही कोर्ट में यह एफिडेविट फाइल करते हुए उनके ही बच्चों का मुद्दा उठाया है। इस एफिडेविट में केजरीवाल ने कहा है, जज स्वर्ण कांता शर्मा के दोनों बच्चे तुषार मेहता के अंडर में काम करते हैं। तुषार मेहता उनके बच्चों को केस देते हैं। केजरीवाल ने अपने एफिडेविट में ये भी कहा कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई की तरफ से तुषार मेहता ही वकील हैं। ऐसे में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा तुषार मेहता के खिलाफ कैसे ऑर्डर देंगी। ताजा शपथपत्र में केजरीवाल ने कहा कि उन्हें ऐसे रिकॉर्ड मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि न्यायमूर्ति शर्मा के बच्चों को केंद्रीय सरकारी वकील के रूप में पैनल में शामिल किया गया है। उनका बेटा सर्वोच्च न्यायालय में ग्रुप ए पैनल का वकील है, जबकि उनकी बेटी ग्रुप सी पैनल की वकील है। उन्होंने इस संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट में सार्वजनिक किए गए दस्तावेज का हवाला दिया।

उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एक सामान्य प्रश्नोत्तर का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय में, भारत के माननीय अटॉर्नी जनरल स्वयं अपनी उपस्थिति के लिए मामलों का चयन करते हैं, जबकि अन्य मामले भारत के माननीय सॉलिसिटर जनरल द्वारा भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरलों और पैनल के वकीलों को सौंपे जाते हैं। केजरीवाल ने कहा, क्यूंकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सीबीआई की ओर से पेश हो रहे हैं, इससे हितों के टकराव का सीधा और गंभीर मामला बनता है।

कांग्रेस की दो महिला पार्षदों पर एफआईआर दर्ज

इंदौर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निगम के बजट सत्र के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का अनादर करने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। जांच के बाद एमजी रोड पुलिस ने कांग्रेस की दो महिला पार्षदों, रुबीना इकबाल खान और फौजिया शेख अलीम के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज कर लिया है। एमजी रोड थाना पुलिस ने दोनों आरोपी पार्षदों को पूछताछ के लिए तलब किया था।

थाने में दोनों से घंटों तक सघन पूछताछ की गई और उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 196/1 (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना और सद्भाव बिगाड़ना) के तहत दोनों पार्षदों के खिलाफ केस दर्ज किया है। एसीपी विनोद दीक्षित ने बताया कि इस मामले में भाजपा पार्षद दल ने एमजी रोड थाने में आकर शिकायत की थी।

फूड पॉइजनिंग से छात्रा की मौत

सीएम माझी ने दिए जांच के आदेश तीन लाख मुआवजे का एलान

भुवनेश्वर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले के एक सरकारी आदिवासी स्कूल में कथित तौर पर फ़ूड पॉइज़निंग के कारण 5वीं कक्षा के एक छात्र की मौत के बाद तनाव फैल गया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मृतक के परिवार के लिए 3 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है और राजस्व संभागीय आयुक्त, केंद्रीय संभाग द्वारा जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मयूरभंज जिले की रसगोविंदपुर तहसील के एक स्कूल की छात्रा रूपाली बेसरा के निधन की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री मांझी ने मृतक छात्र के परिवार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने घटना की आरडीसी स्तर की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने राजस्व मंडल आयुक्त (केंद्रीय मंडल) को निर्देश दिया है कि वे छात्रों के बीमार पड़ने की परिस्थितियों और रूपाली की मृत्यु के कारणों की विस्तृत जांच करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आरडीसी बुधवार को स्कूल का दौरा कर घटना की जांच करेंगे। बच्चों की स्वास्थ्य जांच करने के लिए बुधवार को एक चिकित्सा दल रसगोविंदपुर भी जाएगा।

सीएमओ ने बताया कि लोक स्वास्थ्य निदेशालय से एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के संयुक्त निदेशक और एक अन्य डॉक्टर (सूक्ष्मजीव विज्ञान) पहले से ही बारीपाड़ा में मौजूद हैं। मयूरभंज जिले की रसगोविंदपुर तहसील के काकाबन्धा स्थित राज्य सरकार द्वारा संचालित स्कूल के छात्रावास में रविवार सुबह 140 से अधिक छात्राएं कथित तौर पर 'पखाला' (किण्वित चावल), पत्तेदार सब्जी की करी, मसले हुए आलू और अन्य चीजें खाने के बाद बीमार पड़ गई थीं। बाद में उन्हें पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। उनमें से कुछ की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर लगभग 70 छात्रों को बारीपाड़ा स्थित मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया।

मराठी नहीं आती तो महाराष्ट्र में 1 मई से नहीं चला पाएंगे ऑटो-टैक्सी

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने 1 मई से राज्य के सभी लाइसेंस वाले रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी की बेसिक जानकारी होना ज़रूरी कर दिया है। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा कि ड्राइवरों की जांच के लिए राज्य भर में मोटर ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के 59 ऑफिस के ज़रिए एक कैंपेन चलाया जाएगा ताकि यह वेरिफाई किया जा सके कि ड्राइवर भाषा पढ़ और लिख सकते हैं या नहीं। सरनाइक ने चेतावनी दी कि जिन चालकों को मराठी का बुनियादी ज्ञान नहीं है, उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि एक मई (महाराष्ट्र दिवस) से सभी लाइसेंस प्राप्त रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य होगा। मंत्री सरनाइक ने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के लिए लोकल भाषा की जानकारी ज़रूरी करने वाला मौजूदा नियम पहले से ही लागू था, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर नज़रअंदाज़ किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट को कई शिकायतें मिली हैं, खासकर मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर), छत्रपति संभाजी नगर और नागपुर से, कि ड्राइवर यात्रियों से मराठी में बात नहीं कर पा रहे हैं या करना नहीं चाहते हैं।

सीएम उमर बोले

जम्मू-कश्मीर में जंगल राज नहीं चलने देंगे

प्रदेश में अशांति फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा'

जम्मू, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार प्रदेश में किसी भी सूरत में जंगल राज नहीं चलने देगी। शांति को भंग करने की हर कोशिश को सख्ती से नाकाम किया जाएगा। सीएम रामबन में युवक की मौत के मामले में बोल रहे थे। सीएम अनंतनाग के बिजबिहाड़ा स्थित फ्रूट मंडी में आयोजित जश्न-ए-आमद-ए-बहार कार्यक्रम में सीएम ने कहा, सरकार जम्मू-कश्मीर में स्थिरता, अमन और विकास का नया दौर शुरू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कुछ तत्व माहौल खराब कर अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ऐसी कोशिशों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि कुछ लोग प्रदेश में शांति नहीं, टकराव का माहौल बनाना चाहते हैं मगर जब तक उनकी सरकार सत्ता में है, ऐसे मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से अपील कि राबमन मामले में शामिल लोगों और हालात को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कहा कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई से साफ संदेश जाएगा कि जम्मू-कश्मीर में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इस मौके पर नासिर असलम, मंत्री सकीना इत्तू, जावेद अहमद, बशीर अहमद और अल्ताफ कालो मौजूद थे।

हाईकोर्ट का फैसला वकील की गलती याचिकाकर्ता को नहीं

सोशल ऑडिट का संदेश देकर याचिका बहाल; आश्रम जाकर एक घंटे सेवा करनी होगी

ग्वालियर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने एक अहम फैसले में न्यायिक संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का अनोखा उदाहरण पेश किया है। कोर्ट ने साफ कहा कि वकील की गलती की सजा याचिकाकर्ता को नहीं दी जा सकती। मामला गोविंद स्वरूप श्रीवास्तव की याचिका से जुड़ा है, जो सुनवाई के दौरान उनके वकील के उपस्थित न रहने के कारण खारिज हो गई थी। बाद में बहाली के लिए दिया गया आवेदन भी सिंगल बेंच ने खारिज कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देने पर डिवीजन बेंच ने पाया कि वकील दूसरी अदालत में व्यस्त होने के कारण पेश नहीं हो सके थे। ऐसे में याचिकाकर्ता के अधिकारों को प्रभावित करना न्यायसंगत नहीं है। कोर्ट ने पूर्व आदेशों को निरस्त करते हुए याचिका को पुनः बहाल करने के निर्देश दिए। हालांकि, अदालत ने याचिका बहाल करते हुए एक विशेष शर्त भी जोड़ी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता या उसका वकील माधव अंध आश्रम जाकर कम से कम 2 हजार रुपए की खाद्य सामग्री प्रदान करे और वहां के बच्चों व जरूरतमंदों के साथ कम से कम एक घंटा समय बिताए।

थाने के गेट पर ही ससुराल वाले बरसाने लगे चाकू, बहू और उसका भाई मौत के मुंह में

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण शहर में रिश्तों पर से भरोसा तोड़ने और कांटे की तरह चुभने वाली एक घटना सामने आई है। तलाक के झगड़े से गुस्साए ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस थाने के बाहर ही बहू और उसके भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में तनवीर खान की पत्नी रुखसार खान गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना कल्याण के वालधुनी क्षेत्र में हुई, जहां अशोक नगर में रह रहे पति-पत्नी के बीच चल रहे झगड़े की वजह से हालात बिगड़ गए थे। झगड़ा इतना बढ़ गया कि रुखसार अपने भाई के साथ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराने गई थी। लेकिन उसी समय गुस्साए ससुराल वालों ने उनका पीछा किया और पुलिस स्टेशन के बाहर ही उन पर हमला कर दिया।

आरोपियों में पति, ससुर, देवर और ननद शामिल हैं, जिन्होंने उस पर चाकू और पत्थरों से हमला किया। इस अचानक हुए हमले में महिला और उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमले में घायल रुखसार का रो-रोकर बुरा हाल है। वह रोते हुए कहती है, मेरा भाई ही सबकुछ है।

फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी

8 की मौत और 25 से ज्यादा घायल

फतेहगढ़ साहिब, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बैसाखी पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब माथा टेक कर लौट रही संगत की बस फतेहगढ़ साहिब के गांव भटेड़ी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। दो गंभीर घायलों को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चला है। बस्सी पठाना तहसील के गांव मैण माजरी की संगत बैसाखी के मौके पर श्री आनंदपुर साहिब गई थी।

संगत में गांव डडयाना, माजरा और शेरगढ़ बाड़ा के लोग भी शामिल थे। सभी श्रद्धालु मैण माजरी के गुरुद्वारा साहिब की पालकी वाली बस में सवार होकर देर रात लौट रहे थे। गांव मैण माजरी से करीब 3 किलोमीटर पहले गांव भटेड़ी के पास बस अचानक हादसे का शिकार हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम और बस्सी पठाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को बस से निकाल कर तुरंत अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार रोपड़ जिले के मोरिंडा सिविल अस्पताल में 15 घायलों को भर्ती कराया गया।

फतेहगढ़ साहिब सिविल अस्पताल में 9 घायलों को लाया गया। फतेहगढ़ साहिब से 2 की हालत गंभीर होने पर उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया। बस्सी पठाना अस्पताल में भी कुछ घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे की खबर मिलते ही एसएसपी फतेहगढ़ साहिब शुभम अग्रवाल, डीएसपी बस्सी पठाना राजकुमार शर्मा और विधायक रुपिंदर सिंह हैप्पी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत कार्य का जायजा लिया। पुलिस ने रात में ही क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क से हटाया। इसके बाद यातायात सुचारू किया गया।

छात्रा से यौन उत्पीड़न के बाद बवाल, तनाव के बीच 13 आरोपी गिरफ्तार

सोपोर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सोपोर के सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में हिंसक प्रदर्शन के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई है। अध्यापक द्वारा एक छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर उपद्रव करने के मामले में सोपोर पुलिस ने रात भर चली रेड के दौरान पांच और बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले आठ लोग गिरफ्तार किए गए थे। कुल मिलाकर अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं और बाकियों की धर पकड़ की कोशिशें जारी हैं। इसके अलावा, 13 और बदमाशों की पहचान की गई है और उन्हें जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि रेड और सर्च ऑपरेशन तब तक जारी रहेंगे जब तक सभी दोषियों को गिरफ्तार कर नहीं लिया जाता। सोपोर पुलिस ने कहा कि वह किसी भी व्यक्ति को शांति भंग करने के लिए सेंसिटिव हालात का फायदा उठाने की इजाज़त नहीं देगी। गड़बड़ी फैलाने में शामिल सभी लोगों पर सख्त और कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के अनुसार, सोपोर के एक उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक वरिष्ठ अध्यापक को गिरफ्तार किया गया था।

भाजपा की सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगाः दिलीप घोष

खड़गपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। अंततः भाजपा को ही आगे आना चाहिए।

भाजपा कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग भाजपा को वोट दे रहे हैं। भाजपा सुशासन प्रदान करती है। भाजपा अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है। इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा, आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। दिलीप घोष ने आगे कहा, इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दिया है।

भाजपा की सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, ममता बनर्जी की हालत बिगड़ रही है, इसलिए वह अनाप-शनाप बयान दे रही हैं। इसके पहले दिलीप घोष ने कहा था, कोयला, बालू से लेकर गोतस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 16 अप्रैल, 2026 3

सुविचार
खुश रहना सीखिए बाकी सब तो चलता रहेगा, कोई अपना बिछड़ता रहेगा और कोई पराया मिलता रहेगा!

नई पर्यटन नीति के तहत हैदराबाद बनेगा वैश्विक पर्यटन केंद्र : मंत्री

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद के प्रतिष्ठित ऐतिहासिक स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्रों में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। चारमीनार विधायक मीर जुल्फेकार अली, पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक गौतमी तथा पुरातत्व निदेशक अर्जुना राव के साथ मंत्री ने बुधवार को चौमहल्ला पैलेस और चारमीनार क्षेत्र सहित आसपास के ऐतिहासिक स्थलों का व्यापक निरीक्षण किया। संरक्षण कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कृष्णा राव ने बताया कि कुली कुतुब शाह अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (क्यूक्यूएसडीए) ने ऐतिहासिक 'मछली कमान' के पुनरुद्धार के लिए 3.64 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यों की शीघ्र शुरुआत सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों को 'शेर-ए-बातिल' कमान के जीर्णोद्धार के निर्देश भी दिए और चारमीनार के निकट स्थित फव्वारे के सौंदर्यीकरण पर जोर दिया, ताकि पर्यटकों के लिए इसकी आकर्षण क्षमता बढ़ाई जा सके। मंत्री ने कहा कि नई पर्यटन नीति के तहत राज्य भर में पर्यटन केंद्रों के विकास को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल अपनाकर सरकार राजस्व को अधिकतम करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रख रही है। सरकार के फोकस को दोहराते हुए कृष्णा राव ने कहा कि हैदराबाद को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाने के लिए विशेष मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन चौमहल्ला पैलेस जैसी धरोहरों की स्थापत्य गरिमा को संरक्षित रखते हुए घरेलू और विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुरूप आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के बीच संतुलन स्थापित कर रहा है।

मनोनीत पदों की नियुक्तियों में तेजी लाएगी कांग्रेस

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेतृत्व ने लंबे समय से लंबित मनोनीत पदों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्णय लिया है। पार्टी ने तय किया है कि चुनाव में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इन नियुक्तियों से संबंधित सरकारी आदेश अगले कुछ दिनों में जारी होने की संभावना है। यह फैसला बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ के बीच हुई बैठक में लिया गया। बैठक में परिसीमन, महिला आरक्षण विधेयक और संगठन को मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा की गई। मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष की खबरों का भी संज्ञान लिया। इसी के तहत मंत्रियों और निगम अध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा की गई और कुछ प्रारंभिक निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने एक सप्ताह के भीतर राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार और जिला स्तरीय समितियों से जुड़े अहम फैसले इसी बैठक के आधार पर लिए जाएंगे।

कुतुब शाही मकबरों के पुनरुद्धार कार्य में तेजी लाएगी सरकार : जूपल्ली

मंत्री ने संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने बुधवार को कुतुब शाही मकबरे, कटोरा हाउस और खजाना बिल्डिंग संग्रहालय सहित कई ऐतिहासिक स्थलों का उच्चस्तरीय निरीक्षण किया। करवान विधायक कौसर मोहिउद्दीन के साथ पहुंचे मंत्री ने चल रहे संरक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और तेलंगाना की धरोहर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। कुतुब शाही मकबरों स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर के दौरे के दौरान कृष्णा राव ने वक्फ ट्रिब्यूनल में लंबित मामलों से जुड़े कानूनी अड़चनों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ट्रिब्यूनल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विशिष्ट क्षेत्रों को छोड़कर अन्य सभी लंबित कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पुनः शुरू किया जाए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक देरी इन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संरचनाओं के संरक्षण में बाधा नहीं बननी चाहिए। दौरे का एक प्रमुख आकर्षण 1.3 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित रोपवे परियोजना की समीक्षा रही, जिसके तहत कुतुब शाही मकबरों को गोलकुंडा किला से जोड़ा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना फिलहाल स्वीकृति प्रक्रिया में है। इस पर कृष्णा राव ने विभिन्न विभागों से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त होते ही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। इसके बाद कटोरा हाउस में मंत्री ने इस परिसर को प्रमुख पर्यटन आकर्षण के रूप में विकसित करने की अपनी योजना व्यक्त की। उन्होंने पर्यटन विभाग को पुरातत्व विभाग, जीएचएमसी, एचएमडीए और कुली कुतुब शाह अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (क्यूक्यूएसडीए) के साथ समन्वय कर व्यापक डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जीएचएमसी अधिकारियों को कटोरा हाउस के आसपास फैले कचरे और मलबे को तत्काल हटाने के सख्त निर्देश दिए, ताकि परिसर की पवित्रता बहाल की जा सके। मंत्री ने गोलकोंडा किला बस स्टॉप के पास खाली भूमि पर ऐतिहासिक लाड़ बाजार की तर्ज पर एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने अधिकारियों को इन प्रस्तावों को आवश्यक स्वीकृति के लिए नेशनल मॉन्यूमेंट्स अथॉरिटी (एनएमए) को भेजने की सलाह दी। खजाना बिल्डिंग संग्रहालय में कृष्णा राव ने प्रदर्शित पुरावशेषों के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया और संग्रहालय को आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पुरातत्व, टीजीएसटीडीसी और क्यूक्यूएसडीए अधिकारियों को यहां हैंडलूम और खादी प्रदर्शनी आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय कारीगरी को बढ़ावा मिल सके। इसके अलावा, मंत्री ने संग्रहालय के पीछे हुए अतिक्रमणों को एक सप्ताह के भीतर हटाने के निर्देश दिए और इसके लिए पुलिस विभाग के सहयोग की आवश्यकता बताई। सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कृष्णा राव ने कहा कि तेलंगाना में समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य मौजूद है।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन तेज : कविता

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने विकाराबाद में आरडीओ कार्यालय के सामने बड़े विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए सरकार के भूमि अधिग्रहण के फैसले के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। यह प्रदर्शन प्रस्तावित पारिगी औद्योगिक कॉरिडोर के लिए छोटे और सीमांत किसानों की जमीन अधिग्रहण के विरोध में आयोजित किया गया। के. कविता ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों के साथ गंभीर अन्याय कर रही है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि औद्योगिक विकास के नाम पर कमजोर वर्गों के किसानों की आजीविका छीनी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी नीतियां अंततः जनता द्वारा खारिज कर दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि कल्लापुर, रापोले और भटला चंद्राम जैसे गांवों में बड़े पैमाने पर कृषि भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे किसान परेशान हैं। कविता ने कहा कि प्रस्तावित 1,250 एकड़ भूमि में से लगभग 1,000 एकड़ असाइनमेंट भूमि है, जबकि शेष 250 एकड़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के किसानों की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े भू-स्वामियों को छोड़कर कमजोर वर्गों को निशाना बना रही है। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि किसानों की समस्याएं जैसे रैतू भरोसा, कर्जमाफी, यूरिया की कमी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) अब भी अनसुलझे हैं। साथ ही उन्होंने पर्यावरणीय मुद्दों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर मूसी नदी की सफाई की बात की जा रही है, वहीं दूसरी ओर पास में प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है।

50 हजार की रिश्वत लेते एई रंगे हाथों गिरफ्तार

करीमनगर, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को हुजूरबाद कस्बे में एक ठेकेदार से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए नगर निगम के सहायक अभियंता नुसुम सुधाकर रेड्डी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, सुधाकर रेड्डी ने ठेकेदार से तूफानी जल निकासी परियोजना के कार्य से संबंधित माप पुस्तिका (एमबी) में प्रविष्टि दर्ज करने और अंतिम बिल पास करने के बदले रिश्वत की मांग की थी।

ठेकेदार द्वारा रिश्वत देने से इनकार करने पर उसने एसीबी से शिकायत की। इसके बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया और आरटीसी डिपो चौक पर शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते समय आरोपी को पकड़ लिया। एसीबी ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गच्चीबोवली में ट्रैफिक सुधार के लिए बनेंगे तीन फ्लाईओवर और एक अंडरपास

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबोवली स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी (आईआईआईटी-एच) के पास व्यस्त जंक्शन पर लगातार बढ़ती यातायात समस्या को दूर करने के लिए तीन नए फ्लाईओवर और एक अंडरपास का निर्माण किया जाएगा। यह जंक्शन शहर के प्रमुख आईटी और आईटीईएस संस्थानों, व्यावसायिक परिसरों और भोजनालयों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है।
यहां से आईआईआईटी-एच, खेल स्टेडियम, टीसीएस, आईएसबी और अन्य महत्वपूर्ण स्थान जुड़े हुए हैं। पुराने मुंबई राजमार्ग का हिस्सा होने के कारण यहां पटनचेरु, बीएचईएल, हाईटेक सिटी, माधापुर, मणिकोंडा और तेलापुर समेत कई क्षेत्रों से भारी यातायात आता-जाता है।

पिछले कुछ महीनों से यहां खुदाई का कार्य जारी है और अब खंभों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

डीएलएफ रोड से गाचीबोवली स्टेडियम की ओर बनने वाले फ्लाईओवर के लिए सेरिलिंगमपल्ली रोड पर कई खंभे खड़े किए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि जंक्शन पर ट्रैफिक बाधित न हो, इसलिए इस हिस्से पर पहले काम शुरू किया गया। पहले इस परियोजना की योजना जीएचएमसी ने बनाई थी और 2025 में टेंडर भी जारी किए गए थे, लेकिन अब इसका काम साइबरबाद नगर निगम (सीएमसी) द्वारा कराया जा रहा है।

सीएमसी के सहायक अभियंता शिवा कृष्णा के अनुसार, इस परियोजना पर करीब 459 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसका उद्देश्य क्षेत्र में सिग्नल-फ्री यातायात और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि सभी फ्लाईओवर और अंडरपास को 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके अलावा, सीएमसी द्वारा साइबरबाद पुलिस कमिश्नर कार्यालय से गाचीबोवली जंक्शन तक 215 फीट चौड़ी सड़क और अंजैया नगर से आईआईआईटी जंक्शन तक 150 फीट चौड़ी सड़क का चौड़ीकरण भी किया जा रहा है। अनुमान के अनुसार, सेरिलिंगमपल्ली और गाचीबोवली के बीच प्रतिदिन लाखों वाहन गुजरते हैं, जबकि आईएसबी-डीएलएफ रोड खंड पर भी भारी यातायात बना रहता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, M SHANTHI , M/O: NK RAMESH R, R/O: 52/A, PILLAIYAR KOVIL STREET, PUDUR, KANIYAMBADI, VELLORE, TAMILNADU - 632102, have changed my name from M SHANTHI to SANTHY RANGARAVO vide Affidavit dt.06-03-2026 AT Hyderabad

I, KALPNA YADAV spouse of JC-733961N SUB DINESH KUMAR, R/o Village: Raghavpur, Post: Vaidpura, Tehsil: Saiphai, District: Etawah, State: UP - 206001, hereby state that my name is changed from KALPNA YADAV to KALPANA YADAV vide Affidavit dated 15 April 2026.

I, Paidi Nidu, Father of No. 14678683Y, NK, Govinda Rao Kadagala, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my name from Paidi Nidu to Kadagala Paidi Naidu vide Affidavit No. 466370 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Savitriamma, Mother of No.14678683Y, NK, Govinda Rao Kadagala, R/o, Dist: Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from Savitriamma to Kadagala Savitramma vide Affidavit No. 466372 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14678683Y, NK, Govinda Rao Kadagala, R/o, Dist : Srikakulam, Andhra Pradesh, changed my Daughter's name from Kadagala Ujwala Tanavi to Kadagala Ujwala Thanavi, vide Affidavit No. 466374 dt. 13.04.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भीषण गर्मी में जलजनित बीमारियों के मामले बढ़े

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बढ़ती गर्मी के बीच विशेष रूप से सिकंदराबाद क्षेत्र में जलजनित बीमारियों, खासकर गैस्ट्रोएंटेराइटिस के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है।

गांधी अस्पताल और उस्मानिया जनरल अस्पताल में पिछले एक सप्ताह के दौरान पेट और आंत से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फीवर हॉस्पिटल, गांधी हॉस्पिटल और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल में उल्टी, पेट दर्द और गंभीर निर्जलीकरण की शिकायत लेकर लगातार मरीज पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सिकंदराबाद के चिलकलगुडा क्षेत्र के चिन्ताबाई और दूदीबावी इलाकों में संक्रमण फैलने से 65 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि पानी की पाइपलाइनों में सीवेज के रिसाव के कारण यह समस्या बढ़ी है।

हैदराबाद और सिकंदराबाद के विभिन्न जांच केंद्रों में दस्त, एसिडिटी और फूड पॉइजनिंग के मामलों में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान बढ़ने से भोजन और पानी में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में बदलाव और अत्यधिक गर्मी के कारण पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। भोजन जल्दी खराब हो जाता है और थोड़ी सी भी गंदगी या मिलावट संक्रमण का कारण बन सकती है। वहीं, निर्जलीकरण से शरीर की पाचन क्षमता भी प्रभावित होती है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे पीने के पानी को उबालकर ही उपयोग करें, साफ-सफाई का ध्यान रखें और बीमारी के शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत ओआरएस का सेवन करें।

सरकारी स्कूलों में 20 लाख छात्रों के लिए एआई साक्षरता पहल शुरू

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर और पाई जैम फाउंडेशन के साथ मिलकर राज्य के सरकारी स्कूलों में लगभग 20 लाख छात्रों के लिए एआई साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) और अन्य स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने के लिए 2,000 लैपटॉप वितरित किए गए हैं। एससीईआरटी तेलंगाना द्वारा तैयार पाठ्यक्रम के माध्यम से कक्षा 5 से 9 तक के छात्रों को एआई की बुनियादी जानकारी दी जाएगी, जिसमें पाई जैम फाउंडेशन सहयोग कर रहा है। व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी शुरू किया गया है, जहां छात्र सीखी गई अवधारणाओं का अभ्यास कर सकेंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. योगिता राणा, विद्यालय शिक्षा निदेशक डॉ. ई. नवीन निकोलस, समग्र शिक्षा की संयुक्त निदेशक बी.वी. नरसम्मा और अमेज़न के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

माओवादी कमांडर रूपी उर्फ भाग्य का पैतृक गांव में अंतिम संस्कार

सिद्दिपेट, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में मारी गई माओवादी क्षेत्र कमांडर रूपी उर्फ रंगबोयिना भाग्य का बुधवार शाम को उनके पैतृक गांव धर्माराम में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान गांव में शोक का माहौल रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीण व परिजन मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद परिजन शव लाने के लिए 48 घंटे से अधिक समय तक इंतजार करते रहे। बुधवार को पुलिस शव को धर्माराम गांव लेकर पहुंची, जहां उनकी मां येल्लव्वा और अन्य परिजन शव देखकर भावुक हो गए। पूरे गांव के लोग उनके घर पर जुटे और 'जोहर भाग्य' तथा 'अमर रहे भाग्य' के नारे लगाए।

ट्रैफिक पुलिस का 'अराइव-अलाइव' हेलमेट वितरण अभियान

बाल सुरक्षा की प्राथमिकता पर विशेष जोर

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सैफाबाद ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को खैरताबाद स्थित वीवी स्टैच्यू के पास 'अराइव-अलाइव' पहल के तहत हेलमेट वितरण अभियान आयोजित किया। यह कार्यक्रम पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस के निर्देशों के अनुसार 'चिल्ड्रन्स रोड सेफ्टी डे' के अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डीसीपी ट्रैफिक (खैरताबाद जोन) अविनाश कुमार ने दोपहिया वाहनों पर यात्रा करने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण हेलमेट वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चार वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक बच्चे के लिए दोपहिया वाहन पर यात्रा करते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा को भी समान महत्व दें। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के लिए सही आकार के हेलमेट का उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि यात्रा के दौरान उनकी बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सैफाबाद ट्रैफिक इंस्पेक्टर सैदी रेड्डी, एसआई प्रसाद, नोहीता और करीम ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए 10 बच्चों को स्वयं हेलमेट पहनाकर उसके सही उपयोग की जानकारी दी तथा अभिभावकों को हेलमेट की पट्टी सही तरीके से बांधने का प्रदर्शन भी किया।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय की टीम ने टीजीसीएचई से किया सहयोग पर मंथन

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटेन के न्यूकैसल विश्वविद्यालय की एक टीम ने बुधवार को टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालाकिस्ता रेड्डी से मुलाकात कर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा साइंस, नवाचार और उद्यमिता, टिकाऊ और लचीले शहर, संबद्ध स्वास्थ्य सेवा, कृषि व्यवसाय और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी के अवसरों पर विचार किया गया।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय की टीम में प्रो. स्टीवर्ट रॉबिन्सन, डॉ. आदित्य नारायण शर्मा और बैरी हॉजसन शामिल थे। टीम ने बताया कि उनके सिंगापुर और मलेशिया में पहले से ऑफ-कैंपस केंद्र हैं और वे भारत के विभिन्न शहरों में भी ऐसे केंद्र स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। प्रोफेसर रेड्डी ने तेलंगाना की विशेषताओं को बताते हुए कहा कि यह देश का सबसे युवा राज्य है और यहां रक्षा निर्माण, फार्मा और आईटी उद्योगों में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने राज्य को शैक्षणिक और औद्योगिक सहयोग के लिए उपयुक्त बताया।

रेवंत रेड्डी पर जनता को गुमराह करने का आरोप

महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन पर विवाद

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक दल के नेता अल्लेटी महेश्वर रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर महिलाओं के आरक्षण और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें कांग्रेस को संविधान देने का श्रेय दिया गया था। इसे उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर का अपमान बताया। भाजपा नेता ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है, जो स्पष्ट करता है कि संविधान जनता द्वारा अपनाया गया है। ऐसे में किसी एक दल को इसका श्रेय देना गलत और भ्रामक है। अल्लेटी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, जो जनगणना के आधार पर हर दशक में की जाती है और इसे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त परिसीमन आयोग, चुनाव आयोग के परामर्श से संचालित करता है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग करते हुए राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की चुप्पी पर सवाल उठाए।

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं. 03/2026/सीआरआईडीए

साक्षात्कार के माध्यम से दि.23-04-2026 के 10.00 बजे, युवा पेशेवर (यंग प्रोफेशनल) -I (5 पद) के अस्थाई पदों को भरा जायेगा। विस्तृत विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासन अधिकारी

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)

Room No. 210, SAI-Head Office Building, SAI-Headquarter,
Jawaharlal Nehru Stadium Complex (East Gate-No. 10)
Lodhi Road, New Delhi-110003

फाइल क्रमांक: 01-04001(01)/1/2026-66/150 दिनांक: 30.01.2026

अधिसूचना

भारतीय खेल प्राधिकरण नियमित आधार पर प्रदर्शन विश्लेषक के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) 7वें सीपीसी के वेतनमान-6 (₹35400-₹112400/-) में 7 खेल विज्ञान विषयों में प्रदर्शन विश्लेषक के 48 पदों (सीधी भर्ती) के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित करता है।

उक्त पद का विवरण और अन्य प्रासंगिक जानकारी एसएआई की वेबसाइट https://sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध है।

उपनिदेशक (DEPUTY DIRECTOR)
मानव संसाधन प्रभाग - II (HUMAN RESOURCES DIVISION -II)
भाखेप्रा मुख्य कार्यालय (SAI HEAD OFFICE)

cbc 47103/12/0002/2627

युवती की गला रेतकर हत्या

अमेठी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेठी जिले की गौरीगंज कोतवाली के एक गांव में 23 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। सुबह घर से करीब 50 मीटर दूर नहर किनारे शव मिला। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सुबह नहर की ओर गए कुछ लोगों की नजर शव पर पड़ी। जानकारी मिलने पर परिजन भी पहुंच गए। गले पर धारदार हथियार के निशान मिले, जिससे हत्या की पुष्टि हुई।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने का प्रयास किया ताकि घटना की कड़ी स्पष्ट हो सके। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी एकत्र की जा रही है। शव की स्थिति देख लोगों में दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच आगे बढ़ा रही है और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है।

अखिलेश यादव को खटकी महिला आरक्षण पर जल्दबाजी

सपा चीफ ने कहा- ये पीडीए के हक को मारने की साजिश

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण को लागू कराने की क़वायद तेज कर दी है। इसके लिए तीन दिन का विशेष संसदीय सत्र बुलाया गया है। जिसे लेकर अब सियासत भी देखने को मिल रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ये पीडीए के हक को मारने की बड़ी साजिश है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखी और महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अब वोटरों का आकाल पड़ गया है इसलिए जल्दबाजी में इसे लाया जा रहा है लेकिन सच्चाई ये हैं कि भाजपा सरकार में महिलाएं ही सबसे ज्यादा दुखी है। अखिलेश यादव ने लिखा- 'महिला आरक्षण के नाम पर ये जल्दीबाजी बता रही है कि अब भाजपा जा रही है।

सच तो ये है कि भाजपा जनगणना को टालना चाहती है क्योंकि जनगणना होगी तो जातिगत जनगणना की भी बात उठेगी और फिर आरक्षण की भी, जो भाजपा और उनके संगी-साथी कभी भी देना नहीं चाहते हैं। भाजपा को ये भी अच्छी तरह याद है कि 'पीडीए' में 'ए' का मतलब 'आधी आबादी' अर्थात महिला भी है। ये बिल पीडीए का हक़-अधिकार मारने की एक बड़ी साज़िश का हिस्सा है। एक बड़ा चुनावी सच ये भी है कि भाजपा की चुनावी घपलेबाजी का अब पूरी तरह से भंडाफोड़ हो गया है, 'पीडीए प्रहरी' एक विचार की तरह हर प्रदेश और हर दल ने स्वीकार कर लिया है।

भाजपा पर चौकन्नी नज़र रखी जा रही है, इसीलिए अब भाजपा को चुनावी हेराफेरी का कोई और मौका आसानी से नहीं मिलेगा और सच्चे वोट ही, चुनाव का सच्चा नतीजा तय करेंगे। अब हर तरह से भाजपा की कलई खुल गयी है, इसीलिए उसके समर्थक और वोटरों का अकाल पड़ गया है। भाजपा निराशा के इस दौर से उबरने के लिए ये बिल ला रही है। भाजपा की यही राजनीतिक चाल रहती है जब पुराने लोग ये समझ जाते हैं कि भाजपा किसी की सगी नहीं है तो हर बार भाजपा कुछ नये लोगों को अपने लुभावने जुमलों में फँसाती है। इस बार भाजपा महिलाओं को लेकर ये पुरानी चाल चल रही है लेकिन, सफल नहीं होगी क्योंकि भाजपा राज में सबसे ज़्यादा दुखी तो महिलाएं ही हैं। भाजपा की कमीशनखोरी व चंदा वसूली की वजह से जो महंगाई बढ़ी है उससे उनकी रसोई सूनी हो गयी है, रही-सही कसर सिलेंडर की बेतहाशा बढ़ती क़ीमतों ने पूरी कर दी है।

हर महिला अपने बच्चों को पढ़ाना चाहती है लेकिन भाजपा की शिक्षा विरोधी सोच तो सरकारी स्कूल तक बंद करवा दे रही है। महिलाओं का दर्द क्या होता है ये मेरठ के दुकानदारों के परिवार की महिलाओं की आँखों में आए आँसू भी बयां कर रहे हैं और नोएडा की मजदूर और मेड के रूँधे गले के बयान भी। अगर ये बिल इतना ही सही है तो इसे मेरठ-नोएडा की पारिवारिक और कामगार महिलाओं के बीच बैठकर घोषित किया जाए।'

चलती कैब में होती थी आईपीएल सट्टे की डील, बैंक खातों में 100 करोड़ रुपये का लेनदेन!

कानपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में सट्टा और प्रतिबंधित ऑनलाइन गेम खिलाने वाला गिरोह बेहद चालाक था। वे पकड़े न जाएं, इसलिए चलती कैब में आईपीएल सट्टा खिलाते और उसका लेनदेन करते थे। जेल गए आठ आरोपितों में एक वकील तो दूसरा वकील का बेटा है। वकील के बेटे ने इस काम के लिए खुद दो कारें खरीदकर कैब में लगा रखी थी। वहीं इस गिरोह के 15 आरोपित भागे हुए हैं, जिनमें से दो आरोपितों के नंबर की लोकेशन ट्रेस हुई है। उनकी तलाश में टीम लखनऊ और प्रयागराज पहुंची है। वहीं, आरोपितों के 150 बैंक खातों में 100 करोड़ रुपये के लेनदेन होने की संभावना है। बैंक खुलने पर उसकी जानकारी मांगी जाएगी। प्रतिबंधित ऑनलाइन गेम लोटस 365, रेड्डी बुक, कार्तिके, दुबई ईएक्सएच आदि गेम व आईपीएल सट्टा खेलने के लिए क्लोन वेबसाइट बनाई गई है। इसमें दुबई में बैठे मास्टर माइंड ने बनवाई है। उसने देश के सभी राज्यों और जिलों में अपने गिरोह के हजारों सदस्यों को शामिल कर रहा है।

डीएम मेधा रूपम का सख्त निर्देश

न्यूनतम वेतन में लापरवाही पर गिरेगी गाज

गौतमबुद्धनगर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा में मजदूरों के प्रदर्शन और हिंसक घटनाओं को प्रशासन ने सख्ती से लिया है। जिले में औद्योगिक शांति बनाए रखने और शासन की गाइडलाइंस का पालन पूरी तरह से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों की आउटसोर्सिंग एजेंसियों और कॉन्ट्रैक्टर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आउटसोर्सिंग एजेंसी या कॉन्ट्रैक्टर्स इंडस्ट्री को चलाने तथा लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इन सभी की जिम्मेदारी है कि वे अपने श्रमिकों के हितों का भी ख्याल रखें और शांति व्यवस्था बनाए रखें। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी भी आउटसोर्सिंग एजेंसी या उसके कर्मचारी के द्वारा उपद्रवी व्यवहार किया जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की भी मानी जाएगी। ऐसे मामलों में एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करते हुए उसका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने सभी कॉन्ट्रैक्टर्स को शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने न्यूनतम वेतन का उल्लेख करते हुए बताया कि अकुशल श्रमिकों के लिए 13,690 रुपये, अर्धकुशल के लिए 15,059 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 16,868 रुपये प्रतिमाह वेतन तय किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियां यह सुनिश्चित करें कि श्रमिकों को पूरा वेतन सीधे उनके बैंक खातों में दिया जाए। किसी भी प्रकार का शोषण या नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पीट-पीटकर हुई थी महिला की हत्या: शरीर में 17 चोट, रेप की आशंका

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। काकोरी इलाके में सड़क किनारे मिले अज्ञात महिला के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में महिला के सिर पर आगे और पीछे दो गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर करीब 15 चोटें पाई गई हैं। डॉक्टरों ने मौत की वजह सिर में आई गंभीर चोट (हेड इंजरी) बताई है। रेप की आशंका को देखते हुए डॉक्टरों ने स्लाइड तैयार कर जांच के लिए भेज दी है। रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि रेप हुआ था या नहीं। हालांकि, महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शरीर पर कई जगह चोट के निशान भी मिले थे, जो किसी हिंसक वारदात की ओर इशारा करते हैं।

अब तक महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पहचान के लिए शहर और आसपास के जिलों में सार्वजनिक स्थानों पर फोटो चस्पा कराई गई है। आगरा एक्सप्रेस-वे समेत अन्य प्रमुख राजमार्गों के टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना स्थल और महिला के कपड़ों से ऐसा कोई ठोस सुराग नहीं मिला है,

अतीक की मौत के 3 साल

पत्नी शाइस्ता का पता नहीं

लखनऊ/प्रयागराज, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक की पत्नी शाइस्ता को यूपी पुलिस 3 साल में पकड़ नहीं सकी है। उसकी तलाश में 9 राज्यों में छापेमारी की गई। पुलिस की स्पेशल टीम के साथ एटीएस और आरएएफ तक की मदद ली गई। अंडरग्राउंड हो गई शाइस्ता का पता बताने वाले को 50 हजार रुपए देने का इनाम रखा गया है। शाइस्ता यूपी पुलिस की मोस्ट-वांटेड महिला अपराधियों की लिस्ट में शामिल है। लेकिन, पुलिस के पास उसकी लोकेशन का कोई क्लू नहीं है।

अतीक के परिवार में उसकी बहन आयशा नूरी और भाई अशरफ की पत्नी जैनब को भी पुलिस ढूंढ रही है। तीनों महिलाओं को उमेश पाल हत्याकांड में साजिश रचने और हमलावरों को मदद देने का आरोपी बनाया गया था। जैनब और आयशा पर भी 25-25 हजार रुपए का इनाम रखा गया है।

शुरुआत में इन महिलाओं के दुबई भागने की आशंका जताई गई, लेकिन बाद में पुलिस ने इससे इनकार किया था। अतीक अहमद की हत्या 3 साल पहले आज ही के दिन 15 अप्रैल, 2023 को हुई थी। उमेश पाल मर्डर की साजिश करने वाली तीनों महिलाओं को पुलिस अब तक क्यों नहीं पकड़ सकी?

दो पाकिस्तानी महिलाएं गिरफ्तार, झांसा देकर चोरी करती थी गहने

सिद्धार्थनगर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के कपिलवस्तु जिले के चंद्रौटा क्षेत्र में पुलिस ने सोना चोरी के आरोप में दो पाकिस्तानी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि दोनों महिलाएं ग्राहक बनकर ज्वेलरी दुकानों में जाती थीं और मौका मिलते ही सोना पार कर देती थीं। कपिलवस्तु पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार की गई दोनों महिलाएं लंबे समय से सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दे रही थीं। ये महिलाएं पहले दुकान में ग्राहक बनकर प्रवेश करती थीं और ज्वेलरी देखने के दौरान दुकानदार का ध्यान भटकाकर सोने के आभूषण गायब कर देती थीं।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित महिलाएं केवल कपिलवस्तु तक सीमित नहीं थीं, बल्कि रूपनदेही जिले के योगीकुटी, तौलिहावा और चंद्रौटा क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानों को भी निशाना बना चुकी हैं। पुलिस को कई दुकानदारों से मिली शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने दोनों महिलाओं के पास से पासपोर्ट भी बरामद किए हैं, जिससे उनके विदेशी नागरिक होने की पुष्टि हुई है।

एंबुलेंस में ही खत्म हुई जिंदगी गया में खौफनाक वारदात

गयाजी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गौरा के पास एक सनसनीखेज वारदात में दाराचक निवासी 40 वर्षीय विजय चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, अगरैली निवासी आकाश यादव अपने पांच साथियों के साथ विजय चौधरी को जन्मदिन मनाने के बहाने गौरा के पास ले गया था। पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। विवाद के बीच आरोपितों ने विजय चौधरी को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद घबराए आरोपित उन्हें एंबुलेंस से इलाज के लिए पटना ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

मौत के बाद सभी आरोपित एंबुलेंस में शव छोड़कर फरार हो गए। एंबुलेंस चालक शव को लेकर दाराचक स्थित मृतक के घर पहुंचा। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर नगर डीएसपी और चंदौती थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। बेटी बड़ी है, जबकि पुत्र ने हाल ही में मैट्रिक की परीक्षा दी है।

गले लगाया, हालचाल जाना...अस्पताल में भर्ती चाचा से मिले चिराग पासवान

पटना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस राजधानी पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। इस बीच जैसे ही ये खबर सूचना केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान को मिली। वो सीधे दिल्ली से सीधा पटना पहुंचे और अस्पताल जाकर अपने चाचा का हाल-चाल जाना। इस दौरान वो चाचा के गले भी मिले। इस दौरान चिराग काफी भावुक नजर आए। अस्पताल के अंदर का वीडियो भा सामने आया है, जिसमें चिराग अपने चाचा से बात करते नजर आ रहे हैं। चिराग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा 'मेरे अभिभावक, चाचा श्री पशुपति कुमार पारस जी, आज सुबह से अस्वस्थ हैं। मैंने पटना के एक अस्पताल में जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उचित उपचार के लिए आवश्यक निर्देश और मार्गदर्शन प्रदान किया।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे शीघ्र स्वस्थ हो जाएं'। अस्पताल में मुलाकात चिराग पासवान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजनीति अपनी जगह है, पशुपति पारस उनके लिए पिता के समान हैं। उन्होंने कहा कि वो यहां एक राजनेता के तौर पर नहीं, बल्कि एक बेटे के तौर पर अपने अभिभावक से मिलने आए हैं। चिराग ने ये भी कहा कि परिवार में भले ही वैचारिक मतभेद रहे हों, लेकिन सेहत और पारिवारिक रिश्तों के मामले में हम एक हैं। उन्होंने ने डॉक्टरों से अपने चाचा के समुचित इलाज को लेकर बात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

करोड़पति थानेदार, 17 साल में 50 करोड़ कमाए

किशनगंज, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने किशनगंज के नगर थानेदार (अब लाइन हाजिर) अभिषेक कुमार रंजन के पटना, किशनगंज और सारण के 5 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। टीम ने सुबह पटना के रामकृष्णा नगर, किशनगंज स्थित सरकारी आवास, सरकारी कार्यालय, सारण स्थित पैतृक आवास और सारण में उमानगर स्थित आवास में रेड की। 2009 बैच के दरोगा अभिषेक पर ईओयू ने आय से 115.66% अधिक संपत्ति (डीए केस) का मामला दर्ज किया है। 17 साल के करियर में थानेदार ने 50 करोड़ की चल-अचल संपत्ति बनाई है। बताया जाता है कि थानेदार डील होने पर कैश सीधे लेने के बजाय एक चाय दुकान पर पैसे रखवाता था।

जिसे बाद में दूसरी जगह भेजा जाता था। छोटी रकम चालक और मुंशी के जरिए वसूली जाती थी। अभिषेक रंजन का कनेक्शन किशनगंज के जमीन, बालू और शराब माफिया से है। अभिषेक ने इन माफियाओं से मोटी रकम कमाई और जमीन-जायदाद खरीदी। किशनगंज से लगभग 100 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में पत्नी के नाम पर लगभग सात कट्ठा जमीन और साले के नाम पर जमीन और मकान खरीदे जाने की जानकारी मिली है।

संजय निषाद का राहुल गांधी को करारा जवाब

'आरएसएस संविधान बचा रहा है, आलोचना करने वाले तो आपदा में भाग जाते हैं'

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस बयान के लिए उनपर निशाना साधा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संविधान को नष्ट कर रहा है। निषाद ने कहा कि आरएसएस हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आता है, जबकि आलोचना करने वाले लोग ऐसा नहीं करते। मत्स्य पालन मंत्री और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए गांधी के आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस पर नफरत भरी सोच को बढ़ावा देने और संविधान को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था और दावा किया था कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल के युवाओं को रोजगार देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है। निषाद ने कहा कि जब कोई आपदा या अनहोनी होती है, तो ये सभी लोग जो आरएसएस की आलोचना करते हैं, दूर भाग जाते हैं; केवल आरएसएस ही जरूरत के समय लोगों की मदद के लिए आगे आता है। जब सत्ता में नहीं होते, तब ऐसे बयान आसानी से दिए जाते हैं।

धनंजय सिंह पर फायरिंग केस में एमएलए अभय सिंह समेत 6 आरोपी बरी

वाराणसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके साथियों पर 24 साल पहले वाराणसी के नदेसर क्षेत्र में दिनदहाड़े हुए जानलेवा हमले में बुधवार को विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने फैसला सुनाया गया। अदालत ने आरोप साबित न होने पर संदेह का लाभ देते हुए आरोपित विधायक अभय सिंह, संजय सिंह रघुवंशी, सतेंद्र ऊर्फ बबलू सिंह, संदीप सिंह उर्फ पप्पू, विनोद सिंह व एमएलसी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह को दोषमुक्त कर दिया।

अभियोजन पक्ष का आरोप था कि चार अक्टूबर 2002 को जौनपुर के पूर्व सांसद व तत्कालीन विधायक धनंजय सिंह अपने कुछ साथियों के साथ सफारी गाड़ी से अस्पताल में भर्ती पारिवारिक सदस्य एक को देखकर शाम छह बजे वापस जौनपुर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी सफारी गाड़ी नदेसर क्षेत्र में स्थित टकसाल सिनेमा हाल के समीप पहुंचे, तभी पहले से वहां मौजूद अभय सिंह अपने साथियों के साथ सफारी और बोलेरो गाड़ी से उतरे और जान से मारने की नियत से धनंजय सिंह के ऊपर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। आत्मरक्षार्थ उनके गनर ने गोली चलाना शुरू कर दिया।

इसी दौरान मौके पर पुलिस की गाड़ी आ गई तो अभय सिंह और उसके साथी अपनी गाड़ी से कचहरी की तरफ भाग निकले। इस हमले में तत्कालीन विधायक धनंजय सिंह,गनर वासुदेव पांडेय, ड्राइवर दिनेश कुमार गुप्ता समेत अन्य लोग घायल हो गए। वहीं अचानक गोलियां चलने से वहां भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने धनंजय सिंह और उसके साथियों को इलाज के लिए मलदहिया स्थित सिंह मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया। इस मामले में धनंजय सिंह ने अभय सिंह एवं अन्य के ख़िलाफ़ कैंट थाना में नामजद मुकदमा दर्ज कराया था।

कैंट पुलिस ने विवेचना पूरी करके अभय सिंह, संजय सिंह रघुवंशी, सतेंद्र सिंह उर्फ बबलू, संदीप सिंह उर्फ पप्पू, विनोद सिंह तथा वर्तमान में एमएलसी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह के खिलाफ 14 दिसंबर 2002 को अदालत में आरोपपत्र प्रेषित कर दी। घटना के समय धनंजय सिंह रारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक थे।

ब्रजभूषण की बेटी शालिनी लड़ेंगी चुनाव

भाजपा में नहीं बनी बात तो थामेंगी सपा का हाथ

नोएडा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी राज्य की राजनीतिक और सामाजिक हलचलों का सटीक विश्लेषण लेकर आता है। इस शो में हम राज्य की तीन बड़ी खबरों को विस्तार से बताते हैं। आज के अंक में सबसे पहली और बड़ी खबर भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह की नोएडा की राजनीति में बढ़ती सक्रियता और उनके सियासी इरादों से जुड़ी है। दूसरी खबर नोएडा में श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन और उससे उत्पन्न प्रशासनिक चुनौतियों पर आधारित है, जिस पर शालिनी सिंह ने सरकार को घेरा है।

वहीं, तीसरी खबर सम्राट चौधरी के बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश के आगामी 2027 के चुनावों में पड़ने वाले संभावित जातीय और राजनीतिक असर का विश्लेषण करती है। नोएडा में हाल ही में श्रमिकों का प्रदर्शन उग्र और हिंसक हो गया। वेतन वृद्धि और बेहतर पारिश्रमिक की मांग को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन नोएडा से निकलकर एनसीआर के अन्य हिस्सों में भी फैल गया। प्रदर्शन के दौरान उपद्रवियों ने गाड़ियों में तोड़फोड़ की और पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। इस घटना ने नोएडा जैसे हाईटेक शहर की इंटेलिजेंस और पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों में भय का माहौल व्याप्त है और कई कंपनियों को 'वर्क फ्रॉम होम' घोषित करना पड़ा है। नोएडा के इसी हिंसक प्रदर्शन के बीच शालिनी सिंह (पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बेटी) ने एक वीडियो जारी कर सरकार और पुलिस प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया है। 'नोएडा सिटीजन फोरम' की कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने इसे इंटेलिजेंस का बड़ा फेलियर बताया। हालांकि, उनके इस कड़े रुख के पीछे राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि क्या वह 2027 के चुनाव में नोएडा विधानसभा सीट से दावेदारी पेश करने वाली हैं?

झारखंड सिपाही भर्ती पेपर लीक: बिहार ईओयू माफिया अतुल वत्स से करेगी पूछताछ

पटना/रांची, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार पेपर लीक माफिया अतुल वत्स से बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) भी पूछताछ करेगी। बीपीएससी शिक्षक भर्ती और बिहार पुलिस की सिपाही बहाली परीक्षा पेपर लीक मामले में भी इकाई को इसकी तलाश है। ईओयू के एडीजी नैयर हसनैन खान ने बताया कि झारखंड पुलिस से संपर्क किया गया है। ईओयू की एक टीम अतुल वत्स से पूछताछ करेगी। जरूरत पड़ी तो उसको अलग से रिमांड पर भी लिया जा सकता है। उधर उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में आरोपितों को जेल भेजने के बाद झारखंड पुलिस अन्य आरोपितों की पहचान कर उनकी तलाश तेज कर दी गई। रांची पुलिस पटना सहित अलग-अलग इलाकों छापेमारी कर रही है। पुलिस के हाथ वह मोबाइल नंबर भी लग चुका है, जिससे फर्जी प्रश्नपत्र और उत्तर जारी किए गए थे। मामले में पटना के मालसलामी निवासी विकास कुमार ने जेल जाने से पहले बताया था कि उसके मोबाइल नंबर पर प्रश्नपत्र और उत्तर भेजा गया था। वहीं, प्रश्नपत्र भेजने वाले चुनचुन ने पूछताछ में बताया कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के पास से प्रश्नपत्र चोरी किया गया था। उसी के आधार पर उत्तर तैयार कर इसे अभ्यर्थियों के बीच प्रसारित किया गया। हालांकि, जो प्रश्न पत्र जारी हुआ था, वह परीक्षा में नहीं आया। गिरफ्तार आरोपित अतुल वत्स ने अपने बयान में बताया था कि जैसे ही उसके पास प्रश्नपत्र और उत्तर आया, उसने अभ्यर्थियों से संपर्क करना शुरू कर दिया।

नसबंदी के 5 साल बाद महिला प्रेग्नेंट

बरेली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली में नसबंदी के बाद एक महिला प्रेग्नेंट हो गई। इससे नाराज होकर महिला ने एसडीएम से शिकायत की और कार्रवाई की मांग की है। महिला का कहना है कि वह पहले से 4 बच्चों की मां है। उसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए वह ज्यादा खर्च नहीं उठा सकती। महिला का कहना है कि उसने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नसबंदी कराई थी। वहीं, 5 साल बाद वह प्रेग्नेंट हो गई। अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट लेकर वह नसबंदी कराने वाले अस्पताल में पहुंची तो उन लोगों ने रिपोर्ट मानने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि नसबंदी कराने के बाद अगर कोई महिला प्रेग्नेंट होती है तो उसे सरकार की तरफ से 30 हजार रुपए मुआवजा दिया जाता है। महिला का कहना है कि उसे मुआवजा भी नहीं दिया गया। पूरा मामला आंवला थाना क्षेत्र का है। आंवला थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला की 18 साल पहले शादी हुई थी।

उसके तीन बेटे और एक बेटी है। सबसे बड़ा बेटा 16 साल का, दूसरा 14, तीसरा 12 और 9 साल की एक बेटी है। महिला का पति मजदूरी करके किसी तरह परिवार का पालन पोषण करता है। महिला का कहना है- 4 बच्चे होने के बाद 19 जनवरी 2021 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में लैप्रोस्कोपिक विधि से अपनी नसबंदी कराई थी। लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। उपजिलाधिकारी विदुषी सिंह ने शिकायत के आधार पर मामले में पीड़िता को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

रोहिणी में भीषण आग, एक ही परिवार के 3 तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के रोहिणी में बुधवार (15 अप्रैल) देर रात भयंकर की लगी है। झुग्गी में आग लगने के बाद वहां रहने वाले तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह आग की घटना रोहिणी के मांगे राम पार्क में देर रात करीब 1 बजकर 25 मिनट पर लगी है। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को रात एक बजे मिली थी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायरकर्मियों द्वारा आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। फिलहाल कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया है। दिल्ली पुलिस आग लगने के कारणों की जांच में जुट गई है। फायर अधिकारी अजय शर्मा ने घटना पर कहा कि बुद्ध विहार में एक प्लॉट के अंदर तीन-चार झुग्गियां बनी हुई थीं। इसमें वह लोग कबाड़ का सामान इकट्ठा करते थे। इसी में आग लगने की घटना हुई है।

परिसीमन योजना का विरोध कर रही डीएमके

स्टालिन बोले इससे राज्य का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और संघीय सिद्धांतों को नुकसान पहुंचेगा

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु में डीएमके केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास के विरोध में सबसे आगे उभरी है। इसका उद्देश्य जनसंख्या वृद्धि के आधार पर लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाना है, जिससे दक्षिणी राज्यों में चिंताएं बढ़ गई हैं। 1971 की जनगणना के अनुसार, जब भारत की जनसंख्या लगभग 550 मिलियन थी, तब लोकसभा की वर्तमान संख्या 543 सदस्य है। अब जब जनसंख्या 1.4 अरब से अधिक हो गई है, तो केंद्र सरकार एक नई परिसीमन प्रक्रिया के माध्यम से संसदीय प्रतिनिधित्व का विस्तार करने की योजना बना रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रस्तावित परिसीमन संशोधन विधेयक का उद्देश्य लोकसभा सांसदों की संख्या 543 से बढ़ाकर लगभग 850 करना है। वहीं, केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिनिधित्व 20 से बढ़ाकर 35 करना है। आगामी तीन दिनों में होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान विधेयक पेश किए जाने की उम्मीद है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक सहित दक्षिणी राज्यों ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है, उनका तर्क है कि इससे उन क्षेत्रों को नुकसान होगा जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्हें आशंका है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उत्तर प्रदेश जैसे उत्तरी राज्यों को असमान रूप से लाभ होगा, जहां जनसंख्या वृद्धि दर अधिक रही है।

खबरों के मुताबिक, केंद्र सरकार 2002 के परिसीमन संशोधन अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से 2026 के बाद की जनगणना का इंतजार करने के बजाय, 2011 की जनगणना या उससे पहले के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन करने पर भी विचार कर रही है, जिससे विवाद और भी बढ़ गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना करते हुए चेतावनी दी है कि इससे संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और संघीय सिद्धांतों को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार इस योजना पर आगे बढ़ती है, तो उनकी पार्टी एक बड़ा आंदोलन शुरू करेगी । उन्होंने पुरानी डीएमके फिर से देखने को मिलेगी। दूसरी ओर, एडप्पाडी के। पलानीस्वामी ने चिंताओं को कम करते हुए कहा कि परिसीमन प्रक्रिया से तमिलनाडु पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुमानों के अनुसार, तमिलनाडु की लोकसभा सीटें वर्तमान 39 से बढ़कर लगभग 50 हो सकती हैं, जबकि उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व 80 से बढ़कर लगभग 143 हो सकता है, जिससे संसद में सत्ता का संतुलन काफी हद तक बदल जाएगा। इसी बीच, केंद्र सरकार परिसीमन प्रस्ताव के साथ-साथ महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की भी योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य 2029 के आम चुनावों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना है।

दिल्ली और बिहार में वोट देनेवाले को बंगाल में नहीं डालने देंगे वोट, अभिषेक बनर्जी की खुली चेतावनी

कोलकाता, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में होने जा रहे चुनाव में वोट देने का अधिकार केवल बंगाल में रहलेवाले लोगों को मिलेगा। हम ऐसे किसी को यहां वोट नहीं देने देंगे जो दिल्ली या बिहार में हुए चुनाव में वोट डाल चुके हैं। तृणमूल के दूसरे सबसे बड़े नेता ने चुनाव आयोग को चेतावनी देते हुए कहा-अगर कोई तीन महीने पहले बिहार में वोट डालने वाला अब यहां वोट डालने आता है, तो तृणमूल कार्यकर्ता उसे वोट नहीं देने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बंगाल में कई गैर-बंगाली हैं,

मुझे उनसे कोई आपत्ति नहीं है। बंगाल में भाजपा बाहरी वोटरों के मतों से जीतना चाहती है, जो हम नहीं होने देंगे। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अगले कुछ दिनों तक आप सभी मतभेदों को भुलाकर पार्टी की जीत के लिए काम करें। अभिषेक ने एकजुट होकर लड़ने का संदेश दिया है। उन्होंने पार्षदों को अलग से यह भी समझाया कि तृणमूल कांग्रेस के बिना उनका कोई वजूद नहीं रहेगा। अभिषेक ने कहा- भाजपा ऐसा माहौल बना रही है कि वे सत्ता में आ रहे हैं। शोर हर जगह फैल चुका है। तृणमूल के 27 लाख वोट गायब हो गए हैं। दरअसल, एसआईआर में कई लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। इसका असर नतीजों पर बहुत पड़ेगा। तृणमूल के नंबर 2 नेता ने कहा कि सब मिलकर काम करें।

नई पहल: श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए राज्यों में शुरू हुआ हेल्थ अलर्ट अभियान

देहरादून, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने इस बार नई पहल शुरू की है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में आने वाले स्वास्थ्य संबंधित दिक्कतों के प्रति श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए राज्यों में हेल्थ अलर्ट अभियान शुरू किया गया। चारधाम यात्रा 2026 को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सरकार ने इस बार स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की है।

सचिव स्वास्थ्य सचिन कुर्वे के दिशानिर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष हेल्थ एडवाइजरी जारी की है। इसका उद्देश्य यात्रा के दौरान होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को पहले ही कम करना और जागरूकता बढ़ाना है। इसके अलावा अंतरराज्यीय समन्वय की ठोस पहल शुरू की है। सहायक निदेशक डॉ. अमित शुक्ला ने राजस्थान का दौरा कर वहां के प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर स्वास्थ्य सुझावों और दिशानिर्देशों को साझा किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि चारधाम यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य हित को सर्वोपरि रखते हुए इन दिशानिर्देशों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि राजस्थान से आने वाले तीर्थयात्रियों को यात्रा से पूर्व ही आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सावधानियां और गाइडलाइन स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाएं, जिससे तीर्थायत्री पूरी तैयारी और जागरूकता के साथ यात्रा पर निकलें। बैठक में तय किया गया कि राजस्थान में इन स्वास्थ्य सुझावों को केवल शहरों तक सीमित न रखकर ग्राम स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

खेल के मैदानों पर होटल-मॉल बनाने की योजना पर उद्धव गुट ने उठाए सवाल, महायुति सरकार पर कब्जे का आरोप

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने महायुति सरकार की नई नीति पर तीखा हमला बोला। इस नीति में खेल के लिए आरक्षित जमीन पर पांच सितारा होटल और मॉल बनाने की अनुमति देने का प्रावधान किया गया है। पार्टी के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में आरोप लगाया गया कि यह नीति मुंबई के खेल और मनोरंजन स्थलों को निगलने की एक सुनियोजित कोशिश है। साथ ही यह भी कहा गया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को दरकिनार कर बिल्डरों के साथ बैकडोर डील को बढ़ावा दे रही है, जिससे शहर के सीमित खुले स्थान खतरे में पड़ सकते हैं।

संपादकीय के अनुसार, इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नाम पर सरकार ने एकीकृत विकास नियंत्रण व प्रोत्साहन विनियम में संशोधन किया है। इसके तहत प्रस्तावित फॉर्मूले में 70 प्रतिशत जमीन खेल गतिविधियों के लिए और 30 प्रतिशत जमीन व्यावसायिक उपयोग के लिए निर्धारित की गई है। यह नियम मुंबई महानगर क्षेत्र में 5 हेक्टेयर से अधिक और राज्य के अन्य हिस्सों में 10 हेक्टेयर से अधिक जमीन पर लागू होगा। उद्धव गुट ने इस पहल को बिल्डर स्पोर्ट्स पॉलिसी करार देते हुए कहा कि इससे खेलों का विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। संपादकीय में आशंका जताई गई कि 30 प्रतिशत कमर्शियल उपयोग से होने वाला मुनाफा पूरी तरह बिल्डरों और राजनीतिक साझेदारों के पास जाएगा, और धीरे-धीरे बाकी 70 प्रतिशत जमीन पर भी कब्जा हो सकता है। सरकार का पक्ष है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। हालांकि, संपादकीय में सवाल उठाया गया कि इस योजना को खेल विभाग के बजाय शहरी विकास विभाग क्यों चला रहा है और कमर्शियल बिक्री से मिलने वाला राजस्व आखिर जाएगा कहां। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने चेतावनी दी है कि इस नीति से मुंबई के कई ऐतिहासिक मैदान खतरे में आ सकते हैं, जिनमें शिवाजी पार्क, आज़ाद मैदान, क्रॉस मैदान, मरीन लाइंस के जिमखाना और ठाणे के कई प्रमुख मैदान शामिल हैं।

साथ ही वांखेड़े स्टेडियम और ब्रेबोर्न स्टेडियम जैसे प्रतिष्ठित स्टेडियमों के व्यावसायीकरण की आशंका भी जताई गई है। संपादकीय में कहा गया कि पहले से ही बच्चों को खेलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है, और अगर ये मैदान एलीट क्लब या होटलों में बदल दिए गए तो आने वाली पीढ़ियां खेल के मैदान केवल तस्वीरों में ही देख पाएंगी। पार्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है

घर में रखे गए थे 795 कुत्तों के प्राइवेट पार्ट्स मंडला में क्या चल रहा था खेल?

मंडला, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंडला में कुत्तों की नसबंदी के नाम पर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बिंझिया क्षेत्र की शारदा कॉलोनी स्थित एक मकान से कुत्तों के सैकड़ों प्राइवेट अंग बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया है।

डॉक्टरों के अनुसार ये पशु अंग हैं, लेकिन इन्हें किस उद्देश्य से रखा गया, यह जांच का विषय है, जिस पर थाने में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल नगर पालिका ने इस पूरे मामले की शिकायत पुलिस को सौंप दी है और जांच शुरू कर दी गई है। मंडला नगर पालिका ने शहर में आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए टेंडर जारी किया था, जिसे जबलपुर की एक प्राइवेट संस्था, अम्बे इंटरप्राइजेस ने हासिल किया था। संस्था को नसबंदी का कार्य करना था, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह काम शुरू ही नहीं हुआ था। इसी बीच संस्था के सदस्यों ने बिंझिया के शारदा कॉलोनी में एक मकान किराए पर लिया, जहां उनकी गतिविधियां संदिग्ध नजर आने लगीं। पास ही रहने वाली पशु प्रेमी निशा ठाकुर को इन गतिविधियों पर शक हुआ और उन्होंने इसकी शिकायत जिला प्रशासन से की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग, नगर पालिका, वेटरिनरी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और मकान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक बंद कमरे में रखे दो डिब्बों से कुल 795 कुत्तों के अंग बरामद किए गए। इनमें 518 नर और 217 मादा कुत्तों के अंग शामिल बताए गए हैं। इन अंगों को सड़ने से बचाने के लिए फॉर्मेलिन नामक रसायन में डुबोकर सुरक्षित रखा गया था। पता चला कि बाहर से ऑर्गन लाकर फर्जी तरीके से स्टॉक दिखाकर बिल पास कराए जा रहे हैं। इसकी जानकारी एसपी, कलेक्टर और थाने को दी गई। प्रशासन की देरी के बीच निगरानी रखी गई, बाद में कार्रवाई में ऑर्गन जब्त हुए। उन्होंने इसे नगर पालिका की गंभीर लापरवाही बताया, जहां एनिमल बर्थ कंट्रोल की गाइडलाइन का उल्लंघन हो रहा है। बेजुबान जानवरों पर अत्याचार और भ्रष्टाचार का यह मामला नैतिकता के पतन को दर्शाता है और इसमें कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

'मेरे परिवार और मुझ पर लगे आरोप मनगढ़ंत', रूपाली चाकणकर का अशोक खरात के साथ संबंधों पर बयान

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की नेता एवं महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने स्वयंभू 'बाबा' अशोक खरात से कथित संबंधों को लेकर लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और मानहानिकारक बताया है। चाकणकर ने कहा कि उनके खिलाफ आरोप लगाने वालों ने अब तक कोई भी ठोस सबूत पेश नहीं किया है।

फिलहाल पुलिस हिरासत में अशोक खरात के खिलाफ यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी सहित कई मामलों में पूछताछ की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस मामले में धनशोधन के कथित पहलू की जांच कर रहा है। ईडी ने आरोपियों से जुड़े प्रतिष्ठानों पर छापेमारी भी की है।

पिछले महीने चाकणकर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह खरात के पैर धोती नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस बीच, पुलिस ने सोमवार को चाकणकर की बहन से भी पूछताछ की, जिसमें खरात द्वारा उनके बैंक खाते के कथित इस्तेमाल की जांच की जा रही है। चाकणकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षेत्र में अतीत में कई लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, और आरोप लगाने वालों और मीडिया दोनों ने जनता के सामने सबूत पेश किए हैं। हालांकि, पिछले 28 दिनों से मेरे परिवार और मुझ पर मनगढ़ंत तथा निराधार आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका एकमात्र उद्देश्य हमें बदनाम करना है।

न तो आरोप लगाने वालों ने कोई सबूत पेश किया है और न ही मीडिया ने इसकी मांग की है।' उन्होंने विवाद में सामने आए एक गुमनाम पत्र पर भी सवाल उठाए। चाकणकर ने कहा, 'आरोप लगाने वालों को बताना चाहिए कि यह पत्र उनके पास कैसे पहुंचा। बिना किसी सत्यापन के पुलिस प्रशासन को मिला एक गुमनाम पत्र मीडिया को दे दिया गया और पूरे दिन चर्चा चलाई गई, जिसका मकसद केवल मानहानि था। यह सामने आना चाहिए कि इसके पीछे कौन है।'

शादीशुदा बेटी प्रेमी के साथ भागी तो बेइज्जती परिवार सह नहीं पाया, उठाया खौफनाक कदम

बेंगलुरु, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां तीन रिश्तेदारों ने परिवार की बेटी की हत्या की और सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया।शादीशुदा महिला के प्रेमी के भाग जाने पर परिवार बेइज्जती सह नहीं पाया और उसे मार डाला।पुलिस को शुरुआत में गुमशुदा महिला का मामला अब इज्जत के नाम हत्या का एक खौफनाक मामला बन गया है, जिसमें पुलिस ने एक युवती की हत्या के आरोप में उसके तीन रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को उसकी गुमशुदगी की शिकायत से संदेह पैदा हुआ। हुक्केरी तालुक के नादिगुदिकेत्रा गांव की निवासी सत्यव्वा हेलवर फरवरी 2026 में लापता हो गई थीं।रायबाग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई, जबकि उनके साथी कृष्ण सहदेव पाटिल के खिलाफ यमकानमरडी पुलिस स्टेशन में एक अलग शिकायत दर्ज की गई। जांच के दौरान पता चला कि सत्यव्वा विवाहित होने के बावजूद कृष्ण पाटिल के साथ संबंध में थीं और

180 लड़कियों का यौन उत्पीड़न

350 वीडियो वायरल; मास्टरमाइंड समेत दो गिरफ्तार

- अमरावती में बड़ी संख्या में हुआ लड़कियों का उत्पीड़न।
- भाजपा सांसद अनिल बोंडे ने लव जिहाद की आशंका जताई।
- मुंबई और पुणे जैसे शहरों में बनाए जाते थे वीडियो।
- पुलिस की कार्रवाई में अब तक दो गिरफ्तार, जांच जारी।

अमरावती, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से एक बेहद चौंकाने वाला और जघन्य मामला सामने आया है। पुलिस ने अमरावती जिले के परतवाड़ा में बीते महीने एक युवक अयान अहमद को गिरफ्तार किया था। अयान अहमद पर 180 लड़कियों के यौन उत्पीड़न के साथ 350 आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया वायरल करने का आरोप है। पुलिस ने अब इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए उजेर खान इकबाल खान नामक के शख्स को हिरासत में लिया है। पुलिस अमरावती यौन उत्पीड़न और अश्लील वीडियो कांड की गंभीरता से जांच में जुटी है। पुलिस इस संभावना पर भी जांच कर रही है कि यह मामला इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क सक्रिय तो नहीं था। जांच में पता चला है कि उसने मुख्य आरोपी अयान अहमद के मोबाइल फोन से वीडियो डाउनलोड कर उन्हें सोशल मीडिया पर साझा किया था।

पुलिस फिलहाल उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने उम्मीज जताई है कि रिमांड के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं। इस केस के मुख्य आरोपी अयान अहमद को पहले ही पुलिस ने पकड़ लिया था। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने उसे 21 अप्रैल 2026 तक पुलिस हिरासत में भेजा था। भाजपा के राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे द्वारा की गई शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अयान अहमद को गिरफ्तार किया था। आरोपी अयान अहमद परतवाड़ा शहर का ही रहने वाला था। भाजपा सांसद ने कहा कि आरोपी ने लड़कियों को लव जिहाद के जाल में फंसाया था। उन्होंने आगे कहा कि आरोपी उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भाजपा सांसद अनिल बोंडे ने कहा था, "इस मामले में करीब 180 लड़कियां शिकार बनी हैं। उनमें से ज्यादातर हिंदू हैं। कुछ मुस्लिम लड़कियां भी पीड़ित हैं। इनमें से कुछ लड़कियां नाबालिग हैं।" पुलिस को आरोपी के मोबाइल से कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। इन वीडियो में दिख रही लड़कियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में अब तक आठ पीड़ितों की पहचान हो चुकी है, जबकि अन्य की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस पूरे मामले को बेहद संवेदनशील मानते बताते हुए पीड़िताओं की पहचान गोपनीय रखने के प्रयास कर रही है। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि कुछ डिजिटल डेटा मिटाया गया था।

पुलिस की साइबर टीम इसे रिकवर करने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि इससे मामले से जुड़े और अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अमरावती ग्रामीण पुलिस को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, "मैं आपको बता दूं, इसमें एक या दो व्यक्तियों की संलिप्तता नहीं है। यह एक संगठित गिरोह प्रतीत होता है। तस्वीरें और वीडियो व्हाट्सएप और स्नैपचैट पर प्रसारित किए गए थे।"

'चयनित मुख्यमंत्री बनने पर बधाई', सम्राट चौधरी की शपथ के बाद तेजस्वी यादव ने कसा तंज

पटना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता सम्राट चौधरी ने आज बुधवार (15 अप्रैल) को बिहार के मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली। सम्राट चौधरी बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री हैं। वहीं सम्राट चौधरी के सीएम पद की शपथ लेने के बाद बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने तंज कसा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि चयनित मुख्यमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-सम्राट चौधरी द्वारा आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गद्दी से उतारने की अपनी प्रतिज्ञा पूर्ण करने पर बधाई तथा चयनित मुख्यमंत्री बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं।

आशा है कि नए माननीय मुख्यमंत्री इस कड़वे, अप्रिय एवं कठोर तथ्य से पूर्ण रूप से अवगत होंगे कि वर्षों के शासन उपरांत भी नीति आयोग के अधिकांश मानकों, सत्तत विकास के सभी सूचकांकों सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, ध्वस्त विधि व्यवस्था, आय-निवेश, खर्च-खपत, नौकरी-रोजगार, गरीबी-पलायन, एक समान प्रगति-एकरूप संवृद्धि तथा मानव विकास के तमाम संकेतकों में बिहार राष्ट्रीय औसत से अत्यधिक कम और बहुत पीछे है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आगे लिखा-आशा है कि नए चयनित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार की उन्नति, सुख-समृद्धि, शांति, सौहार्द, सुरक्षा और सर्वांगीण सुधार के लिए संकल्पित होकर सशक्त तरीके से काम करेंगे तथा बाहरियों के दिशा निर्देशों के आगे बिहारियों के स्वाभिमान को गिरवी नहीं रखेंगे। प्रादुर्भाव से समाजवादी श्री सम्राट चौधरी जी को पुनः हार्दिक शुभकामनाएं।

सम्राट चौधरी ने बिहार सचिवालय में बिहार के मुख्यमंत्री का पदभार संभाला लिया है, जिसकी फोटो बिहार सीएमओ के सोशल मीडिया अकाउंट से भी शेयर की गई हैं। वहीं बिहार की नई सरकार में जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने भी लोकभवन में मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। बता दें कि नीतीश कुमार अब राज्यसभा सदस्य हैं, उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और अपने मंत्रिमंडल को भंग कर दिया। जिसमें सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री थे और उनके पास गृह मंत्रालय का महत्वपूर्ण प्रभार था।

उमर अब्दुल्ला ने तिरंगे रंग की रिबन काटने से किया इनकार, वायरल हुआ सीएम का रिएक्शन

जम्मू, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को श्रीनगर में एक कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान एक अनोखा रुख अपनाया। वह कश्मीर हाट में आयोजित नो योर आर्टिजन्स कार्यक्रम का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उद्घाटन के समय जब उनके सामने तिरंगे के रंगों (केसरिया, सफेद और हरा) वाली रिबन काटने के लिए रखी गई तो मुख्यमंत्री ने इसे काटने से इनकार कर दिया। उन्होंने रिबन को खोलकर आयोजकों को वापस देते हुए कहा कि इसे सम्मान के साथ रखा जाए। यह पूरा घटनाक्रम कैमरों में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, सलाहकार नासिर असलम वानी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। इसके बाद कार्यक्रम की प्रक्रिया सामान्य रूप से जारी रही और मुख्यमंत्री ने कश्मीर हाट में अन्य गतिविधियों में हिस्सा लिया।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को प्रतिभा पाटिल का समर्थन, पीएम मोदी को लिखा पत्र, अब क्या करेगी कांग्रेस?

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर देश में जारी बहस के बीच पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने इसका खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस पहल की सराहना की है।

इस पत्र को राजनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब विपक्ष इस कानून के विभिन्न पहलुओं पर सवाल उठा रहा है। 11 अप्रैल को पुणे स्थित अपने आवास 'रायगढ़' से लिखे गए पत्र में प्रतिभा पाटिल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को भारतीय लोकतंत्र के लिए एक 'परिवर्तनकारी कदम' करार दिया। उन्होंने इस कानून के ऐतिहासिक क्रियान्वयन के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त की। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि यह संवैधानिक संशोधन विधायी निकायों में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करेगा, जिससे भारत का लोकतांत्रिक ढांचा और मजबूत होगा। देश की पहली महिला राष्ट्रपति होने के नाते उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वास्तविक महिला सशक्तिकरण तभी संभव है, जब महिलाओं को उन निर्णयों में समान अवसर मिले जो राष्ट्र को प्रभावित करते हैं। प्रतिभा पाटिल ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और एक प्रगतिशील भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से विधायी बहसों में विविधता आएगी और नीतियां अधिक संतुलित और संवेदनशील बनेंगी। पूर्व राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि यह पहल खासकर ग्रामीण और हाशिए के समुदायों से आने वाली महिलाओं को प्रेरित करेगी और उन्हें राष्ट्र निर्माण में नेतृत्व करने का अवसर देगी। प्रतिभा पाटिल की राजनीतिक पृष्ठभूमि कांग्रेस से जुड़ी रही है और वे यूपीए सरकार के दौरान राष्ट्रपति बनी थीं। ऐसे में उनका यह समर्थन खास मायने रखता है, क्योंकि कांग्रेस इस कानून की समय-सीमा, परिसीमन और ओबीसी आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर लगातार सवाल उठा रही है।

ऐसे में उनकी ओर से प्रधानमंत्री मोदी को लिखा गया यह पत्र सरकार के लिए एक नैतिक समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। पत्र के अंत में उन्होंने इस लंबे समय से लंबित सपने को साकार करने वाले सभी नेताओं और हितधारकों की सराहना भी की।

होर्मुज के बाद अब ट्रम्प की मलक्का स्ट्रेट पर नजर

इंडोनेशिया से रक्षा करार किया, अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशियाई इलाके में जाने की इजाजत

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। हॉर्मुज स्ट्रेट में इस समय हालात काफी तनाव भरे हैं। अमेरिका वहां ईरान से जुड़ी जहाजों की गतिविधियों पर सख्ती कर रहा है। इसी बीच अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच 13 अप्रैल को एक नया रक्षा समझौता हुआ है।

इस समझौते के तहत अब अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में ज्यादा आसानी से आने-जाने की इजाजत मिल गई है। इसे आधिकारिक तौर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का कदम बताया जा रहा है, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

यह डील ऐसे समय हुई है जब यूएस ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है। इसके बाद तेल सप्लाई लगभग ठहर गई और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका ने मलक्का स्ट्रेट पर नजर रखने के लिए यह करार किया है। मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यह वही रास्ता है जो हिंद महासागर को पूर्वी एशिया से जोड़ता है और दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यहां से करीब 40% वैश्विक व्यापार और लगभग 30% तेल सप्लाई गुजरती है।

इसकी भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाती है। फिलिप चैनल पर इसकी चौड़ाई 3 किलोमीटर है, जो इसे बड़ा बॉटलनेक बनाती है। यह होर्मुज से करीब नौ गुना ज्यादा संकरा है।

मलक्का स्ट्रेट पर इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर का कंट्रोल है। इस रास्ते से दुनिया का बहुत बड़ा व्यापार गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में कोई भी हलचल सीधे तौर पर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकती है। यूएस-इंडोनेशिया डील के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक में बड़े समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स और पूर्व सैनिकों ने कहा है कि दुनिया के चोकपॉइंट्स पर यूएस अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

अगर हॉर्मुज को तेल की सप्लाई का मुख्य रास्ता माना जाता है, तो मलक्का को पूरी दुनिया के ट्रेड की लाइफलाइन कहा जा सकता है। यहां से तेल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनें और बाकी सामान भी बड़ी मात्रा में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचते हैं। चीन के लिए तो मलक्का को सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी माना जाता है। चीन के करीब 80% तेल आयात इसी रास्ते से आते हैं। ये इंडस्ट्रियल इकॉनमी और एक्सपोर्ट सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है। इसी वजह से चीन लंबे समय से इस पर अपनी निर्भरता को एक कमजोरी मानता है। यही कारण है कि पूर्व चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ ने इसे 'मलक्का डिलेमा' कहा था। हाल में चीन ने इलाके के आसपास समुद्री मैपिंग और मॉनिटरिंग गतिविधियां बढ़ाई हैं।

मलक्का स्ट्रेट भारत के लिए भी उतना ही अहम है। देश का करीब 55% व्यापार इसी रास्ते और सिंगापुर क्षेत्र से होकर गुजरता है। भारत की भौगोलिक स्थिति उसे इस इलाके में रणनीतिक बढ़त देती है। अंडमान और निकोबार आइलैंड्स इस स्ट्रेट के पश्चिमी मुहाने के पास हैं, जहां से पोर्ट ब्लेयर से 24 घंटे में पहुंचा जा सकता है।

नेपाल की नई विदेश नीति का ऐलान

भारत और चीन को लेकर पीएम बालेन शाह का बड़ा फैसला, सैन्य गुटों से दूरी बनाई

काठमांडू, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नई विदेश नीति का ऐलान किया है। इसमें "नेपाल सबसे पहले" के सिद्धांत को प्राथमिकता दी गई है। नेपाल की नई विदेश नीति कई मायनों में पूर्ववर्ती सरकारों से अलग है।

इसमें नेपाल की संप्रभुता के साथ-साथ आर्थिक विकास पर सबसे ज्यादा जोर है। इसके अलावा पड़ोसी देशों के साथ भी बराबरी के संबंध रखने की बात कही गई है।

पीएम बालेन शाह की विदेश नीति की सबसे खास बात नेपाल को 'बफर स्टेट' से बदलकर एक 'ब्रिज' के रूप में बनाना है, जो आर्थिक साझेदारी और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। नई विदेश नीति में यह भी कहा गया है कि नेपाल किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं होगा।

नेपाल की विदेश नीति से संबंधित कागजात में लिखा है, नेपाल की संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए, वैश्विक भू-राजनीति में हो रहे बदलावों और पड़ोसी शक्तियों के उदय को

नेपाल के विकास के अवसर में बदलने के लिए एक संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाई जाएगी।

नेपाल के राजनयिक मिशनों के कार्यों और जिम्मेदारियों, उनकी गतिविधियों और परिणामों का आकलन करने के लिए एक वैज्ञानिक 'प्रदर्शन लेखापरीक्षा' प्रणाली शुरू की जाएगी।

इसमें भारत-चीन संबंधों को लेकर लिखा है, नेपाल की संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए, नेपाल को एक 'बफर स्टेट' से एक 'जीवंत सेतु' में परिवर्तित किया जाएगा, जो त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और संपर्क के माध्यम से राष्ट्रीय हितों को सुनिश्चित करेगा और विश्व शांति पर आधारित एक स्वतंत्र, तटस्थ और गुटनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में नेपाल को विश्व मंच पर स्थापित करेगा।

बालेन शाह की सरकार ने भारत और चीन से परस्पर दूरी बनाने और स्वतंत्र विदेश नीति की बात भी कही है।

उन्होंने लिखा, सभी के साथ समान दूरी और निकटता की नीति अपनाई जाएगी, यह मानते हुए कि कोई भी सैन्य गठबंधन, हथियारों की होड़ और युद्ध शांति में बाधक होगा।

'नेपाल प्रथमः नेपाली प्रथम' की अवधारणा को सभी कूटनीति के केंद्र में रखा जाएगा। आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देने के साथ-साथ सागरमाथा संवाद जैसे कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे।

नेपाली सरकार ने आगे बताया, नई विदेश नीति में जलवायु परिवर्तन, हिमालय संरक्षण, पर्वतीय मुद्दों और चारों ओर से भू-भाग से घिरे देशों के साझा हितों के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर नेपाल की आवाज बुलंद की जाएगी।

विदेशों में कार्यरत नेपाली कामगारों के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

अंडमान सागर में नाव डूबी

250 रोहिंग्या-बांग्लादेशी लापता, मलेशिया जा रहे थे

पोर्ट ब्लेयर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अंडमान सागर में एक नाव डूबने से करीब 250 रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिक लापता हो गए हैं। यूएन रिफ्यूजी और माइग्रेशन एजेंसी के मुताबिक, यह हादसा पिछले हफ्ते खराब मौसम और ओवरलोडिंग के कारण हुआ।

यह ट्रॉलर बांग्लादेश से मलेशिया जा रहा था। बांग्लादेश कोस्ट गार्ड ने 9 अप्रैल को अपने एक जहाज के जरिए 9 लोगों को बचाया, लेकिन बाकी लोगों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। रोहिंग्या समुदाय 2017 में म्यांमार में हुई हिंसा के बाद बड़ी संख्या में बांग्लादेश में शरण लेने को मजबूर हुआ था। म्यांमार की सरकार उन्हें नागरिकता नहीं देती। वहीं, बांग्लादेश के शरणार्थी कैंपों में खराब हालात के चलते कई लोग मलेशिया जैसे देशों में बेहतर जिंदगी की तलाश में खतरनाक समुद्री सफर करते हैं।

रेस्क्यू किए गए रफीकुल इस्लाम ने बताया कि वह करीब 36 घंटे तक समुद्र में तैरता रहा और नाव से गिरे तेल से झुलस गया। उसका कहना है कि मलेशिया में नौकरी की उम्मीद में उसने यह सफर शुरू किया था।

पाकिस्तानी मिसाइलों पर क्यों भड़कीं थीं तुलसी गबार्ड?

शाहीन या अबाबील नहीं, अमेरिकी डर की असल वजह

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने 18 मार्च को सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को बताया था कि पाकिस्तान शायद एक ऐसा आईसीबीएम- इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल बना सकता है जो अमेरिकी धरती पर हमला करने में सक्षम हो। तुलसी गबार्ड के इस दावे से वॉशिंगटन परेशान हो गया था तो इस्लामाबाद घबरा गया था कि अमेरिका ने इसकी चोरी पकड़ ली है। इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान के पास फिलहाल आईसीबीएम मिसाइलें नहीं हैं लेकिन वो काम कर रहा है। पाकिस्तान भविष्य में आईसीबीएम मिसाइल बना लेगा अमेरिका ने ये चिंता जताई थी।

लेकिन पाकिस्तान के ही कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका के डर की असल वजह पाकिस्तान की भविष्य में आईसीबीएम मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं है। असल में अमेरिका आईसीबीएम का डर ध्यान भटकाने के लिए दिखा रहा है। वो असली मुद्दे से ध्यान भटका रहा है।

असल में अमेरिका का डर पाकिस्तान की 'टैक्टिकल मिसाइलें' हैं। तकनीकी और आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान के पास वर्तमान में कोई आईसीबीएम यानी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (5,500 किमी से ज्यादा रेंज वाली) नहीं है। डिफेंस वेबसाइट कुवा में पाकिस्तान के एयरोस्पेस इंजीनियर असीम ने इसपर बात की है। असीम के पास फ्लाइट डायनामिक्स और कंट्रोल में पीएचडी है और फाइटर प्रोग्राम्स और मिसाइल गाइडेंस में प्रैक्टिकल अनुभव है। असीम ने कहा कि अमेरिका ने जिन पांच देशों के नाम लिए उनमें पाकिस्तान के अलावा चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान है। लेकिन उसने भारत का नाम नहीं लिया जबकि भारत के पास अग्नि-5 मिसाइल है और भारत उसका आधिकारिक परीक्षण भी कर चुका है। पाकिस्तान इस हफ्ते भी एक मिसाइल का परीक्षण कर सकता है। पाकिस्तान ने उत्तरी अरब सागर के एक बड़े हिस्से में नोटम जारी किया है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रूज मिसाइल का परीक्षण कर सकता है। पाकिस्तान के नोटम और उससे जुड़ी समुद्री चेतावनी ने 14 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच कराची, ओरमारा, ग्वादर और सोनमियानी के पास के समुद्री इलाकों में एक बड़ा 'प्रतिबंधित क्षेत्र' स्थापित कर दिया है। यह प्रतिबंधित क्षेत्र लगभग 415 किमी से 450 किमी तक फैला हुआ है और समुद्र तल से लेकर असीमित ऊंचाई तक सभी के लिए बंद रहेगा।

अग्नि-5 असल में एक आईसीबीएम मिसाइल है और भारत अग्नि-6 पर भी काम कर रहा है। लेकिन अमेरिकी लिस्ट में अग्नि मिसाइल नहीं है इसीलिए अमेरिका का डर आईसीबीएम मिसाइलें हैं इस बात को माना नहीं जा सकता है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान की शाहीन-3 की रेंज सिर्फ 2,750 किलोमीटर है और उसे अक्सर भविष्य की आईसीबीएम का आधार माना जाता है। लेकिन एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल और एक इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल के बीच का अंतर सिर्फ एक बड़ा मोटर लगा देने जितना आसान मामला नहीं है।

तुर्किये के स्कूल छात्र ने की फायरिंग

चार लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

इस्तांबुल, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्किये में एक स्कूल में हुई बुधवार को हुई गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया।

एपी के अनुसार, स्कूल के परिसर में एक छात्र ने फायरिंग की है, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि हमलावर छात्र ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे स्कूल में अफरातफरी मच गई।

एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को दक्षिण-पूर्वी तुर्किये के एक स्कूल में एक छात्र ने दो क्लासरूम में गोलीबारी की, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। 20 अन्य लोग घायल हो गए। कहमनमारस प्रांत के गवर्नर मुकर्रम उनलुअर ने बताया कि हमलावर छात्र भी मारा गया है। उसके पास से जो हथियार बरामद हुए, वे उसके पुलिस अधिकारी पिता के बताए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पीड़ितों में एक शिक्षक भी शामिल था। हमले के पीछे का मकसद तत्काल पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और सुरक्षा बलों ने स्कूल परिसर को घेरकर स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

घटनास्थल से मिले वीडियो फुटेज में कम से कम दो लोगों को एंबुलेंस में ले जाते हुए देखा गया।

एक दिन पहले पास के शानलिउर्फा प्रांत में एक हाई स्कूल में एक पूर्व छात्र द्वारा गोलीबारी किए जाने से 16 लोग घायल हो गए थे, जिनमें ज्यादातर छात्र थे।

श्रीलंका से 32 जांबाजों की हुई वतन वापसी

अमेरिकी टॉरपीडो ने समंदर में डुबोया था जहाज

कोलंबो, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी पनडुब्बी के हमले का शिकार हुए ईरानी नौसैनिक जहाज आईआरआईएस डेना के जीवित बचे 32 नाविकों की आखिरकार वतन वापसी हो गई है। श्रीलंका के उप रक्षामंत्री अरुणा जयसेकरा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इन 32 जीवित बचे लोगों के साथ ईरानी नौसेना के एक अन्य जहाज 'आईआरआईएस बुशहर' पर मौजूद 200 से अधिक कर्मियों को एक विशेष चार्टर्ड विमान के जरिए ईरान भेज दिया गया है।

घटना की जड़ें मार्च के शुरुआती दिनों से जुड़ी हैं। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव की आग हिंद महासागर तक पहुंच गई थी। श्रीलंका के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी

युद्धपोत आईआरआईएस डेना पर हमला कर उसे डुबो दिया था। यह हमला इतना भीषण था कि जहाज पर सवार 87 सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

श्रीलंका की नौसेना ने बड़ा बचाव अभियान चलाया, जिसमें उन्होंने 87 शव बरामद किए थे और मौत के मुंह से 32 सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला था।

आईआरआईएस डेना के डूबने के बाद ईरान के दो अन्य जहाज, बुशहर और लावन भी तकनीकी और रणनीतिक कारणों से दक्षिण एशियाई देशों की शरण में थे। आईआरआईएस बुशहर ने छह मार्च को श्रीलंकाई जलक्षेत्र में प्रवेश की अनुमति मांगी थी, जिसके बाद से इसके कर्मचारी श्रीलंकाई नौसेना की सुरक्षा में थे। वहीं, आईआरआईएस लावन नाम का जहाज तकनीकी खराबी के कारण केरल के कोच्चि बंदरगाह पहुंचा था। भारत ने विषम परिस्थितियों को देखते हुए इस ईरानी जहाज को आपातकालीन रुकने की अनुमति दी थी।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में इस बात की जानकारी दी कि ईरान ने भारत के इस कदम के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सदन को बताया, 'ईरान ने 20 फरवरी, 2026 को अपने तीन जहाजों के लिए अनुमति मांगी थी, जिसे एक मार्च को स्वीकार कर लिया गया। आईआरआईएस लावन चार मार्च को कोच्चि पहुंचा। संकट के समय किसी की मदद करना ही सही कदम है।'

लॉ स्टूडेंट ने लगाई फांसी

दोस्त बोले- शादी का दबाव बना रहे थे पैरेंट्स, गुस्से में किया सुसाइड, पंखे से लटकी मिली लाश

बिलासपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लॉ सेकेंड ईयर की स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। दृष्टि गुप्ता (20) गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ती थी। 14 अप्रैल की सुबह रिवर व्यू कॉलोनी में किराए के मकान में उसका शव फंदे पर लटका मिला।

मामला कोनी थाना क्षेत्र का है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पिता ने उसे पढ़ाई करने को लेकर फटकार लगाई थी। दोस्तों के अनुसार परिजन शादी को लेकर दबाव भी बना रहे थे। छात्रा काफी गुस्से वाले स्वभाव की थी। पुलिस को शक है कि इसी के चलते उसने आत्महत्या की है।

फिलहाल पूरे मामले में जांच जारी है। दृष्टि गुप्ता (20) रायगढ़ की रहने वाली है। बिलासपुर के कोनी स्थित रिवर व्यू कॉलोनी में पिछले 2 साल से किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रही थी।

नाबालिग लड़की को एमपी में डेढ़ लाख में बेचा

रायगढ़, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में नाबालिग लड़की को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया गया और उसकी शादी करा दी गई। बाद में उसे देह व्यापार में धकेल दिया गया। इस मामले में पुलिस ने खरीदार समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

नाबालिग को काम दिलाने का झांसा देकर मध्य प्रदेश ले जाया गया था। सौदा तय होने के बाद उसकी शादी करा दी गई। हालांकि वह किसी तरह रायगढ़ वापस लौट आई, जहां उससे देह व्यापार कराया गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग, दो महिला, एक युवक और खरीदार को अरेस्ट किया है। मामले में किडनैपिंग रेप, ह्यूमन ट्रैफिकिंग पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

बुधवार को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले का खुलासा किया। यह मामला कोतरारोड़ थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 17 साल की पीड़िता ने 11 अप्रैल को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि पिता आए दिन डांट फटकार करते थे। 26 नवंबर 2025 को वह गांव के मैदान में थी, तभी परिचित लड़की चमेली (परिवर्तित नाम) उसे रायगढ़ काम दिलाने के बहाने से रायगढ़ ले आई।

महादेव मंदिर के पास उसने बिन्दिया रात्रे, अभय यादव, चिकू खान, पूजा उर्फ बॉबी उर्फ चाची से मिलवाया। उन्होंने काम दिलाने का भरोसा दिलाया और दूसरे दिन नाबालिग को मध्य प्रदेश के सागर ले गए, जहां सुनील दीक्षित (37) से डेढ़ लाख रुपए में सौदा तय किया गया।

आरोपियों ने पैसे लिए और नाबालिग की शादी सुनील से करा दी। इसके बाद सभी रायगढ़ वापस लौट आए। वहीं सुनील नाबालिग के जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। मौका देखकर नाबालिग ट्रेन के जरिए रायगढ़ पहुंची, लेकिन वह पिता के डर से घर नहीं गई। इसके बाद नाबालिग बिन्दिया से मिली, उसने अपने पास रखने का भरोसा दिया।

डोबो पुल से युवक लापता, स्कूटी-मोबाइल बरामद

परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका, पारिवारिक तनाव से गुजर रहा था युवक

जमशेदपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर के डोबो पुल से मंगलवार देर रात एक युवक लापता हो गया। मौके से उसकी स्कूटी, मोबाइल फोन और चाबी बरामद हुई है, जिसके बाद परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताई है।

परसुडीह के गोलपहाड़ी निवासी 26 वर्षीय अविनाश कुमार मंगलवार रात करीब 11 बजे से लापता है। परिजनों को सूचना मिलने पर वे डोबो पुल पहुंचे, जहां अविनाश की प्लेजर स्कूटी, मोबाइल और चाबी मिली। हालांकि, अविनाश का कोई पता नहीं चल सका।

परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि अविनाश ने स्वर्णरेखा नदी में छलांग लगा दी होगी। इसके बाद रातभर परिजन और स्थानीय लोगों ने टॉर्च की मदद से नदी में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

परिजनों ने बताया कि अविनाश पिछले कुछ समय से पारिवारिक तनाव से गुजर रहा था। वह गोविंदपुर में अपनी पत्नी के साथ किराए के मकान में रहता था और दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

मंगलवार शाम करीब 5 बजे वह घर से निकला था। निकलने से पहले उसने अपनी मां को 5 हजार रुपए दिए थे और जल्द वापस आने की बात कही थी।

अविनाश का एक छोटा बेटा भी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। अंधेरा होने के कारण बचाव अभियान में बाधा आई, लेकिन पुलिस और स्थानीय लोग लगातार तलाश अभियान में जुटे हुए हैं।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह मामला आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और सच्चाई जांच पूरी होने के बाद ही सामने आ सकेगी।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, तीन जवान जख्मी

चाईबासा, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में बुधवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ एक तलाशी अभियान के दौरान हुई, जिसमें दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई।

मुठभेड़ में तीन जवान जख्मी हुए हैं। उन्हें जंगल से निकाला जा रहा है। एसपी अमित रेणु ने इसकी पुष्टि की है।

इस अभियान में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस बल संयुक्त रूप से शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मुठभेड़ इनामी माओवादी मिसिर बेसरा के दस्ते के साथ हो रही है।

चीन के लिए भी खुला होर्मुज का रास्ता

ट्रंप बोले- जिनपिंग मुझे गले लगाएंगे, अब जंग नहीं दोस्ती होगी

वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के लिए भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की बात कही है। उन्होंने कहा कि चीन भी इस बात से खुश है कि मैं होर्मुज जलडमरूमध्य हमेशा के लिए खोल रहा हूं। उन्होंने दावा किया कि चीन इस बात से सहमत है कि वो ईरान को हथियार नहीं भेजेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि जब वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलेंगे तो वे उन्हें गले लगा लेंगे। उन्होंने कहा कि ये काम लड़ाई-झगड़े से बेहतर है, हालांकि उन्होंने चीन को चेतावनी भी और कहा कि अमेरिकी लड़ने में भी बहुत माहिर हैं, कहीं भी और कभी भी। ट्रंप का यह बयान उनके चीन दौरे से ठीक पहले आया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा,चीन इस बात से बहुत खुश है कि मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को हमेशा के लिए खोल रहा हूं। मैं यह उनके लिए भी कर रहा हूं—और पूरी दुनिया के लिए भी। ऐसी स्थिति दोबारा कभी नहीं आएगी। वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि वे ईरान को हथियार नहीं भेजेंगे। जब मैं कुछ हफ्तों में वहां पहुंचूंगा, तो राष्ट्रपति शी मुझे बहुत जोर से गले लगाएंगे। हम मिलकर बहुत समझदारी से और बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं! क्या यह लड़ाई-झगड़े से कहीं बेहतर नहीं है? लेकिन याद रखना, अगर जरूरत पड़ी तो हम लड़ने में भी बहुत माहिर हैं—किसी और से कहीं ज्यादा बेहतर! राष्ट्रपति डीजेटी। ट्रंप 14-15 मई को चीन का दौरा करने वाले हैं। यह उनके दूसरे कार्यकाल की पहली चीन यात्रा होगी। ट्रंप मार्च में ही चीन जाने वाले थे, लेकिन ईरान युद्ध के कारण उनके दौरे को टाल दिया गया। इस आधिकारिक यात्रा में ट्रंप के साथ उनके बेटे एरिक ट्रंप और बहू लारा ट्रंप भी शामिल होंगी। माना जा रहा है कि ट्रंप इस यात्रा के दौरान अमेरिका-चीन संबंधों को मजबूत करने के अलावा अपने निजी व्यवसाय को भी आगे बढ़ाने पर जोर देंगे।

धर्म, शौर्य और तप के अद्वितीय प्रतीक भगवान परशुराम

राम गोपाल चौधरी

भारतीय सनातन परंपरा में भगवान परशुराम का स्थान अत्यंत विशिष्ट और गौरवपूर्ण माना जाता है। वे भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और ऐसे एकमात्र चिरंजीवी अवतार माने जाते हैं, जिनकी उपस्थिति आज भी लोकमानस में जीवंत है। उनका जीवन केवल पराक्रम और युद्धकला तक सीमित नहीं था, बल्कि धर्म की स्थापना, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और सामाजिक संतुलन बनाए रखने का अद्वितीय संदेश भी देता है।

भगवान परशुराम का उल्लेख रामायण, महाभारत, भागवत पुराण और कल्कि पुराण सहित अनेक धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। इन ग्रंथों में उनका व्यक्तित्व तप, शौर्य, न्यायप्रियता और अनुशासन का प्रतीक बताया गया है। वे ऐसे योद्धा थे, जिन्होंने शक्ति को केवल संरक्षण और धर्म की स्थापना के लिए उपयोग किया, न कि अहंकार या स्वार्थ की पूर्ति के लिए।

भगवान परशुराम का जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। उनका नाम 'राम' था, लेकिन भगवान शिव से प्राप्त दिव्य फरसा धारण करने के कारण वे 'परशुराम' कहलाए। बचपन से ही उनमें अद्भुत प्रतिभा, तेज और अनुशासन दिखाई देता था। उन्होंने कठोर तपस्या कर भगवान शिव से दिव्य अस्त्र-शस्त्र और युद्धविद्या प्राप्त की, जिसने उन्हें अद्वितीय योद्धा बना दिया।

उनका जीवन माता-पिता और गुरुजनों के प्रति अटूट श्रद्धा और आज्ञापालन का उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। कहा जाता है कि वे सदैव अपने पिता की आज्ञा को सर्वोपरि मानते थे। यही संस्कार उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी शक्ति बने और आगे चलकर उन्होंने समाज में मर्यादा और धर्म की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।

भगवान परशुराम का युग वह समय था, जब कुछ क्षत्रिय शासक शक्ति और वैभव के अहंकार में अन्याय और अत्याचार की राह पर चल पड़े थे। ऐसी स्थिति में परशुराम ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संकल्प लिया और समाज में संतुलन स्थापित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए। उनका यह संघर्ष केवल युद्ध तक सीमित नहीं था, बल्कि यह धर्म और न्याय की रक्षा का एक व्यापक अभियान था।

इतिहास और लोककथाओं में यह भी वर्णित है कि उन्होंने अत्याचारियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाकर समाज को भयमुक्त बनाने का प्रयास किया। उनके जीवन का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यवस्था में संतुलन स्थापित करना था। यही कारण है कि वे केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि एक महान तपस्वी और समाज सुधारक के रूप में भी प्रतिष्ठित हैं।

भगवान परशुराम को 'भूमि का जनक' भी कहा जाता है। मान्यता है कि उन्होंने समुद्र को पीछे हटाकर केरल और कोंकण क्षेत्र की भूमि का निर्माण किया। यह कथा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि उनके लोककल्याणकारी दृष्टिकोण का प्रतीक भी है। इससे स्पष्ट होता है कि उनका व्यक्तित्व केवल युद्धकौशल तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज के निर्माण और विकास से भी जुड़ा हुआ था।

महाभारत काल में भी भगवान परशुराम की महत्वपूर्ण भूमिका देखने को मिलती है। उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शस्त्रविद्या प्रदान की। यह तथ्य दर्शाता है कि वे केवल युद्ध करने वाले योद्धा नहीं थे, बल्कि ज्ञान और शिक्षा के महान गुरु भी थे, जिन्होंने आने वाली पीढ़ियों को पराक्रम और मर्यादा का पाठ पढ़ाया।

भगवान परशुराम का जीवन आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना प्राचीन काल में था। उनका संदेश स्पष्ट है कि शक्ति का उपयोग तभी सार्थक है, जब उसमें संयम, न्याय और धर्म का मार्गदर्शन हो। वे हमें सिखाते हैं कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होना ही सच्चा साहस है और समाज में संतुलन बनाए रखना ही वास्तविक धर्म है।

इसी कारण भगवान परशुराम केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में साहस, मर्यादा, तप और कर्तव्यनिष्ठा के शाश्वत आदर्श माने जाते हैं। उनका जीवन युगों-युगों तक मानवता को यह प्रेरणा देता रहेगा कि धर्म की रक्षा के लिए शक्ति और संयम—दोनों का संतुलन आवश्यक है।

एक ग्वाले की वजह से संत को मिली सीख

निस्वार्थ भक्ति से मिलती है भगवान की कृपा, कपट करने वाले लोगों की भक्ति हो जाती है असफल

एक गांव में एक ग्वाला रोज सुबह अपनी गायों को लेकर जंगल में चराने जाता और शाम को वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक संत का आश्रम था। संत दिन-रात तप, ध्यान और मंत्र जाप में लीन रहते थे। ग्वाला भोला-भाला था, वह रोज संत को देखता, लेकिन उसकी समझ में यह नहीं आता था कि संत ऐसा क्यों करते हैं।

एक दिन जिज्ञासा के कारण ग्वाला आश्रम पहुंचा और संत से पूछ बैठा, "महाराज, आप रोज ये सब क्यों करते हैं?" संत ने मुस्कुराकर उत्तर दिया, "मैं भगवान को पाने के लिए भक्ति करता हूं। तप, ध्यान और पूजा से भगवान के दर्शन होते हैं।"

ग्वाले के मन में भी भगवान को देखने की इच्छा जाग उठी। उसने सोचा कि अगर संत ऐसा करके भगवान को पा सकते हैं, तो वह भी कोशिश करेगा। वह जंगल में एक शांत स्थान पर गया, एक पेड़ के नीचे खड़ा हो गया और एक पैर पर तप करने लगा। उसने इतना कठोर संकल्प लिया कि सांस लेना भी धीमा कर दिया और मन ही मन निश्चय किया कि जब तक भगवान के दर्शन नहीं होंगे, वह ऐसे ही रहेगा।

उसकी सच्ची लगन और कठोर तपस्या से भगवान प्रसन्न हो गए और तुरंत उसके सामने प्रकट हो गए। उन्होंने कहा, "पुत्र, आंखें खोलो, मैं तुम्हारे सामने हूं।" ग्वाले ने बिना आंखें खोले पूछा, "आप कौन हैं?" भगवान ने उत्तर दिया, "मैं वही ईश्वर हूं, जिनके दर्शन के लिए तुम तप कर रहे हो।"

ग्वाले ने आंखें खोलीं, लेकिन उसने कभी भगवान को देखा नहीं था, इसलिए उसे संदेह हुआ। सच्चाई जानने के लिए उसने भगवान को रस्सी से पेड़ के साथ बांध दिया और संत को बुलाने दौड़ पड़ा।

जब संत वहां पहुंचे, तो उन्हें कुछ भी दिखाई नहीं दिया। ग्वाले ने आश्चर्य से भगवान से पूछा कि संत को आप क्यों नहीं दिख रहे। भगवान ने कहा, "मैं केवल उन्हीं को दिखाई देता हूं जो निस्वार्थ भाव से मेरी भक्ति करते हैं। जिनके मन में स्वार्थ और कपट होता है, वे मुझे नहीं देख सकते।"

इस घटना ने संत को भी आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया और ग्वाले की सच्ची भक्ति का महत्व संत को भी समझ आ गया।

प्रसंग की सीख

निस्वार्थ भाव से करें भक्ति

ग्वाले की भक्ति में कोई स्वार्थ नहीं था। वह केवल भगवान को देखने की सच्ची इच्छा रखता था। जीवन में जब हम बिना स्वार्थ के काम करते हैं, तो सफलता और संतुष्टि दोनों मिलती हैं। भक्ति में भी ऐसा ही होता है।

सच्ची लगन और समर्पण

ग्वाले ने जो ठान लिया, उसे पूरी ईमानदारी से किया। यही समर्पण हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचाता है। आधे-अधूरे मन से किया गया प्रयास कभी पूर्ण सफलता नहीं देता।

जिज्ञासा से सीखने की आदत

ग्वाले ने संत से सवाल पूछा, जिससे उसे नई दिशा मिली। जीवन में सवाल पूछना और सीखने की इच्छा रखना बहुत जरूरी है। यही आदत हमें आगे बढ़ाती है।

बाहरी दिखावे से बचें

संत रोज पूजा करते थे, लेकिन उनके अंदर कहीं न कहीं स्वार्थ छिपा था, इसी वजह से उन्हें भगवान ने दर्शन नहीं दिए। यह हमें सिखाता है कि केवल दिखावे के कर्मों से कुछ हासिल नहीं होता, बल्कि सच्चाई और शुद्ध भावना जरूरी है।

सरलता में शक्ति होती है

ग्वाला साधारण था, उसका स्वभाव सरल था, लेकिन उसकी भक्ति असाधारण थी। यह बताता है कि जीवन में महान बनने के लिए बड़ा पद या ज्ञान जरूरी नहीं, बल्कि सच्चा दिल और सरल स्वभाव जरूरी है।

आत्ममंथन करते रहें

संत को जब सच्चाई पता चली, तो उन्हें खुद पर विचार करना पड़ा। हमें भी समय-समय पर अपने कार्यों और भावनाओं का मूल्यांकन करना चाहिए, तभी हमें आगे बढ़ने का सही रास्ता मिल सकता है।

विश्वास और धैर्य

ग्वाले ने धैर्य और विश्वास के साथ तप किया। जीवन में भी धैर्य रखने से ही सही परिणाम मिलते हैं। जल्दी हार मान लेना सफलता से दूर कर देता है। जब तक सफलता न मिले, तब तक प्रयास करने का संकल्प लेना चाहिए।

लक्ष्य की स्पष्टता

ग्वाले का लक्ष्य स्पष्ट था- भगवान के दर्शन। जब जीवन में लक्ष्य स्पष्ट होता है, तो रास्ता भी आसान हो जाता है। जीवन में सच्चाई, निस्वार्थ भाव और समर्पण के साथ किया गया कार्य ही हमें वास्तविक सफलता और शांति दिलाता है।

घने जंगल और खूबसूरत झरने के बीच बसा जटमाई मंदिर

छत्तीसगढ़ एक प्रकृति संपन्न राज्य है।प्रकृति की अनुपम छटा यहां देखने को मिलती है।वैसे तो इस खूबसूरत राज्य में कई सारे धार्मिक स्थल है।पर आज हम आपको यहां के एक ऐसे धार्मिक स्थल के विषय में बताएंगे जो आस्था के केंद्र के साथ ही साथ पर्यटन के लिए भी जाना जाता है।जो चारों तरफ से खूबसूरत घने जंगलों में घिरे और खूबसूरत झरने के पास स्थित है।अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश में जहां सुकून और शांति के साथ मनमोहक दृश्य भी हो तो आपको छत्तीसगढ़ के इस जगह को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।हम बात कर रहे है छत्तीसगढ़ के राजधानी से लगभग 90 किमी की दूरी पर स्थित गरियाबंद जिले में स्थित जटमाई और घटारानी मंदिर के विषय में।

जटमाई माता मंदिर

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित जटमई मंदिर जटमाई माता को समर्पित है जिन्हे सब वन देवी के नाम से भी जानते है।कहा जाता है की इस मंदिर और माता की मूर्ति की स्थापना यहां पर सोलवीं शताब्दी में कमार जनजाति के लोगो द्वारा की गई थी।मंदिर में जटमाई माता के अलावा मां दुर्गा,श्री राम और भगवान नरसिम्हा की मूर्ति भी है।मुख्य मंदिर में माता जटमाई की पूजा अर्चना होती है पास से ही एक जल की धारा निकलती है जिसमे कभी भी पानी कम नहीं होता है।इस धारा के बारे में कहा जाता है कि ये धाराएं माता की सेविका है जो उनके चरणों को छू कर निकलती है और एक जलप्रपात का रूप ले लेती है।यह मंदिर प्रकृति के बीच स्थित यहां के आस पास के सुंदर दृश्य देखते बनता है।घने जंगलों के बीच एक झरने के बीचों बीच एक खूबसूरत मंदिर का नजारा किसी जन्नत की कल्पना लगता है। जहां पहुंच कर अंतरात्मा में सुकून सा भर जाता है।

मंदिर के पास के अन्य आकर्षण

जटमाई मंदिर के पास अन्य कई और भी मंदिर है जो पर्यटकों द्वारा दर्शनीय है।मंदिर से कुछ ही दूर पर भगवान हनुमान की एक विशाल मूर्ति स्थापित है जिसमे हनुमान जी श्री राम और लक्ष्मण को अपने कंधो पर उठाए हुए हैं। यह मूर्ति लगभग 150 मीटर ऊंची है जो जंगल के बीचों बीच काफी आकर्षक लगती है।इसके अलावा आस पास के क्षेत्र मे दो गुफाएं भी है जिसमे विभिन्न देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित है जिसमे जाना काफी रोमांचक लगता है।इन दोनो गुफा में एक काली माता गुफा है जो मां काली को समर्पित है और दूसरी शेर गुफा जिसमे अन्य देवता की पूजा अर्चना होती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि शेर गुफा में पहले शेर रहा करते थे।समय के साथ शेर चले गए और यहां देवताओं की पूजा होने लगी।

घटारानी मंदिर- कहा जाता है कि घाटरानी का मंदिर घने जंगल की खोह में स्थित थी इसलिए इसे घाटरानी नाम से जाना जाता है।पहले यह ऊंची पहाड़ियों में एक कोने में हुआ करता था जहां जंगल में राह भटके लोगो के द्वारा फूल चढ़ाने पर वो अपनी मंजिल पर माता की कृपा से पहुंच जाते थे। समय के यहां मंदिर का निर्माण करवाया गया और आज यह एक धार्मिक स्थल के रूप में विख्यात है।इस मंदिर में एक शिवलिंग है जिसे घाटेश्वरनाथ के नाम से जाना जाता है।मंदिर के पास ही एक खूबसूरत झरना भी है जहां लोग पिकनिक मनाने और घूमने जाते है।

जटमाई घटारानी मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो यह एक धार्मिक स्थल है जहां आप साल के किसी भी समय जा सकते है।लेकिन अगर आप धार्मिक स्थल के साथ ही साथ प्रकृति की अनुपम छटा भी देखना चाहते है तो आपको यहां जुलाई से जनवरी के बीच आना चाहिए।तब यहां झरने और और जंगल की सुंदरता देखते ही बनती है।

क्या आपका डोरमैट कर रहा है आपकी तरक्की ब्लॉक?

क्यों अहम है डोरमैट का रंग? हम अक्सर डोरमैट को सिर्फ सफाई के नजरिए से देखते हैं-जूते पोंछने की चीज, लेकिन वास्तु में इसे ऊर्जा के फिल्टर की तरह माना जाता है। जो भी ऊर्जा घर में प्रवेश करती है, वह सबसे पहले इसी डोरमैट से होकर गुजरती है।

1. दक्षिण दिशा के दरवाजे के लिए सही रंग

हरा रंग क्यों है बेहतर? अगर आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा में है, तो हरे रंग की डोरमैट को शुभ माना जाता है। दक्षिण दिशा को अग्नि तत्व से जोड़ा जाता है, और हरा रंग इस ऊर्जा को बैलेंस करने में मदद करता है। किन रंगों से बचें? इस दिशा में लाल रंग की डोरमैट रखने से बचना चाहिए। लाल रंग पहले से मौजूद अग्नि ऊर्जा को और बढ़ा देता है, जिससे तनाव, खर्च और आर्थिक असंतुलन बढ़ सकता है

2. उत्तर दिशा के दरवाजे के लिए क्या रखें?

नीला और ग्रे रंग क्यों सही? उत्तर दिशा जल तत्व का प्रतीक मानी जाती है। इसलिए इस दिशा में नीले या ग्रे रंग की डोरमैट रखना अच्छा माना जाता है। ये रंग शांति और स्थिरता लाते हैं, जो धन के प्रवाह को बनाए रखने में मदद करते हैं। काले रंग से क्यों दूरी? कई लोग काले रंग की मैट इसलिए लेते हैं क्योंकि वह जल्दी गंदी नहीं दिखती, लेकिन वास्तु के अनुसार, उत्तर दिशा में काला रंग धन के प्रवाह को धीमा कर सकता है।

3. पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में क्या करें?

तरक्की के लिए हरा रंग अगर आपके घर का प्रवेश द्वार पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में है, तो हरे रंग की डोरमैट सबसे बेहतर मानी जाती है। यह दिशा विकास और नए अवसरों से जुड़ी होती है। रियल लाइफ में भी देखा गया है कि ऐसे घरों में जहां एंट्रेंस साफ-सुथरा और हल्के रंगों वाला होता है, वहां माहौल ज्यादा पॉजिटिव महसूस होता है।

4. पश्चिम दिशा के दरवाजे के लिए सही विकल्प सिल्वर, गोल्डन और सफेद रंग पश्चिम दिशा धातु तत्व से जुड़ी होती है। इस दिशा में सिल्वर, गोल्डन या सफेद रंग की डोरमैट रखना शुभ माना जाता है। ये रंग स्थिरता और संतुलन लाते हैं।

बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी

अमरनाथ यात्रा जाने की सोच रहे तो आज यह काम पहले करें

अगर आप बाबा बर्फानी के दर्शन की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए बड़ी खबर है। अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए आज से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में इस पवित्र यात्रा पर जाने मन बना रहे हैं, तो तुरंत रजिस्ट्रेशन करा लें, जिससे सुविधाजनक अमरनाथ बाबा के दर्शन सुविधाजनक तरीके से कर सकेंगे। हर साल लाखों श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन करने जाते हैं।

इस बार यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी जरूरी तैयारियां शुरू कर दी हैं। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से किए जा सकते हैं। इसके लिए देशभर में कई बैंकों और अधिकृत केंद्रों को चिन्हित किया गया है, जहां से श्रद्धालु यात्रा के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि रजिस्ट्रेशन से पहले एक जरूरी काम स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनवाना है। इसे बनवाकर ही रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट क्यों अनिवार्य

प्रशासन ने साफ किया है कि बिना सर्टिफिकेट के किसी भी श्रद्धालु को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रमाण पत्र यह तय करता है कि यात्री ऊंचाई वाले और कठिन रास्तों में चलने के लिए शारीरिक रूप से फिट है। गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा काफी कठिन और दुर्गन है, इसलिए पहले से स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है।

सुरक्षा के लिए खास इंतजार

सुरक्षा के लिहाज से भी इस बार खास इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे और पूरी यात्रा मार्ग पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। प्रशासन की तैयारी है कि श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी भी तरह की परेशानी न हो।

रजिस्ट्रेशन में दिख रहा गजब का उत्साह

रजिस्ट्रेशन के पहले ही दिन श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

बड़ी संख्या में लोग ऑन लाइन और आफ लाइन आवेदन करने पहुंच रहे हैं। अगर आप भी बाबा बर्फानी के दर्शन करना चाहते हैं, तो देरी न करें। पहले अपना स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनवाएं और तुरंत रजिस्ट्रेशन कराएं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 16 अप्रैल - 2026

बिहार के सम्राट

बिहार की राजनीति में सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब राज्य में सहयोगी दलों की छाया से बाहर निकलकर अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाने के लिए तैयार है। लंबे समय तक गठबंधन राजनीति के सहारे सत्ता में भागीदारी निभाने के बाद भाजपा का यह निर्णय केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और रणनीतिक संकेत भी है। देखा जाए तो सम्राट चौधरी का चयन बहुत ही सुनियोजित राजनीतिक प्रक्रिया का परिणाम है। पहले उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, फिर उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों का अनुभव दिया गया। इसी से स्पष्ट हो गया था कि पार्टी उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए तैयार कर रही है। पिछड़े वर्ग से आने वाले सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने राज्य की सामाजिक समीकरण को साधने की अपनी रणनीति को और मजबूत किया है। बिहार की राजनीति में सामाजिक समीकरण की सच्चाई भाजपा भली-भांति जानती और समझती है। सम्राट चौधरी का राजनीतिक अनुभव भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है। वर्ष 1999 से सक्रिय राजनीति में रहने के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं और प्रशासनिक तथा संगठनात्मक अनुभव हासिल किया। यही कारण है कि पार्टी ने उन्हें ऐसे समय में नेतृत्व सौंपा है जब बिहार में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज है और आने वाले सभी चुनावों की तैयारी निर्णायक मोड़ पर है। मुख्यमंत्री की कुर्सी केवल अवसर नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी भी है। सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती बिहार की जनता के बीच एक सक्षम प्रशासक की मजबूत छवि स्थापित करने की होगी। इसके साथ ही उन्हें पार्टी और कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना होगा। यह चुनौती इसलिए भी बड़ी है कि पहली बार राज्य में भाजपा बिना किसी बड़े सहयोगी चेहरे के नेतृत्व कर रही है। इसके बावजूद पूर्व सीएम नीतीश कुमार की विरासत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लंबे समय तक बिहार की राजनीति का केंद्र रहे नीतीश कुमार प्रशासनिक अनुभव और विकास की छवि के कारण एक मजबूत मानक स्थापित कर चुके हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने यह साबित करने का मौका है कि वे नीतीश से बेहतर काम कर सकते हैं। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो भाजपा का यह फैसला आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है। पार्टी पहले ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर नवीन नेतृत्व को आगे कर चुकी है और अब मुख्यमंत्री पद पर सम्राट चौधरी की नियुक्ति के जरिए सामाजिक संतुलन को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। यह स्पष्ट है कि भाजपा बिहार में अपने दम पर भविष्य की राजनीति की रूपरेखा तैयार करना चाहती है। इसके साथ ही यह भी सच है कि बिहार प्रयोगों की भूमि है और यहां हर राजनीतिक बदलाव अपने साथ अवसर और जोखिम दोनों लेकर आता है। सम्राट चौधरी के सामने प्रशासनिक दक्षता साबित करने के साथ-साथ गठबंधन सरकार की जटिलताओं को संतुलित रखने की जिम्मेदारी भी होगी। विधानसभा के भीतर विपक्ष की स्थिति भले कमजोर दिखाई दे, लेकिन जनता की अपेक्षाएं हमेशा मजबूत होती हैं। निस्संदेह, सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में भाजपा के राजनीतिक सफर का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। अब यह उनके नेतृत्व, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दृष्टि पर निर्भर करेगा कि यह अध्याय राज्य की राजनीति में स्थायी परिवर्तन का आधार बनता है या केवल एक राजनीतिक प्रयोग बनकर रह जाता है। बिहार की जनता की नजरें अब उनके अगले कदमों पर टिकी रहेंगी।

कमजोर मानसून से किसानों और अर्थव्यवस्था के सामने चुनौती

जयसिंह रावत

देश में वर्ष 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर जारी पूर्वानुमानों ने विशेष रूप से पहाड़ी राज्यों के लिए चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के दीर्घकालिक आकलन के अनुसार उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बड़े हिस्सों में इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में भी वर्षा सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि लद्दाख में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है। यह स्थिति केवल जलवायु की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, इस वर्ष देश में कुल मानसूनी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) का लगभग 92 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो सामान्य श्रेणी से नीचे की स्थिति को दर्शाता है। विशेष रूप से उत्तराखंड में सामान्य से कम वर्षा की संभावना 35 से 65 प्रतिशत के बीच बताई गई है। यह संकेत करता है कि पहाड़ी क्षेत्रों में जल स्रोतों, सिंचाई और पेयजल व्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

इस वर्ष कमजोर मानसून की आशंका के पीछे एक प्रमुख कारण उत्तरी गोलार्ध में सर्दी और वसंत ऋतु के दौरान हिम आवरण (स्नो कवर) का सामान्य से कम रहना बताया गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, हिम आवरण का क्षेत्रफल कम होने से भूमि और वायुमंडल के बीच तापमान का अंतर कमजोर पड़ जाता है। यह अंतर मानसून की गति और उसकी तीव्रता को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब यह तापीय अंतर कम हो जाता है, तो मानसूनी हवाओं की शक्ति भी कमजोर पड़ सकती है, जिससे वर्षा की मात्रा प्रभावित होती है।

वैश्विक जलवायु संकेतक भी इस वर्ष मानसून पर प्रभाव डाल सकते हैं। वर्तमान में ला-नीना की कमजोर होती स्थिति के कारण जलवायु तटस्थ अवस्था की ओर बढ़ रही है, जबकि मानसून के महीनों के दौरान अल-नीनो की संभावना जताई जा रही है। अल-नीनो की स्थिति आमतौर पर भारत में वर्षा की कमी से जुड़ी होती है, क्योंकि इसके दौरान प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ जाता है और मानसूनी हवाओं की दिशा व गति प्रभावित होती है। हालांकि, वैज्ञानिकों का मानना है कि बाद के महीनों में हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) की स्थिति सकारात्मक हो सकती है जिससे वर्षा की कमी को आंशिक रूप से संतुलित किया जा सकता है।

पहाड़ी राज्यों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि यहां मानसून वर्षा जल संसाधनों, कृषि और जलविद्युत उत्पादन का प्रमुख आधार है। उत्तराखंड और हिमाचल जैसे राज्यों में नदियों का प्रवाह, जलाशयों का स्तर और सिंचाई व्यवस्था काफी हद तक मानसून पर निर्भर रहती है। यदि वर्षा सामान्य से कम रहती है, तो इससे जलविद्युत परियोजनाओं के उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, असमान वर्षा की स्थिति में भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ जाता है क्योंकि कभी-कभी कम कुल वर्षा के बावजूद अचानक तेज वर्षा की घटनाएं अधिक नुकसान पहुंचा सकती हैं। देश की अर्थव्यवस्था पर भी कमजोर मानसून का असर पड़ना स्वाभाविक है। यद्यपि विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में भारत की समग्र अर्थव्यवस्था इतनी कमजोर नहीं है कि वह पूरी तरह संकट में आ जाए, फिर भी कृषि क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ सकता है।

देश की सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान अभी भी लगभग एक-चौथाई के आसपास है, और यह क्षेत्र मुख्य रूप से वर्षा पर निर्भर है। भारत में लगभग 70 प्रतिशत कृषि भूमि को आवश्यक नमी मानसून से ही प्राप्त होती है। कई राज्यों में तो आधे से अधिक खेत वर्षा आधारित हैं।

कमजोर मानसून का सबसे अधिक प्रभाव छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ता है। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गेहूं की लगभग आधी खेती वर्षा पर निर्भर है जबकि महाराष्ट्र में वर्षा आधारित खेती का अनुपात 80 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। अल-नीनो के वर्षों में दालों का उत्पादन अक्सर घट जाता है, कभी-कभी यह गिरावट 25 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच जाती है। इसका सीधा असर देश की खाद्य सुरक्षा और बाजार में कीमतों पर पड़ सकता है।

जल संसाधनों पर दबाव बढ़ने का एक और कारण भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन है। जब वर्षा कम होती है, तो किसान ट्यूबवेल और पंपसेट का अधिक उपयोग करते हैं जिससे भूजल स्तर तेजी से नीचे चला जाता है। इसके साथ ही जलाशयों में पानी की उपलब्धता भी घट जाती है, जिससे सिंचाई और बिजली उत्पादन दोनों प्रभावित होते हैं।

इस वर्ष स्थिति को और जटिल बनाने वाले कुछ अतिरिक्त कारक भी सामने आए हैं। मार्च और अप्रैल में हुई असामयिक वर्षा ने देश के कई हिस्सों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर हुई है। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। यदि यह स्थिति लंबी चली, तो डीजल जैसे ईंधनों की कीमतों में वृद्धि भी संभव है, जिससे खेती की लागत बढ़ सकती है।

हालांकि कुछ सकारात्मक संकेत भी सामने आए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि देश की बैंकिंग व्यवस्था और औद्योगिक क्षेत्र अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को पूरी तरह अस्थिर होने से बचाया जा सकता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं तो सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर पड़ने वाला प्रभाव सीमित रह सकता है।

पिछले वर्ष कृषि क्षेत्र ने अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, और इस वर्ष भी यदि उचित सरकारी सहायता मिलती है, तो किसान इस चुनौती से उबर सकते हैं।

कमजोर मानसून की स्थिति में सरकार की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। समय पर बीज, उर्वरक और सिंचाई सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक होगा। साथ ही, छोटे किसानों के लिए वित्तीय सहायता और फसल बीमा योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना भी जरूरी होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन जैसी दीर्घकालिक योजनाओं पर भी तेजी से काम करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों का सामना बेहतर तरीके से किया जा सके।

अंततः यह कहा जा सकता है कि वर्ष 2026 का मानसून केवल एक मौसमी घटना नहीं, बल्कि देश की कृषि, जल संसाधन और अर्थव्यवस्था की स्थिरता से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कारक है। यदि वर्षा सामान्य से कम रहती है, तो इसके प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं।

हालांकि, जलवायु प्रणाली में होने वाले बदलावों के कारण अंतिम परिणाम में कुछ सुधार की संभावना भी बनी रहती है। विशेष रूप से यदि हिंद महासागर द्विध्रुव की स्थिति सकारात्मक होती है तो वर्षा की कमी को कुछ हद तक संतुलित किया जा सकता है।

इन परिस्थितियों में आवश्यक है कि सरकार, वैज्ञानिक संस्थान और किसान सभी मिलकर सतर्कता और तैयारी के साथ आगे बढ़ें, ताकि संभावित संकट को अवसर में बदला जा सके और देश की खाद्य एवं जल सुरक्षा को बनाए रखा जा सके।

आईटी सेक्टर का काला सच

प्रो. आरके जैन

कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमगाहट, कांच की ऊँची इमारतों का मोहक आभास और "प्रोफेशनलिज़्म" के बड़े-बड़े दावे—यदि इनके भीतर भय, शोषण और दबाव का अंधकार पलता हो, तो यह किसी एक कंपनी की चूक नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी असफलता का संकेत है। अप्रैल 2026 में नासिक स्थित एक आईटी इकाई (टीसीएस) से सामने आया प्रकरण इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जहाँ महिला कर्मियों के सपनों को सुनियोजित ढंग से रौंद दिया गया। रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की आकांक्षा लेकर आई इन महिलाओं को अपने ही कार्यस्थल पर ऐसे असहनीय दबावों का सामना करना पड़ा, जो किसी भी सभ्य समाज के मूल्यों के सर्वथा विपरीत हैं।

यह मामला केवल यौन शोषण के आरोपों तक सीमित नहीं है; इसके भीतर भय, मानसिक उत्पीड़न, धार्मिक आस्था पर दबाव और अधिकारों के खुले दुरुपयोग की कहीं अधिक गंभीर परतें छिपी हुई हैं। सामने आई शिकायतों के अनुसार, कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों ने महिला कर्मियों पर अनुचित प्रस्तावों, अश्लील टिप्पणियों और निजी संबंध बनाने के लिए निरंतर दबाव डाला। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उन्हें पदोन्नति रोकने, नौकरी समाप्त करने और उनके निजी जीवन को बदनाम करने की धमकियाँ दी गईं। सत्ता और पद के बल पर किया गया यह आचरण केवल अनैतिकता की पराकाष्ठा नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से कानूनन दंडनीय अपराध है, जो किसी भी कार्यस्थल की गरिमा, सुरक्षा और विश्वास को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है।

यह प्रकरण और भयावह तब बनता है, जब स्पष्ट होता है कि यह छिटपुट घटनाएँ नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय संगठित तंत्र का परिणाम था। पुलिस जांच और शिकायतों के अनुसार, आठ महिला कर्मचारियों की नौ एफ़आईआर्स में सामने आया कि टीम लीडर्स सहित वरिष्ठों ने 2022 से 2026 तक करीब चार वर्षों तक सुनियोजित ढंग से उन्हें निशाना बनाकर दबाव में रखा। पुलिस ने फरवरी से 40 दिन तक महिला पुलिसकर्मियों के जरिए अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर साक्ष्य जुटाए। आरोप हैं कि निजी तस्वीरें-वीडियो से ब्लैकमेल करना, नमाज पढ़ने और गोमांस खाने को मजबूर करना, जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव और मानसिक रूप से तोड़ना—ये सब उसी तंत्र के औजार थे। यह स्थिति दिखाती है कि जब शक्ति का दुरुपयोग संस्थागत रूप ले लेता है, तो पीड़ितों के लिए आवाज उठाना कठिन और जोखिम भरा हो जाता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक पक्ष मानव संसाधन विभाग की भूमिका पर उठते सवाल हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के तहत हर संगठन में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और समयबद्ध, निष्पक्ष जांच अनिवार्य है। इसके बावजूद आरोप हैं कि शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, ईमेल और लिखित आवेदन दबाए गए, और पीड़ितों को चुप रहने के लिए मजबूर किया गया—यहाँ तक कि एक एचआर असिस्टेंट जनरल मैनेजर को भी अनदेखी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जिस विभाग पर कर्मचारियों की सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी होती है, यदि वही निष्क्रिय या सहभागी दिखे, तो यह कानून की अवहेलना के साथ विश्वास का गंभीर हनन भी है।

चार वर्षों तक लगातार उठती शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का अभाव यह स्पष्ट करता है कि समस्या कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी खामियों में जड़ें जमाए हुए थी। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के दिशानिर्देश स्पष्ट करते हैं कि 24 घंटे के भीतर संज्ञान लिया जाए और 90 दिनों में जांच पूरी हो, परंतु यहाँ इन प्रावधानों की खुलेआम अनदेखी की गई। यह मात्र लापरवाही नहीं, बल्कि कानूनी दायित्वों से बचने की प्रवृत्ति का संकेत देता है। ऐसे मामलों में देरी न केवल पीड़ित के मानसिक आघात को गहरा करती है, बल्कि आरोपियों के हौसले भी बढ़ाती है।

"जीरो टॉलरेंस" की नीति का हवाला तब खोखला लगता है, जब सवाल उठता है कि वर्षों तक शिकायतें दबने और पीड़ितों की आवाज अनसुनी रहने के दौरान यह लागू क्यों नहीं हुई। टीसीएस द्वारा उच्च प्रबंधन स्तर पर जांच (सीओओ के निर्देशन में) के आदेश और आरोपियों का निलंबन आवश्यक कदम हैं, पर पर्याप्त नहीं—क्योंकि नेसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज़ सीनेट ने श्रम मंत्रालय से पोश कंप्लायंस ऑडिट की मांग की है। जवाबदेही केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; उसे उन सभी स्तरों तक तय होना चाहिए जहाँ लापरवाही या मिलीभगत रही हो। कॉर्पोरेट संस्थानों की साख मुनाफे या छवि से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान, पारदर्शिता और विश्वास से बनती है।

यह घटना किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र में कार्यस्थल की सुरक्षा पर गहरे और असहज प्रश्न खड़े करती है। क्या आधुनिक दफ्तर वास्तव में सुरक्षित हैं, या केवल बाहर से सजे-धजे और आकर्षक दिखते हैं? क्या महिलाओं और अन्य कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए आज भी संघर्ष करना पड़ेगा? यह प्रकरण स्पष्ट करता है कि जब तक शिकायत तंत्र मजबूत, पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक किसी भी कानून का प्रभाव सीमित और अधूरा ही रहेगा। कर्मचारियों के भीतर यह विश्वास होना चाहिए कि उनकी आवाज न दबेगी, न अनसुनी होगी—बल्कि उसे गंभीरता से सुना जाएगा और उन्हें समयबद्ध न्याय अवश्य मिलेगा।

अब समय केवल औपचारिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक सुधार का है। इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच होनी चाहिए, दोषियों को कठोर दंड मिले और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के अनुपालन की स्वतंत्र ऑडिट पूरे आईटी क्षेत्र में कराई जाए। साथ ही मानव संसाधन तंत्र को स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाना और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। कार्यस्थल केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण होना चाहिए। यदि इस घटना से भी ठोस सबक नहीं लिया गया, तो यह महज़ एक और मामला बनकर रह जाएगा—और यह किसी भी समाज की सबसे बड़ी विफलता होगी।

सीटीसी और वेतन समझना जरूरी

पंकज जायसवाल

नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर आंदोलन चल रहा है. इसी बीच वेतन से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण मसला सीटीसी और इन हैंड वेतन को यहां समझते हैं. कैंपस प्लेसमेंट हो या किसी निजी कंपनी का ऑफर सबसे पहले जिस शब्द पर नज़र जाती है, वह है सीटीसी। जैसे ही किसी ऑफर लेटर में 5 लाख, 10 लाख या 20 लाख सीटीसी लिखा होता है, यह युवाओं और उनके परिवार के अंदर एक स्वाभाविक उत्साह पैदा कर देता है।

परिवार में खुशी का माहौल बनता है, और युवा स्वयं को आर्थिक रूप से स्थापित मानने लगता है लेकिन यहीं से एक ऐसी गलतफहमी शुरू होती है, जो अगर जानकारी शुरू में नहीं है तो कई बार आगे चलकर निराशा का कारण बनती है। कई लोगों को नौकरी ज्वाइन करते वक़्त पता चलता है कि जो बैंक खाते में क्रेडिट होगा वह इससे कम राशि है. वास्तविकता यह है कि सीटीसी, ग्रॉस सैलरी और नेट सैलरी तीन अलग-अलग चीजें हैं, और इनके बीच का अंतर समझे बिना किसी भी नौकरी के प्रस्ताव का मूल्यांकन अधूरा है। सीटीसी जिसका फुल फॉर्म होता है Cost to Company। यह वह कुल राशि है जो कंपनी किसी कर्मचारी पर खर्च करती है। इसमें केवल वह वेतन शामिल नहीं होता जो कर्मचारी को मिलता है, बल्कि वे सभी खर्च भी शामिल होते हैं जो कंपनी कर्मचारी के लिए करती है। उदाहरण के लिए, प्रोविडेंट फंड में कंपनी का अपना खुद का योगदान जो एम्प्लोयी के वेतन के अतिरिक्त उसका खुद का अंशदान होता है, ग्रेच्युटी, बीमा, मेडिकल सुविधाएँ, और कई बार कार, घर या बच्चों की शिक्षा जैसी सुविधाएँ भी इसमें जोड़ दी जाती हैं।

सरल शब्दों में कहें तो सीटीसी एक "एक कम्पनी द्वारा आप पर किया गया कुल खर्च है" है, न कि "आपकी जेब में आने वाली राशि"। यहीं पर दूसरा महत्वपूर्ण शब्द आता है ग्रॉस सैलरी। ग्रॉस सैलरी वह राशि होती है जो कर्मचारी को मिलनी तय होती है, लेकिन इसमें से अभी कोई कटौती नहीं हुई होती।

इसमें बेसिक सैलरी, हाउस रेंट अलाउंस , और अन्य भत्ते शामिल होते हैं लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें भी कंपनी द्वारा किए गए कुछ खर्च शामिल नहीं होते, जैसे कि कंपनी का पीएफ योगदान। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है नेट सैलरी या इन-हैंड सैलरी। यही वह राशि है जो महीने के अंत में कर्मचारी के बैंक खाते में आती है। यह ग्रॉस सैलरी से विभिन्न कटौतियों के बाद मिलती है। इन कटौतियों में कर्मचारी का पीएफ योगदान, ईएसआईसी, प्रोफेशनल टैक्स, और आयकर (टीडीएस) शामिल होते हैं। मतलब सीटीसी से कम ग्रॉस सैलरी और ग्रॉस सैलरी से कम नेट सैलरी होती है।

और यही वह बिंदु है जहाँ अधिकांश युवा भ्रमित हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि जो CTC ऑफर किया गया है, वही उनकी मासिक आय का आधार होगा लेकिन जब पहली सैलरी खाते में आती है, तो वास्तविकता कुछ और ही होती है। मान लीजिए किसी कंपनी ने 13,000 प्रति माह का CTC ऑफर किया। पहली नज़र में ऐसा लगेगा कि मासिक राशि यही मिलेगी , लेकिन जब इसका वास्तविक ब्रेकअप किया जाता है, तो तस्वीर बदल जाती है। इसमें से कंपनी का PF योगदान अलग हो जाता है, फिर कर्मचारी के हिस्से का PF, प्रोफेशनल टैक्स और ESIC जैसी कटौतियाँ होती हैं। अंततः जो राशि कर्मचारी के खाते में आती है, वह लगभग 9,000 के आसपास रह जाती है। यानी लगभग 4,000 का अंतर।

हॉर्मुज की खाड़ी पर अमेरिका की आक्रामकता

स्नेहा सिंह

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को अस्थाई रूप से युद्धविराम के जरिए 14 दिनों के लिए रोका गया था। इस दौरान पाकिस्तान की मध्यस्थता के नाम पर ईरान, अमेरिका और इजराइल के नेता इस समस्या का समाधान निकालने के लिए एकत्र हुए थे। तीनों देशों के बीच शांतिवार्ता विफल होने की सोमवार को आधिकारिक घोषणा की गई थी। इस चर्चा के दौरान ईरान द्वारा रखी गई शर्तों के कारण ट्रम्प अधिक नाराज हो गए थे। उन्होंने वार्ता रद्द होने के बाद चेतावनी दी थी कि अब हॉर्मुज की खाड़ी से एक भी जहाज गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने पूरी खाड़ी के आसपास नाकाबंदी की घोषणा की थी और उस दिशा में कार्रवाई भी शुरू कर दी थी।

जानकारों का मानना है कि अमेरिका भले ही डींग मार रहा हो, लेकिन वह हॉर्मुज की खाड़ी की नाकाबंदी कर ही नहीं सकता। यदि इस खाड़ी की नाकाबंदी की जाती है, तो दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस के साथ-साथ अन्य वस्तुओं की आपूर्ति पूरी तरह रुक जाएगी और चारों ओर भयावह स्थिति पैदा हो जाएगी। इससे भी बड़ी बात यह है कि वास्तव में अमेरिका इस हॉर्मुज की खाड़ी को बंद कर सकता है या नहीं, इस पर भी संदेह है।

विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका चाहे तो भी 33 किलोमीटर चौड़े इस जलमार्ग को बंद नहीं कर सकता। वह यहां नाकाबंदी के लिए तैनात भी नहीं रह सकता। ईरान ने समुद्र में इतने अधिक मरीन माइन बिछा रखे हैं कि कब कौन-सी माइन फट जाए, इसका कोई अंदाजा नहीं। दूसरी ओर अमेरिका ने अपने दो बड़े युद्धपोत इस खाड़ी में तैनात कर दिए हैं, जो अन्य जहाजों पर दबाव बनाएंगे।

उल्लेखनीय है कि ट्रम्प ने अपने पहले बयान में कहा था कि हॉर्मुज की खाड़ी से गुजरने वाले हर जहाज को अमेरिका द्वारा रोका जाएगा। इससे ऐसा प्रतीत होगा कि खाड़ी में ब्लॉकेज खड़ा हो गया है। इसके बाद कुछ समय में यूनाइटेड स्टेट सेंट्रल कमांड ने स्पष्ट किया कि पूरी नाकाबंदी नहीं बल्कि टार्गेटेड ब्लॉकेज किया जाएगा। यानी केवल ईरान से आने-जाने वाले जहाजों को रोका जाएगा, जबकि सऊदी अरब, यूएई और कुवैत जैसे सहयोगी देशों के जहाजों को छूट दी जाएगी।

ट्रम्प का दावा है कि ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से अवैध टोल वसूल रहा है। अमेरिका इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का उल्लंघन है और अमेरिका इसे रोकेगा।

माना जा रहा है कि यह कार्य उतना आसान नहीं है, जितना दिखता है। हॉर्मुज की खाड़ी दुनिया का महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट है। इसकी वास्तविक नौवहन चौड़ाई बहुत कम है, इसलिए यह अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र है। तकनीकी रूप से अमेरिका के पास इसे नियंत्रित करने की क्षमता है, लेकिन व्यावहारिक रूप से यह बहुत बड़ी चुनौती है।

सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार यह क्षेत्र केवल जहाजों का मार्ग नहीं, बल्कि अत्यंत खतरनाक युद्ध क्षेत्र भी बन सकता है। यह अमेरिका के लिए डेथ वैली साबित हो सकता है। ईरान के पास यहां बड़ी मात्रा में हथियार और संसाधन हैं, जो अमेरिकी जहाजों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने इस क्षेत्र में सैन्य तैयारी लगभग दो दशक पहले ही शुरू कर दी थी। 2003 के इराक युद्ध के बाद यहां भारी सैन्य जमावड़ा किया गया था। वर्तमान में अमेरिका के कई बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर और युद्धपोत इस क्षेत्र में तैनात हैं, साथ ही माइनस्वीपिंग जहाज और अंडरवाटर ड्रोन भी सक्रिय हैं।

पश्चिम एशिया में मीठे जल के श्रोतों की भारी कमी

डॉ. अंशुल उपाध्याय

एशिया महाद्वीप को अगर देखा जाए तो पश्चिमी एशिया और मध्य एशियाई प्रदेशों में मीठे जल के श्रोतों की काफ़ी कमी है। क्योंकि, इन क्षेत्रों में अधिकांश रेगिस्तान है और यहां की जलवायु भी शुष्क है। बरसात न के बराबर होती है, और गर्मी चरम पर रहती हैं। और जो थोड़ी बहुत मीठे पानी की नदियां है उनका जल भी तेज धूप के कारण वाष्पीकृत होकर उड़ जाता है। इसलिए पश्चिमी एशिया के अधिकांश देश जो समुद के किनारे है समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाकर पीने के लिए आप मजबूर हैं।इन्हीं प्लांट को डिसेनिलेशन प्लांट कहते हैं। सऊदी अरब में इन प्लांटों की संख्या सर्वाधिक है।

पश्चिम एशिया का तापमान मुख्य रूप से गर्म और शुष्क रहता है, जहाँ गर्मियाँ बहुत गर्म (40°C से अधिक) और सर्दियाँ हल्की से ठंडी होती हैं। यहाँ अरब प्रायद्वीप जैसे क्षेत्रों में भीषण गर्मी और रेगिस्तानी जलवायु है, जबकि भूमध्यसागरीय तटों पर मौसम अधिक मध्यम और नम रहता है। वर्षा बहुत कम होती है, जो मुख्य रूप से सर्दियों में होती है। जिनमें,लेबनान, इज़राइल गर्मियों में गर्म और सर्दियों में नरम/बारिश रहते हैं। ईरान, तुर्की में सर्दियाँ लंबी और बर्फीली होती है। जबकि अधिकांश क्षेत्रों में दिन गर्म और रातें ठंडी होती है। यहां अधिकांश इलाकों में सर्दियां केवल दिसम्बर से फरवरी तक ही रहती है।

वर्तमान समय में खाड़ी के डीसैलीनेशन संयंत्र के पास हमला किया गया था जो ईरान पर अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी से शुरू हुए हमलों के बाद ये सबसे दुर्दशा पूर्ण कृत्य था। यह संघर्ष कई बार खाड़ी के महत्वपूर्ण जल और ऊर्जा ढांचे के करीब पहुंच चुका है। दो मार्च को दुबई के जेबेल अली बंदरगाह के पास ईरानी मिसाइलें व ड्रोन से हुए हमले दुनिया के सबसे बड़े डीसैलीनेशन संयंत्रों में से एक से लगभग 12 मील दूर ही गिरे थे। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह एफ-1 जल व बिजली परिसर और कुवैत के दोहा वेस्ट डीसैलीनेशन संयंत्र के आसपास भी नुकसान की खबरें आईं। बहरीन ने भी अपने एक जल संयंत्र को ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचने का आरोप लगाया है, जबकि ईरान का कहना है कि अमेरिकी हमले में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास केश्म द्वीप स्थित एक डीसैलीनेशन संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ, जिससे 30 गांवों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई।

जिस मानव समाज की सुख सुविधाओं और पूर्ति के लिए युद्ध किया जा रहा है यदि उसी मानव समाज की एक बड़ी आबादी को प्यास के कारण तड़प कर मरना पड़े तो फ़िर ऐसे युद्ध में जीत का क्या अर्थ होगा? जिस जनता पर शासन करने के लिए युद्ध हो रहा है जब वही जनता न रहेगी तो कितनी भी बड़ी जीत हो वो तो निरर्थक ही साबित होगी। एशिया के वो देश, जहां डिसेनिलेशन प्लांट लगाए गए है कुवैत,संयुक्त अरब अमीरात बहरीन,लीबिया, यमन, और जॉर्डन ये सभी पश्चिम एशियाई देश है।

पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात में जल संरक्षण के कई उपायों पर काम किया जा रहा है, जिनमें अमीराती नागरिकों के लिए जल खपत संकेतक लागू करना ,जल शुल्क और सब्सिडी का पुनर्संतुलनकरना आदि शामिल हैं। अकेले अबू धाबी में 1,300 से अधिक भूजल निगरानी केंद्रों का निर्माण; और खारे भूजल से मीठा पानी बनाने में सक्षम सौर ऊर्जा संचालित विलवणीकरण संयंत्रों का विस्तार। भविष्य में किए जाने की संभावना है। वर्तमान में संघीय विद्युत और जल प्राधिकरण शैवाल का उपयोग करके पानी से नमक सोखने वाली एक नई तकनीक का परीक्षण कर रहे है। यदि यह तकनीक प्रभावी साबित होती है, तो संयुक्त अरब अमीरात इसे लागू करने वाला दुनिया का पहला देश होगा। यह संयुक्त अरब अमीरात की इस बढ़ी हुई जागरूकता का प्रतीक है कि जल संकट की समस्याओं का पूरी तरह से समाधान करने के लिए उपलब्ध संसाधनों के महत्वपूर्ण निवेश के साथ-साथ मौलिक सोच की आवश्यकता होती है।

सऊदी अरब, जो विश्व में खारे पानी के सबसे बड़े उत्पादक देश है, ने अपने विलवणीकरण संयंत्रों को चलाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा विकल्पों का उपयोग करके अधिक टिकाऊ जल आपूर्ति समाधान अपनाने के अपने हालिया प्रयासों में भी सक्रियता दिखाई है। इसका जल्द ही पूरा होने वाला 130 मिलियन डॉलर का अल खफजी संयंत्र विश्व का सबसे बड़ा विलवणीकरण संयंत्र होगा, जो स्वच्छ फोटोवोल्टिक (पीवी) ऊर्जा का उपयोग करके प्रतिदिन 60,000 घन मीटर पानी का उत्पादन करेगा। आने वाले दशक में न केवल पश्चिम एशिया बल्कि विश्व के अधिकांश भाग को मीठे जल की कमी से गुजरना पड़ सकता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में चल रहे युद्धों के निवारण के लिए ठोस कदम उठाने का प्रयास करना होंगा। और विश्व के समस्त देशों को जल संरक्षण में अधिकता और भूमिगत जल के दोहन में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। तभी भविष्य की आने वाली पीढ़ियों में जल की आपूर्ति को बहाल किया जा सकेगा।

आखिर तंबाकू में ऐसा क्या होता है, जिसकी वजह से यह कैंसर का सबसे बड़ा कारण माना जाता है

जब कभी भी तंबाकू के नुकसान पर खूब बातचीत होती है। लेकिन इसके थोड़े दिनों बाद हम सब इस कही गई बातों को भूल जाते हैं। जो लोग धूम्रपान करते हैं, वह फिर से करने लगते हैं। जो लोग तंबाकू का सेवन करते हैं, वह फिर से खाने लगते हैं। साल में एक दिन नो टोबैको डे मनाकर हम खुश तो हो सकते हैं, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होता. जरूरी है कि हम तंबाकू से दूरी बनाएं. क्योंकि तंबाकू को कैंसर जैसी घातक बीमारी का सबसे बड़ा कारण माना जाता है. ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि आखिर तंबाकू में ऐसा क्या होता है, जिसकी वजह से कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है. चलिए जानते हैं.

तंबाकू का पौधा और उसके उपयोग

अगर आपको पता हो कि तंबाकू के सेवन से घातक बीमारियां हो सकती हैं तो संभव है कि आप इसका सेवन न करें. हालांकि, इसके तमाम बुराइयों और खतरों को जानते हुए लाखों-करोड़ों लोग तंबाकू का सेवन किसी न किसी रूप में करते ही हैं. लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से खतरा कई गुना बढ़ जाता है. दरअसल तंबाकू एक पौधा है, जिसकी पत्तियों का इस्तेमाल किया जाता है. इसे धूम्रपान के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और चबाकर भी सेवन किया जाता है. यहां तक कि सूंघकर भी तंबाकू का सेवन किया जाता है.

तंबाकू में कौन से केमिकल होते हैं?

तंबाकू में हजारों केमिकल होते हैं, जिनमें से कुछ कैंसर का कारण बनते हैं. तंबाकू के धुंए में 7 हजार से ज्यादा केमिकल पाए जाते हैं. इन 7 हजार में से कम से कम 70 केमिकल कैंसर के कारण बनते हैं. इसके अलावा तंबाकू में निकोटीन नामक केमिकल होता है, जिसकी वजह से इसकी आदत लग जाती है और लोग चाहकर भी इसे छोड़ नहीं पाते. निकोटीन एडिक्टिव सब्सटांस है और जो लोग तंबाकू का सेवन छोड़ना चाहते हैं, वह भी कई बार इसकी तलब के आगे हार मान लेते हैं.

स्मोकलेस तंबाकू भी है घातक

जिस तंबाकू को जलाया नहीं जाता है, उसे स्मोकलेस टोबाको कहा जाता है. जिस तंबाकू का सेवन धूम्रपान की बजाय सीधे चबाने के लिए किया जाता है यह वही स्मोकलेस तंबाकू है. इसमें गुटखा, चूने के साथ घिसने वाला तंबाकू या गीला तंबाकू भी शामिल हैं. इस तरह के स्मोकलेस तंबाकू में कम से कम 30 तरह के ऐसे केमिकल होते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं.

तंबाकू की दिल और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी समस्याएं

दिमाग की रक्त वाहिकाओं में ब्लड क्लॉट जमना या उनका कमजोर होना, जिसकी वजह से स्ट्रोक हो सकता है.

पैरों में ब्लड क्लॉट बनना, जो आपके फेफड़ों तक पहुंच सकता है.

दिल से जुड़ी बीमारियां इसमें एंजिना और हार्ट अटैक भी शामिल हैं.

धूम्रपान के बाद कुछ समय के लिए ब्लड प्रेशर बढ़ना.

पैरों तक ब्लड सप्लाई होने में दिक्कत आना.

पुरुष जननांग तक ब्लड सप्लाई कम होने से इरेक्शन में समस्या।

तंबाकू के कारण होने वाली अन्य स्वास्थ्य समस्याएं

कई तरह के कैंसर जैसे फेफड़ों का, मुंह का, नाक का, गले का, पेट का, किडनी का, सर्विक्स का, कोलन कैंसर होना.

सर्जरी के बाद घाव भरने में अधिक समय लगना.

फेफड़ों से जुड़ी समस्या, जैसे COPD या अस्थमा होना, जिसे कंट्रोल करना मुश्किल हो.

प्रिगनेंसी में समस्या जैसे जन्म के समय बच्चे का वजन कम होना, प्रीमिच्योर बर्थ, गर्भपात होना और कटे होंट (क्लेफ्ट लिप) की समस्या होना.

टेस्ट और स्मेल न आना.

स्पर्म काउंट कम होना, इससे व्यक्ति बांझ हो सकता है.

मैक्यूलर डिजेनेरेशन की वजह से आंखों की रोशनी खोना.

दांतों और मसूड़ों से जुड़ी बीमारी.

स्किन पर रिंकल्स आना.

स्मोकलेस तंबाकू के नुकसान

बहुत से लोग ऐसे हैं जो धूम्रपान छोड़कर स्मोकलेस तंबाकू का सेवन करने लगे हैं. लेकिन इसके भी कई तरह के नुकसान हैं. चलिए जानते हैं.

मुंह, जीभ, इसोफेगस (भोजन नली) और पैंक्रियाज का कैंसर

मसूड़ों से जुड़ी समस्या, दांतों में समस्या और कीड़ा लगना

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बढ़ा और एंजीना

सेकंडहैंड स्मोक के खतरे

अगर आप धूम्रपान नहीं करते हैं, लेकिन ऐसे लोगों के बीच रहते हैं तो भी आपको तंबाकू से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं. उनमें से कुछ का हम यहां जिक्र कर रहे हैं.

हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी अन्य बीमारियां

फेफड़ों का कैंसर

अचानक और गंभीर रिएक्शन. इसमें आंख, नाक, गले और सांसों से जुड़ी समस्या हो सकती है.

इनके अलावा छोटे बच्चे भी सेकेंडहैंड स्मोक के खतरे में रहते हैं. ऐसे बच्चों को अस्थमा हो सकता है. उनके मुंह, गले, साइनस, कान और फेफड़ों में इंफेक्शन हो सकता है. सेकेंडहैंड स्मोक की वजह से उनके फेफड़े खराब हो सकते हैं और सडन इंफेंट डेथ सिंड्रोम हो सकता है, जिसमें बच्चे की मौत हो सकती है.

कैसे छोड़ें तंबाकू का सेवन

तमाम तरह के नशे की तरह तंबाकू का सेवन छोड़ना भी आसान नहीं होता. लेकिन कहते हैं न... जहां चाह होती है, वहीं राह भी होती है... यहां हम आपको कुछ उपाय भी बता रहे हैं.

तंबाकू का सेवन छोड़ने के लिए अपने परिवार, दोस्तों और ऑफिस के साथियों की मदद लें.

अपने डॉक्टर से बात करें और निकोटीन रिप्लेसमेंस थेरेपी और धूम्रपान छुड़ाने वाली दवाओं के बारे में पूछें

धूम्रपान छुड़ाने वाले कार्यक्रमों का हिस्सा बनें. ऐसे कार्यक्रम अस्पतालों, हेल्थ डिपार्टमेंट, कम्यूनिटी सेंटर और वर्क साइट्स पर चलते रहते हैं.

पत्नी की शिकायत पर पुलिस कब कर सकती है गिरफ्तार?

ये 4 अधिकार हर पुरुष को होने चाहिए मालूम

हमारे समाज में एक आम धारणा है कि पत्नी की एक शिकायत पर पुलिस तुरंत पति को गिरफ्तार कर जेल भेज देगी। मगर कानून में अब ऐसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसलों और 'अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य' मामले के बाद, घरेलू हिंसा में पुलिस की मनमानी तौर पर किसी को गिरफ्तारी नहीं कर सकती है।

कानूनी प्रावधानों के तहत, पुलिस को किसी भी वैवाहिक विवाद या धारा 498A (दहेज प्रताड़ना) के मामले में गिरफ्तारी से पहले कुछ अनिवार्य प्रक्रियाओं का पालन करना होता है। यह जानना हर पुरुष के लिए जरूरी है कि कानून सिर्फ सजा देने के लिए नहीं, बल्कि निर्दोषों की सुरक्षा के लिए भी है। आज के समय में कई ऐसे मामले देखने को मिलते हैं जिसमें बहुत से लोग झूठी शिकायत कानूनी पचड़े में फंस जाते हैं। ऐसे में सभी पुरुषों को उनके कुछ अपने अधिकारों के बारे में जरूर जानना चाहिए।

गिरफ्तारी से पहले जांच का अधिकार

धारा 41ए का नोटिस - 7 साल से कम सजा वाले मामलों में पुलिस को पहले पति को पूछताछ के लिए 'नोटिस' देना होता है। ऐसे मामलों में सीधे गिरफ्तारी नहीं हो सकती।

कारण बताना अनिवार्य - अगर पुलिस आपको गिरफ्तार करती है, तो उसे लिखित में देना होगा कि गिरफ्तारी क्यों जरूरी है और इसके बिना जांच क्यों नहीं हो सकती।

झूठी शिकायत की जांच - पुलिस को पहले प्राथमिक जांच करनी होती है ताकि यह पता चले कि आरोप में कितनी सच्चाई है।

एंटीसिपेटरी बेल (अग्रिम जमानत) का अधिकार

अगर आपको लगता है कि पत्नी झूठी शिकायत दर्ज कराने वाली है, तो आप 'अग्रिम जमानत' के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद पुलिस आपको उस मामले में गिरफ्तार नहीं कर पाएगी।

कोर्ट जमानत देते समय कुछ शर्तें रख सकता है, जैसे पासपोर्ट जमा करना या जांच में सहयोग करना।

परिवार की सुरक्षा और लीगल एड

बिना किसी ठोस सबूत के पुलिस घर के बुजुर्गों या दूर के रिश्तेदारों को परेशान या गिरफ्तार नहीं कर सकती।

गिरफ्तारी के समय आपको अपने वकील से मिलने और कानूनी सलाह लेने का पूरा संवैधानिक अधिकार है।

अगर आपके पास वकील नहीं है, तो आप 'लीगल एड' के माध्यम से सरकारी वकील की मांग कर सकते हैं।

पत्नी की शिकायत के बाद क्या करें?

पत्नी के साथ हुए विवादों, मैसेज या कॉल रिकॉर्ड्स को संभाल कर रखें, ये कोर्ट में आपकी बेगुनाही साबित करने के काम आएंगे।

पुलिस के बुलाने पर हमेशा समय पर पहुंचें और सहयोग करें, इससे आपकी छवि एक कानून मानने वाले नागरिक की बनती है।

ध्यान रखें कि झूठी शिकायत होने पर आप कोर्ट के माध्यम से 'क्वाशिंग' (FIR रद्द कराना) की मांग भी कर सकते हैं।

एक दिन में कितना पानी पीना चाहिए? अपनी उम्र के हिसाब से जानिए

गर्मी का मौसम आते ही शरीर में पानी की जरूरत कई गुना बढ़ जाती है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण शरीर से पसीने के रूप में पानी तेजी से निकलता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अगर समय पर और सही मात्रा में पानी नहीं पिया जाए, तो इसका असर सीधे सेहत पर पड़ता है।

दरअसल, कई लोग अपनी उम्र और शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते, जिससे थकान, चक्कर, सिरदर्द और कमजोरी जैसी समस्याएं होने लगती हैं। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को इस मौसम में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

इसलिए जरूरी है कि आप अपनी उम्र, वजन और दिनभर की गतिविधियों के अनुसार पानी का सेवन करें। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किस उम्र के लोगों को कितना पानी पीना चाहिए और क्यों यह आपकी सेहत के लिए बेहद जरूरी है।

बच्चे (5–12 साल)

इस उम्र में बच्चों का शरीर तेजी से एक्टिव रहता है और वे ज्यादा खेलकूद करते हैं, जिससे उनके शरीर से पसीने के रूप में पानी जल्दी निकलता है। इसलिए बच्चों को रोजाना 1 से 1.5 लीटर पानी देना जरूरी होता है। अगर बच्चा बाहर खेलता है या गर्मी ज्यादा है, तो पानी की मात्रा और बढ़ानी चाहिए। ध्यान रखें कि बच्चों को जूस या कोल्ड ड्रिंक के बजाय सादा पानी या प्राकृतिक पेय जैसे नारियल पानी देना ज्यादा फायदेमंद होता है।

किशोर (13–18 साल)

किशोरावस्था में शरीर का विकास तेजी से होता है, इसलिए पानी की जरूरत भी बढ़ जाती है। इस उम्र में 1.5 से 2.5 लीटर पानी पीना जरूरी है। स्कूल, स्पोर्ट्स और फिजिकल एक्टिविटी के कारण शरीर में पानी की कमी जल्दी हो सकती है। अगर पानी की कमी हो जाए तो थकान, ध्यान में कमी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वयस्क (18–50 साल)

वयस्कों के लिए रोजाना 2.5 से 3.5 लीटर पानी पीना जरूरी माना जाता है। जो लोग धूप में काम करते हैं या ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करते हैं, उन्हें इससे भी ज्यादा पानी की जरूरत हो सकती है। पर्याप्त पानी पीने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है, पाचन तंत्र सही काम करता है और शरीर से टॉक्सिन बाहर निकलते हैं।

बुजुर्ग (50+ साल)

बढ़ती उम्र में प्यास लगने की क्षमता कम हो जाती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि शरीर को पानी की जरूरत कम हो जाती है। बुजुर्गों को रोजाना कम से कम 2 से 2.5 लीटर पानी पीना चाहिए। पानी की कमी से उन्हें चक्कर, कमजोरी, लो ब्लड प्रेशर और किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए उन्हें समय-समय पर पानी पीने की आदत डालनी चाहिए, भले ही प्यास न लगे।

कम पानी पीने के नुकसान

डिहाइड्रेशन
सिरदर्द और चक्कर
त्वचा का सूखना
किडनी पर असर
थकान और कमजोरी

रात में सही से नहीं आती है नींद तो सोने से पहले कर लें ये तीन काम

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी

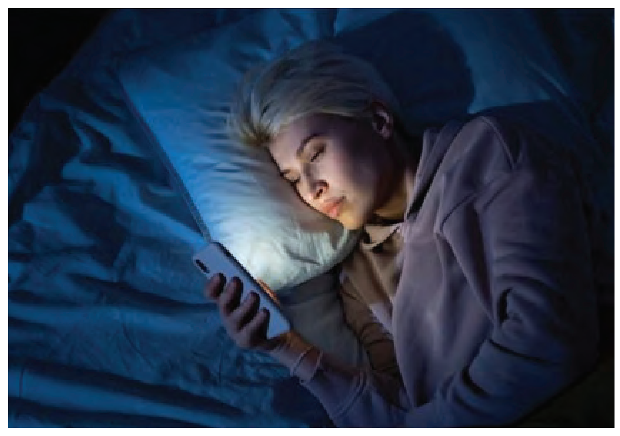

में अच्छी और गहरी नींद लेना कई लोगों के लिए चुनौती बन गया है। तनाव, अनियमित दिनचर्या, मोबाइल का अधिक उपयोग और गलत खान-पान जैसी आदतें नींद को प्रभावित करती हैं। नतीजतन, लोग रात भर करवटें बदलते रहते हैं और सुबह थकान व चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं।

पर, हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि अच्छी नींद न केवल शरीर को आराम देती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और दिनभर की ऊर्जा के लिए भी बेहद जरूरी होती है।

अगर आप भी रात में ठीक से सो नहीं पाते हैं, तो अपनी कुछ आदतों में बदलाव करके इस समस्या से राहत पा सकते हैं। इस लेख में हम आपको तीन ऐसे आसान और असरदार उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है और आप सुकून भरी नींद ले सकते हैं।

सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करें

आजकल ज्यादातर लोग सोने से ठीक पहले मोबाइल, टीवी या लैपटॉप का इस्तेमाल करते हैं, जो नींद के सबसे बड़े दुश्मन साबित हो सकते हैं। इन डिवाइसेज से निकलने वाली ब्लू लाइट शरीर में बनने वाले मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है, जो नींद लाने में अहम भूमिका निभाता है।

जब यह हार्मोन सही तरीके से नहीं बनता, तो नींद आने में देरी होती है। इसलिए कोशिश करें कि सोने से कम से कम 1 घंटा पहले सभी स्क्रीन से दूरी बना लें। इसके बजाय किताब पढ़ें या हल्का संगीत सुनें, जिससे दिमाग रिलैक्स हो सके।

हल्का और समय पर डिनर करें

रात का भोजन आपकी नींद की गुणवत्ता पर सीधा असर डालता है। अगर आप देर से या ज्यादा भारी खाना खाते हैं, तो पाचन तंत्र सक्रिय रहता है और शरीर को आराम नहीं मिल पाता। इससे नींद में रुकावट आती है और बार-बार

जागने की समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि सोने से 2–3 घंटे पहले हल्का और सुपाच्य भोजन करें, जैसे दलिया, खिचड़ी या सलाद। इससे पाचन आसान होगा और शरीर को आराम मिलेगा, जिससे नींद जल्दी और गहरी आएगी।

रिलैक्सेशन तकनीक अपनाएं

दिनभर के तनाव और भागदौड़ के कारण दिमाग शांत नहीं हो पाता, जो नींद में बाधा बनता है। ऐसे में सोने से पहले कुछ मिनट ध्यान, गहरी सांस या हल्का योग करना बेहद फायदेमंद होता है। ये तकनीकें तनाव को कम करती हैं और शरीर को रिलैक्स करती हैं।

खासकर कपालभाति, अनुलोम-विलोम या माइंडफुलनेस मेडिटेशन करने से मानसिक शांति मिलती है और नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

हमेशा ध्यान रखें कि अच्छी नींद पाने के लिए दवाइयों से ज्यादा जरूरी है सही लाइफस्टाइल अपनाना। छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके आप आसानी से गहरी और सुकून भरी नींद पा सकते हैं।

प्लास्टिक के कंटेनर में क्या खाना स्टोर करना खतरनाक है?

आजकल के मॉर्डन लाइफस्टाइल में फ्रिज में बचा हुआ खाना स्टोर करना आम बात हो गई है. ऑफिस गोइंग लोग तो जानकर एक्स्ट्रा खाना बना लेते हैं ताकि उन्हें अगले दिन सुविधा हो. लेकिन हमारा सबसे बड़ा सवाल यह है कि बचे हुए खाने को हम फ्रिज में स्टोर करते तो हैं. लेकिन क्या प्लास्टिक के बर्तन में खाना रखना ठीक है? कई लोग तो किचन के बर्तन ही फ्रिज में रख देते हैं. वहीं कुछ लोग ग्लास के बर्तन का यूज करते हैं. लेकिन आज हम बात कर रहे हैं वैसे लोगों के बारे में जो बचे हुए खाने को प्लास्टिक के बर्तन में स्टोर करते हैं. प्लास्टिक ऐसी चीज है जिसमें हम आराम से यूज करते हैं और सबसे अच्छी बात यह है कि टूटने-फुटने का कोई डर भी नहीं रहता है.

प्लास्टिक का कंटेनर फ्रिज में रखना सुरक्षित है?

फ्रिज में रखने के लिए हम ऐसे बर्तन का यूज करते हैं जो सुरक्षित हो यानि टूटने का डर न रहे. लेकिन क्या हेल्थ के हिसाब से प्लास्टिक सुरक्षित है. प्लास्टिक को लेकर अक्सर एक बात कही जाती है कि इसमें खाना पकाने, या गर्म करने, रेफ्रिजरेट करना या स्टोर करना अच्छा नहीं माना जाता है. आज के समय में प्लास्टिक माइक्रोवेव और ओवन के हिसाब से सेव माना जाता है लेकिन हेल्थ के हिसाब से सुरक्षित नहीं है. ऐसे में आप प्लास्टिक के बर्तन में खाना पैक करने के बजाय एलुमिनियम फॉइल का इस्तेमाल कर सकते हैं.

पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट

मार्केट में मिलने वाले पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट प्लास्टिक कंटेनर सबसे अच्छा माना जाता है. इस प्लास्टिक के बर्तन को पानी से साफ करके दोबार यूज किया जा सकता है. लेकिन इसे बार-बार धोने से इसमें पाए जाने वाले केमिकल खाना या पानी में मिल जाते हैं. ऐसे में बर्तन में किसी भी तरह की दिक्कत हो जाए तो उसे समय रहते ही फेंक दें और यूज न करें.

बायो प्लास्टिक का करें इस्तेमाल

अगर आपको बचा हुआ खाना स्टोर ही करना है तो बायो प्लास्टिक का इस्तेमाल करें. बायो प्लास्टिक का इस्तेमाल प्लास्टिक के कप, प्लेट बनाने के लिए यूज किया जाता है. इसे बनाने के लिए मकई, आलू, गन्ना का उपयोग किया जाता है.

बढ़ने लगी है गर्मी, अब इन चीजों के सेवन से हर किसी को बचना चाहिए

बढ़ते तापमान और तेज धूप का असर सीधे हमारे शरीर पर पड़ता है, जिससे डिहाइड्रेशन, थकान, हीट स्ट्रोक और पाचन से जुड़ी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसे में सिर्फ ठंडे पेय पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि यह भी जरूरी है कि आप अपनी डाइट में किन चीजों को शामिल कर रहे हैं और किनसे दूरी बना रहे हैं।

हम आपको इसकी जानकारी इसलिए दे रहे हैं क्योंकि कई बार हम अनजाने में ऐसी चीजें खा लेते हैं, जो शरीर में गर्मी बढ़ाकर परेशानी को और बढ़ा देती हैं। इसलिए सही खान-पान अपनाना गर्मी में स्वस्थ रहने का सबसे आसान तरीका है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मी के मौसम में किन चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए, ताकि आप खुद को फिट और हेल्दी रख सकें।

ज्यादा तला-भुना खाना

गर्मी के मौसम में तला-भुना भोजन शरीर के लिए भारी साबित हो सकता है।

ऐसे खाने में तेल और फैट की मात्रा ज्यादा होती है, जो पाचन प्रक्रिया को धीमा कर देती है।

इससे गैस, एसिडिटी और पेट में भारीपन की समस्या बढ़ सकती है।

ये शरीर में अतिरिक्त गर्मी पैदा करता है, जिससे थकान और सुस्ती महसूस होती है।

मसालेदार भोजन

अधिक मिर्च-मसाले वाला खाना शरीर के तापमान को बढ़ा देता है।

इससे पसीना ज्यादा आता है, जिससे शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है।

ज्यादा मसालेदार भोजन से पेट में जलन और एसिडिटी की समस्या भी बढ़ जाती है।

जंक फूड और पैकेज्ड फूड

चिप्स, बर्गर, नूडल्स और अन्य पैकेज्ड फूड में प्रिजर्वेटिव्स, नमक और अनहेल्दी फैट्स होते हैं।

ये शरीर को डिहाइड्रेट करते हैं और पोषण की कमी भी पैदा करते हैं।

नियमित रूप से इनका सेवन करने से थकान, सुस्ती और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

ज्यादा कैफीन

चाय, कॉफी और एनर्जी ड्रिंक में कैफीन होता है, जो शरीर में डिहाइड्रेशन को बढ़ा सकता है।

कैफीन एक डाइयूरेटिक की तरह काम करता है, जिससे बार-बार पेशाब आता है।

कोल्ड ड्रिंक और ज्यादा मीठे पेय

गर्मी में लोग ठंडक के लिए कोल्ड ड्रिंक या मीठे जूस पीते हैं, लेकिन इनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ये शरीर को हाइड्रेट करने के बजाय और ज्यादा प्यास बढ़ा सकते हैं। इससे वजन बढ़ना और ब्लड शुगर लेवल असंतुलित होना भी संभव है।

रेड मीट

रेड मीट पचाने में ज्यादा समय लेता है और इसे डाइजेस्ट करने के लिए शरीर को अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। इससे शरीर का तापमान बढ़ता है और गर्मी में असहजता महसूस हो सकती है।

बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया : नोरा फतेही

इन दिनों नोरा फतेही साऊथ की फिल्म 'केडी : द डेविल' के गाने 'सरके चुनर' को लेकर विवादों में घिरी है । इस गाने के बोल बेहद अश्लील हैं। जिस वजह से गीतकार, गायक और फिल्मकारों तक को महिला आयोग ने फटकार लगाई है। हालांकि, नोरा सफाई में कह चुकी है कि इस गीत के बोलों से वह अनजान थी और इसमें उसकी कोई गलती नहीं है ।

दूसरी ओर फैमिनिज्म यानी नारीवाद पर 2024 में किए गए उसके कमैंट पर भी काफी विवाद पैदा हुआ था। इस पर हाल ही में उसने अपनी बात रखी है। उसके अनुसार नारीवाद पर उसकी पिछली टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया था और उसकी बातों को तोड़-मरोड़ कर गलत तरीके से पेश किया गया।

नोरा ने कहा, मैंने एक पॉडकास्ट किया था, जिसमें हमने फैमिनिज्म पर बात की थी । इसके कुछ छोटे-छोटे क्लिप्स वायरल हो गए और उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया, जिससे लोग संदर्भ को समझ नहीं पाए।

मैं जिस बात का समर्थन करती हूं, वह यह है कि मैं किसी भी चीज की अधिकता या कट्टरता पूरी तरह से खिलाफ हूं।'

नोरा का कहना है कि उसके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया, जिससे विवाद हुआ।

पुरुष निभाएं अपनी जिम्मेदारी

अपने निजी अनुभवों के बारे में नोरा ने कहा, मैं जानती हूं कि माता-पिता दोनों की उपस्थिति कितनी महत्वपूर्ण है चाहे वह एक मां और एक पिता हों, या दो माताएं या दो पिता हों, जो भी हो लेकिन एक ऐसा एकल परिवार जहां माता-पिता दोनों की उपस्थिति हो, सुरक्षा हो, घर हो, प्यार, ध्यान और अनुशासन हो । मैं इन सभी का समर्थन करती हूं।'

उसने आगे कहा, मैं दो माता-पिता वाले घर में रहना पसंद करती, क्योंकि आखिरकार जब आप बड़े होते हैं तो वह अतिरिक्त इमोशनल बोझ और नुक्सान बड़े होने पर जीवन में भी सामने आ जाता है। मैं नहीं चाहती कि हम ऐसी दुनिया में रहें जहां लोग न्यूक्लियर परिवारों की परवाह न करें। मैं चाहती हूं कि हम संतुलन की वकालत करें, अपनी कमाई करें, अपने सपनों को पूरा करें, कड़ी मेहनत करें, एक मजबूत नींव बनाएं। लेकिन साथ ही एक ऐसा वातावरण बनाएं जहां पुरुष जवाबदेह हों, जहां पुरुषों को आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मुझे लगता है कि अभी हमारे पास ऐसा वातावरण नहीं है।

नोरा ने सवाल किया, क्या हमने ऐसा वातावरण बना लिया है कि हम इतने स्वतंत्र हैं कि हमें आपकी जरूरत नहीं है। हम स्वतंत्र, मजबूत होते हुए भी आपकी जरूरत क्यों नहीं महसूस कर सकते ? आप आगे बढ़कर जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा सकते और हम साझा क्यों नहीं कर सकते, संतुलन क्यों नहीं बना सकते ? पुरुषों को सहयोगी बनने की जरूरत है और अभी वे उतने सहयोगी नहीं हैं ।

बोल्डनैस की सीमा तय है : शिवांगी वर्मा'

शिवांगी वर्मा इन दिनों अपनी वैब सीरीज 'हसरतें सीजन 3 : मिडनाइट ब्राइड' को लेकर चर्चा में है। छोटे पर्दे से अपने करियर की पहचान बनाने वाली शिवांगी ने रियलिटी शो, फिक्शन और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी अलग छाप छोड़ी है।

ओ.टी.टी. पर बोल्ड सीन्स को लेकर उसका क्या नजरिया है? पूछने पर वह कहती है, ₹देखिए, ओ.टी. टी. पर इंटीमेसी एक हिस्सा है, लेकिन उसकी सीमा पहले से तय कर ली जाती है। मैं साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम करती हूं - तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में - तो कुछ सीमाएं तय रहती हैं । ' ₹मैं हमेशा मेकर्स के साथ बैठकर साफ कर देती हूं कि मैं क्या कर सकती हूं और क्या नहीं। अगर सब लोग सहज हैं, तभी मैं प्रोजैक्ट लॉक करती हूं।

अपने करियर में सोशल मीडिया की भूमिका और ट्रोलिंग व नैगेटिविटी को संभालने पर उसने कहा, ₹सोशल मीडिया मेरे लिए सिर्फ प्लेटफॉर्म नहीं है, वह मेरी पहचान है । कोविड के समय मेरी मां ने मुझे कहा कि वीडियो बनाओ, और वहीं से शुरुआत हुई। मुझे कई प्रोजैक्ट्स सोशल मीडिया की वजह से मिले। हां, ट्रोलिंग भी हुई, नैगेटिविटी भी आई, लेकिन मैंने । सीखा है कि अगर लोग आज आपको प्यार करते हैं तो कल आलोचना भी करेंगे, और फिर दोबारा प्यार करेंगे।

क्या सारा अर्जुन को मिली साउथ की फिल्म?

इस मशहूर अभिनेता के साथ आ सकती हैं नजर

सारा अर्जुन आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर 2' में अपनी अदाकारी की वजह से चर्चा में हैं। वह इस समय सबसे ज्यादा मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। इस बीच, एक रिपोर्ट सामने आई है कि यह स्टार, नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता धनुष के साथ एक अपकमिंग फिल्म में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म के निर्देशक तमिलरासन पचामुथु होंगे।

सारा अर्जुन को मिल सकता है मौका

धनुष के पास निर्देशक तमिलरासन पचामुथु के साथ एक प्रोजेक्ट है। इस फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर रुक्मिणी वसंत को चुना गया था। मगर अब ऐसा लगता है कि अब वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वह एनटीआर और प्रशांत नील की फिल्म में बिजी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर सारा अर्जुन के नाम पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शुरू हुई 'फोर्स 3' की शूटिंग, मेकर्स ने वीडियो साझा कर दी जानकारी; दिखी जॉन अब्राहम और हर्षवर्धन राणे की झलक

धनुष का वर्कफ्रंट

जनवरी में, अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म की आधिकारिक घोषणा की थी, जिसका अस्थायी नाम 'D55' रखा गया है। इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

इसके अलावा, धनुष के पास 'कारा' नाम का एक और प्रोजेक्ट भी है, जिसका प्रचार वह इन दिनों जोर-शोर से कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ ममिता बैजू नजर आएंगी। इसमें निर्देशक केएस रविकुमार, जयराम, सूरज वेंजारामूडु, करुणास और पृथ्वी पंडिराज अहम भूमिकाओं में हैं।

सारा अर्जुन का काम

इस समय सारा अर्जुन अपनी फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। 27 दिनों में इसने 1095.67 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इस फिल्म के पहले पार्ट 'धुरंधर' ने भी अच्छी कमाई की थी। इसमें भी सारा अर्जुन थीं।

'दहाड़' के बाद विजय वर्मा ने क्यों ठुकराईं सीरियल किलर की भूमिकाएं? निगेटिव किरदारों को लेकर कही ये बात

विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मटका किंग' के प्रमोशन में जुटे हैं। इसी दौरान विजय वर्मा ने बताया कि सस्पेंस-क्राइम सीरीज 'दहाड़' में सीरियल किलर की निगेटिव भूमिका निभाने के बाद, उन्हें कई इसी तरह के रोल ऑफर होने लगे थे। हालांकि, एक्टर ने इस तरह के किरदारों को इनकार कर दिया। अब उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने 'दहाड़' के सफल होने और अपने किरदार के लिए तारीफ मिलने के बावजूद इस तरह के किरदारों से दूरी बना ली?

दोहराव से बचने के लिए ठुकराईं सीरियल किलर की भूमिकाएं

एक समाचार पत्र के साथ बातचीत के दौरान विजय वर्मा ने अपने किरदारों के चयन को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि 'दहाड़' के बाद मुझे कई सीरियल किलर की भूमिकाएं मिलीं, जिन्हें मैंने ठुकरा दिया। क्योंकि मैंने एक ऐसी भूमिका निभाई थी और मुझे लगा कि मैं उसमें अच्छा था। इसलिए मैं उसे दोहराना नहीं चाहता था। यह फैसला एक ही जैसे किरदारों से बचने और अलग-अलग तरह के किरदारों को तलाशने की उम्मीद से लिया था। भले ही इसके लिए मुझे उन किरदारों से दूरी बनानी पड़े, जिन्होंने मुझे सफलता और तारीफ दिलाई थी।

अलग-अलग तरह के किरदार निभाए

किरदारों को लेकर विजय वर्मा ने आगे कहा कि मुझे ऐसा लगा कि मैं कुछ समय के लिए बहुत ही गंभीर किरदारों से दूर रहना चाहता था। इसलिए मैंने 'जाने जान', 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' और अन्य प्रोजेक्ट किए। लेकिन हां, मैंने उनमें इतना भी मन नहीं लगाया कि यह जान सकूं कि वे इतने गंभीर हैं कि उन्हें ठुकरा दिया जाए। मैंने बस 'सीरियल किलर' सुना और कहा कि मैं यह नहीं करना चाहता। मैं पहले ही ऐसा किरदार निभा चुका हूं।

ग्रे शेड के प्रति दर्शकों का रहता है झुकाव

बातचीत के दौरान दर्शकों के निगेटिव और ग्रे शेड किरदारों के प्रति ज्यादा अट्रैक्ट होने पर विजय वर्मा ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आज की बात नहीं, यह हमेशा से ऐसा ही रहा है। देवदास को देखिए वह एक बेहद दोषपूर्ण किरदार है। दीवार को देखिए वह एक बेहद ग्रे शेड कैरेक्टर है, हीरो नहीं।

साहित्य ऐसे किरदारों से भरा पड़ा है जिनमें खामियां हैं। नाटक के आइडिया की उपज ही मानवीय खामियों से हुई है। वर्ना नाटक कहां है? विलियम शेक्सपियर से लेकर महाभारत तक, यही हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहा है। इंसान की खामियों से ही हम जुड़ते हैं, यही वह प्रकाश है जो उस दरार से अंदर घुसती है।

'मटका किंग' - फोटो : वीडियो ग्रैब

17 अप्रैल को रिलीज होगी 'मटका किंग'

वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय वर्मा की 'मटका किंग' 17 अप्रैल से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। यह सीरीज एक कपास व्यापारी के गैम्बलिंग का किंग बनने की कहानी है। इससे पहले विजय वर्मा आखिरी बार 'गुस्ताख इश्क' में नजर आए थे। इस फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाल नहीं दिखा पाई थी।

कृष्णा अभिषेक के मामी सुनीता आहूजा से दूर हुए गिले-शिकवे गोविंदा की पत्नी बोलीं- '14 साल का वनवास खत्म हुआ'

रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक, उनकी पत्नी और एक्ट्रेस कश्मीरा शाह, गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के साथ नजर आईं। तीनों ने हंसते-मुस्कुराते हुए पैपराजी को साथ में पोज दिए। साथ ही अपने बेहतर हो चुके रिश्ते को लेकर भी सिचुएशन साफ की।

सुनीता ने क्यों कहा 14 साल का वनवास खत्म हुआ?

वायरल वीडियो में सुनीता आहूजा, कृष्णा और कश्मीरा शाह पैपराजी के सामने खूब मस्ती-मजाक करते हैं। इस बीच सुनीता कहती हैं, '14 साल का वनवास खत्म हुआ।'

इस पर कृष्णा और कश्मीरा मुस्कुराते हैं। बता दें कि बीते कुछ वर्षों में कश्मीरा और

सुनीता आहूजा के बीच मनमुटाव की खबरें आती रहीं। साथ ही कुछ इंटरव्यू में भी कृष्णा अभिषेक ने अपनी मामी सुनीता आहूजा को लेकर नाराजगी जाहिर की। इन बातों से फैंस को अंदाजा हो गया कि इनके सबके रिश्ते में दरार पड़ चुकी है।

कश्मीरा ने भी बातों-बातों में किया बड़ा इशारा

सुनीता आहूजा, कृष्णा अभिषेक के वायरल वीडियो में एक जगह पर कश्मीरा शाह कहती हैं, 'अब किसी और का होगा वनवास।' इसके बाद सुनीता जोर-जोर से हंसती हैं। कश्मीरा शाह का इशारा किस ओर था यह जानने के लिए हमने उनसे संपर्क करने की कोशिश की पर वो शूटिंग में व्यस्त थीं।

इसी बात पर फैंस भी रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'कश्मीरा सही है।' वहीं एक यूजर की इस बात पर हंसी छूट गई। दरअसल, काफी समय से सुनीता आहूजा पति गोविंदा के बारे में काफी कुछ कह रही हैं, उनके अफेयर को लेकर भी खुलासा कर चुकी हैं।

बीच-बीच में इनके अलगाव की अफवाहें भी उड़ती हैं। लेकिन सुनीता और गोविंदा ने बातों से इंकार करते हैं। तो क्या कश्मीरा शाह का इशारा गोविंदा की तरफ था। यह बात अभी तक स्पष्ट नहीं है।

'सैयारा' फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी, मोहित सूरी की अगली फिल्म में अहान के साथ कौन होगी हीरोइन?

फिल्म 'सैयारा' ने पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर जमकर कलेक्शन किया था। अब इस फिल्म के डायरेक्टर मोहित सूरी और एक्टर अहान पांडे अगली फिल्म साथ कर रहे हैं। अब इस फिल्म की हीरोइन का नाम भी सामने आ चुका है। जानिए, कौन होगी मोहित सूरी की अगली फिल्म की हीरोइन?

अहान पांडे के साथ रोमांस करेंगी ये हीरोइन?

यश राज फिल्म्स ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया है कि मोहित सूरी की फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा, 'मोहित के साथ काम करने का मतलब सिर्फ एक फिल्म बनाना ही नहीं होता है बल्कि यह एक अहसास है। फिल्म 'सैयारा' भी ऐसा ही प्रोजेक्ट

था, जिसे हम हमेशा-हमेशा के लिए संजोकर रखेंगे। अब हम एक बार फिर साथ आए हैं। हमें इस बात की बेहद खुशी है कि अहान और अनीत हमारी इस फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं।'

मोहित सूरी ने फिल्म को लेकर क्या कहा?

अगली फिल्म की थीम के बारे में डायरेक्टर मोहित सूरी कहते हैं, 'मेरे लिए हमेशा से लव स्टोरीज ही सबसे खास रही हैं। ऐसी कहानियां जो फीलिंग्स से भरी हों। प्यार को हमेशा पूरी शिद्दत से महसूस किया जाना चाहिए। शायद यही वजह है कि एक कहानीकार के तौर पर मेरा झुकाव इसी तरह की कहानियों की तरफ होता है। यह फिल्म इसी भावना को पूरी बेबाकी के साथ दिखाएगी।'

अहान पांडे और अनीत पड्डा के पास और भी प्रोजेक्ट्स हैं

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'सैयारा' के बाद अहान पांडे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अहान पांडे के साथ शरवरी वाघ, ऐश्वर्य ठाकरे, बॉबी देओल और जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। वहीं अनीत पड्डा भी एक फिल्म 'शक्ति शालिनी' कर रही हैं।

पावर प्लांट हादसा- अब तक 19 की मौत

36 लोग झुलसे, वेदांता मृतकों के परिजन को 35-35 लाख मुआवजा और नौकरी देगी

सक्ती, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 19 मौतें हो चुकी हैं। 4 की मौके पर ही जान गई, जबकि 13 की मौत रायगढ़ के अलग-अलग अस्पतालों में हुई। 2 की मौत रायपुर के कालड़ा अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया था। मृतकों में 4 छत्तीसगढ़ से हैं, जबकि बाकी 15 यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से हैं।

हादसे में कुल 36 लोग झुलसे हैं, 18 घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजन ने हंगामा किया। उन्होंने प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। कुछ मजदूर लापता हैं। परिजन का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा है। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

वेदांता प्रबंधन ने मृतक परिजन को 35-35 लाख रुपए सहायता राशि और नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 15-15 लाख रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले पीएमओ ने मुआवजे की घोषणा की थी। पीएमएनआरएफ से हर मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मृतकों के परिवार वालों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया।

रायगढ़ के बालाजी मेट्रो हॉस्पिटल रायगढ़ में बनवारी लाल, उपेंद्र और परदेशी लाल चंद्रा का इलाज जारी है। वहीं 2 मजदूरों उमेंद्र और किस्मत अली का रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

प्लांट सिक्योरिटी हेड प्रेम झा का कहना है कि हादसे में कुल 36 लोग घायल हुए हैं, जिसमें से 12 लोग छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। बाकी लोग बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के हैं। रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में बुधवार को 7 शवों का पोर्स्टमार्टम किया गया। वहीं 5 मृतकों के परिजनों के नहीं आ पाने के कारण उनका पोस्टमॉर्टम गुरुवार को किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ और घायलों को 50-50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है। बैज ने कहा कि इस घटना में 17 मजदूरों की मौत और 36 लोगों के घायल होने की खबर बेहद पीड़ादायक है।

काशी में डॉक्टर के लैपटॉप से मिला आतंकी कनेक्शन

बेटा करता था चैटिंग, एटीएस ने 7 घंटे खंगाले मोबाइल-बैंक अकाउंट

वाराणसी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी में आतंकियों को फंडिंग करने वाले डॉक्टर के घर पर यूपी-मुंबई एटीएस और इंटेलिजेंस ब्यूरो ने छापेमारी की। टीम मंगलवार दोपहर डॉक्टर के घर पहुंची। उसके मोबाइल-लैपटॉप और प्रिंटर को कब्जे में लिया। इसके बाद डॉक्टर के घरवालों और बेटे से पूछताछ की। टीम करीब 7 घंटे तक डॉक्टर के घर में रही। जाते समय टीम मोबाइल, लैपटॉप और प्रिंटर भी साथ ले गई है। वहीं, डॉक्टर के बैंक अकाउंट की डिटेल में लाखों रुपए के टर्नओवर का पता चला है। साथ ही डॉक्टर का पाकिस्तानी लोगों और कश्मीर के संगठनों से कनेक्शन भी मिला है। वह कई संदिग्धों के टच में है। उन लोगों के नंबर डॉक्टर के फोन में सेव मिले हैं। रेड के दौरान डॉक्टर के घर के बाहर पुलिस फोर्स तैनात रही। इस कार्रवाई के पीछे लखनऊ में पकड़े 4 आतंकियों से मिला इनपुट बताया जा रहा है।

'कठमुल्ला' कहने वाले जज बोले- मेरी गलती नहीं थी

इलाहाबाद हाईकोर्ट से रिटायरमेंट पर भावुक हुए, विश्व हिंदू परिषद ने बहुत मदद की

प्रयागराज, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव बुधवार को रिटायर हो गए। विदाई समारोह (फुल कोर्ट रेफरेंस) चीफ जस्टिस (मुख्य न्यायाधीश) की कोर्ट में शाम 4 बजे रखा गया था। इसमें हाईकोर्ट के सभी जजों के अलावा बार एसोसिएशन के अधिवक्ता और हाईकोर्ट रजिस्ट्री के अफसर शामिल हुए।

जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पिछले करीब एक साल से राज्यसभा में लटका पड़ा है। उनके रिटायरमेंट के साथ ही महाभियोग प्रस्ताव खत्म हो जाएगा। रिटायरमेंट के दौरान जस्टिस शेखर यादव ने भावुक होते हुए कहा-

मेरी कोई गलती नहीं थी। उसमें मुझे आपका साथ मिला। न मिलता, तो मैं टूट चुका होता। दोष बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वालों का था।

जस्टिस शेखर कुमार यादव ने 8 दिसंबर, 2024 को प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के लीगल सेल के एक कार्यक्रम में 'कठमुल्ला' शब्द का इस्तेमाल

जस्टिस शेखर कुमार यादव

किया था। कहा था- मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं कि यह हिंदुस्तान है। यह देश यहां रहने वाले बहुसंख्यकों की इच्छा से चलेगा। यह जो कठमुल्ला है, यह सही शब्द नहीं है। मुझे कहने में परहेज नहीं, क्योंकि वह देश के लिए बुरा है। घातक है, देश के खिलाफ है।

जस्टिस शेखर के इस बयान की काफी आलोचना हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस शेखर से सफाई भी मांगी थी।

उनसे कहा गया था कि आप खेद प्रकट कर दीजिए। लेकिन, जस्टिस शेखर ने ऐसा करने से मना कर दिया था। कहा था कि उन्होंने ऐसा कुछ भी गलत नहीं बोला है।

जस्टिस शेखर यादव ने कहा- हाईकोर्ट का जज बनना कोई कठिन काम नहीं है। यहां आने पर आप किसी भी जगह से हों, अगर दृढ़ संकल्प और बुजुर्गों के प्रति सम्मान हो तो कोई आपको सफल होने से रोक नहीं सकता।

मैंने हमेशा अपने सीनियर्स से जो सीखा, उसे देने की कोशिश की। मुझे ऐसा प्यार कहीं नहीं मिला, जैसा प्यार आप सब (वकीलों और न्यायाधीशों) से मिला। इसके लिए मैं जीवन भर ऋणी रहूंगा।

शेखर यादव ने कहा- मैं साइकिल से अपनी ससुराल बड़े गर्व से जाता था कि मैं अब हाईकोर्ट में एडवोकेट हूं। कभी नहीं सोचा था कि जज बनूंगा। अगर ईमानदारी और सम्मान हो, तो आपको कोई ऊंचाई छूने से नहीं रोक सकता।

जज बनने के 3 महीने बाद पत्नी का हो गया था निधन

जस्टिस यादव ने कहा- मेरी पत्नी का देहांत जज बनने के करीब 3 महीने बाद हो गया था। उस दुखद घड़ी में आप लोगों ने मेरा साथ दिया। उन्होंने एक अन्य कठिन दौर का भी जिक्र किया। जहां विहिप की भी तारीफ की।

भावुक स्वर में कहा- एक और दौर आया, उसमें मेरी कोई गलती नहीं थी। उसमें मुझे आपका साथ मिला। न मिलता तो मैं टूट चुका होता। मेरा कोई दोष नहीं था। बयान को तोड़-मरोड़ के पेश करने वालों का दोष था।

जस्टिस शेखर यादव ने कहा- जीवन में परेशानियां आती हैं, लेकिन उनका सामना करके आगे बढ़ने की प्रवृत्ति होनी चाहिए।

यहां हर जाति के वकील हैं। कोई वाकई ऐसा नहीं कह सकता कि मैं कोई भेदभाव किया हो। न्याय करने में छोटे-बड़े वकील में किसी जाति के वकील में कभी कोई फर्क नहीं किया हो।

भाजपा का वादा-बंगाल में महिलाओं को हर महीने 3,000 देंगे

स्मृति ईरानी ने मातृशक्ति भरोसा कार्ड लॉन्च किया, 23 अप्रैल को पहले फेज की वोटिंग

कोलकाता, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में मातृशक्ति भरोसा कार्ड लॉन्च किया। सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर महीने 3,000 देने का वादा किया गया है। कार्यक्रम में सुवेंदु अधिकारी और स्मृति ईरानी मौजूद रहीं। बंगाल में दो फेज में वोटिंग होगी। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा।

एक दिन पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में डर का माहौल है। हत्या, दुष्कर्म और दंगे चरम पर पहुंच चुके हैं। राज्य में लोग काफी परेशान हैं।

राज्य में युवा रोजगार को लेकर चिंतित हैं। सरकारी कर्मचारियों को अपने हक के लिए अदालत जाना पड़ रहा है। वहीं ममता बनर्जी ने पिंगला में चुनावी रैली में कहा कि बीजेपी बंगाल पर कब्जा करने के लिए हद पार कर रही है। इतना गंदा खेल पहले कभी नहीं देखा। लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। केंद्र सरकार ने बंगाल का पैसा रोक दिया है। उन्होंने EVM को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मशीनों की सख्ती से जांच की जाएगी।

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद 6 बांग्लादेशी गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग की जवाबी कार्रवाई में दबोचे गए

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के सरिता विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और उन्हें दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई में कोई घायल नहीं हुआ है। आरोपियों के पास से दो देसी पिस्टल और एक 12 बोर की बंदूक बरामद की गई है, जिनसे तीन राउंड फायर किए गए थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

यह जांच की जा रही है कि वे दिल्ली में कब से रह रहे थे और क्या उनका किसी आपराधिक गिरोह से संबंध है।

दिल्ली हाईकोर्ट का ऐतिहासिक आदेश : एक तिहाई सजा काट चुके कैदियों को तुरंत रिहा किया जाए

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने विचाराधीन कैदियों के अधिकारों को लेकर एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की पीठ ने निर्देश दिया है कि जिन कैदियों ने अपने अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम संभावित सजा का एक-तिहाई या आधा हिस्सा जेल में बिता लिया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी को जमानत देते हुए यह आदेश दिया। पीठ ने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि आरोपी अधिकतम 7 साल की सजा वाले मामले में पहले ही एक-तिहाई से अधिक समय जेल में काट चुका है, जबकि उसका ट्रायल (मुकदमा) अभी शुरू भी नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद पहली बार अपराध करने वाले कई आरोपी लंबे समय से जेलों में बंद हैं, जो कि न्याय प्रणाली की विफलता को दर्शाता है। सुनवाई के दौरान इस मामले में आरोपी पर खुद की गलत पहचान बताकर शिकायतकर्ता और उसकी बेटी से धोखाधड़ी करने का आरोप था।

अभियोजन पक्ष ने वॉट्सएप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग एवं बैंक दस्तावेजों के आधार पर आरोपों को साबित करने की कोशिश की। हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा दाखिल स्टेटस रिपोर्ट को भ्रामक करार दिया।

14 साल के लड़के से इंस्टाग्राम पर महिला ने दोस्ती की

मिलने बुलाकर किया किडनैप, मांगी एक करोड़ की फिरौती

दुर्ग, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। हनीट्रैप के जरिए 14 साल के लड़के का अपहरण कर लिया है। इसके बाद फिरौती की मांग की जाने लगी। इस अपहरणकांड में एक महिला की भूमिका अहम है। उसने सोशल मीडिया के जरिए पहले लड़के से दोस्ती की थी। मामला सामने आने के बाद दुर्ग पुलिस ने इस केस में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दरअसल, एक महिला ने 14 वर्षीय नाबालिग लड़के से पहले दोस्ती की। यह दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। इसके बाद महिला ने उसे मिलने के लिए तिरंगा चौक पर बुलाया। यहां से अज्ञात व्यक्तियों ने नाबालिग का अपहरण कर लिया। 12 अप्रैल को पीड़ित परिवार के लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। आरोपियों ने परिवार को कॉल कर एक करोड़ रुपए की फिरौती की मांग की थी। दुर्ग के अमलेश्वर थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी। साथ ही साइबर सेल ने लोकेशन की पड़ताल शुरू की। इस दौरान धमतरी क्षेत्र में आरोपियों के छुपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद दुर्ग पुलिस की टीम ने धमतरी में दबिश दी। वहां घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया है। साथ ही नाबालिग को भी बरामद किया है।

वहीं, मामले में मुख्य आरोपी संजय साहू है। वह पीड़ित परिवार को जानता है। साथ ही पीड़ित लड़का रिश्ते में भांजा लगता है। महिला हेम पुष्पा की मदद से हनीट्रैप का जाल बिछाया था। महिला के झांसे में लड़के के फंसने के बाद उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसका अपहरण कर लिया। आरोपी का मकसद था कि अपहरण के बाद परिवार से फिरौती की मांग की जाए। इसके लिए कॉल भी किया था लेकिन पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार कर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में शैललेंद्र लहरे, कृष्णा साहू, रविंद्र लहरे, संजय साहू और हेम पुष्पा साहू शामिल है।

ट्रम्प बोले-मेलोनी जंग में साथ नहीं, शांति की बात बेकार

ईरान को परमाणु हथियार मिले तो 2 मिनट में इटली को उड़ा देगा

तेहरान/वॉशिंगटन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी डोनाल्ड ट्रम्प ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि मेलोनी ने ईरान के खिलाफ जंग में अमेरिका का साथ नहीं दिया और हिम्मत नहीं दिखाई। ऐसे में शांति की बात करना बेकार है।

इटालियन अखबार को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, "मैं हैरान हूं। मैंने सोचा था उनमें हिम्मत है, लेकिन मैं गलत था।" उन्होंने आरोप लगाया कि मेलोनी का रुख ईरान के मुद्दे पर कमजोर रहा है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर ईरान को परमाणु हथियार मिल जाता है, तो वह इटली को 2 मिनट में तबाह कर सकता है। उनके मुताबिक, इस खतरे को समझे बिना शांति की बात करना सही नहीं है। ट्रम्प ने अमेरिका-इटली संबंधों पर भी चिंता जताई। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते अब पहले जैसे नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो देश ईरान मामले में अमेरिका का साथ नहीं देते, उनके साथ संबंध कमजोर पड़ते हैं। इस बीच अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया।

यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था।

चलती ट्रेन में फायरिंग, 2 कर्मचारियों से 7 लाख लूटे

रामपुर में रफ्तार धीमी पड़ते ही कूदकर भागे, पीड़ित दिल्ली जा रहे थे

रामपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के रामपुर में बुधवार सुबह 10 बजे चलती संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन में दो बदमाशों ने तमंचा और पिस्टल दिखकर दो कर्मचारियों से 7 लाख रुपए लूट लिए। पीड़ित उत्तराखंड के रहने वाले हैं। वे कारोबारी की दुकान के लिए ऑटोमोबाइल का सामान खरीदने दिल्ली जा रहे थे।

आरोप है कि बदमाश पहले से ही ट्रेन में सवार थे। ट्रेन जैसे ही बिलासपुर के नजदीक धीमी हुई, बदमाशों ने दोनों कर्मचारियों को घेर लिया। उन्होंने दोनों कर्मचारियों को गन प्वाइंट पर लिया और उनसे लगभग 7 लाख रुपए लूट लिए।

आरोप है कि भागते समय बदमाशों ने हवाई फायरिंग भी की, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। इसके बाद बदमाश चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। यह घटना बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र में हुई।

घटना की सूचना मिलते ही रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पर व्यापारियों की भीड़ जमा हो गई। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने पीड़ितों से मुलाकात की।

व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में व्यापारियों ने आरपीएफ से मिलकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बदमाशों की तलाश में आसपास के क्षेत्रों में लगातार दबिश दी जा रही है।

खरीदी केंद्र से 2.54 करोड़ का धान गायब

मुंगेली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के धान उपार्जन केंद्र में 2.54 करोड़ से ज्यादा का गायब मिला है। इस मामले में खरीदी प्रभारी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कलेक्टर ने आरोपी को पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। मामला मुंगेली थाना क्षेत्र के हथनीकला का है।

जानकारी के अनुसार प्रशासनिक टीम ने जब धान उपार्जन केंद्र हथनीकला का निरीक्षण किया, तो रिकॉर्ड में दर्ज 8,216 क्विंटल धान मौके पर नहीं मिला। इसे गंभीर अनियमितता मानते हुए टीम ने अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की गई।

दरअसल, खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले की 66 समितियों के 105 उपार्जन केंद्रों में लगभग 53 लाख क्विंटल धान की खरीदी हुई। इनमें 90 केंद्रों से 52.82 लाख क्विंटल से ज्यादा धान का शत-प्रतिशत उठाव पूरा हो चुका है। बाकी केंद्रों में उठाव प्रक्रिया जारी है।

इस बीच राजस्व, खाद्य, सहकारिता विभाग, नोडल सीसीबी की संयुक्त टीम हथनीकला केंद्र पहुंची। जांच के दौरान 8 हजार 216 क्विंटल धान गायब पाया गया। इसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 54 लाख 70 हजार से ज्यादा आंकी गई है। जांच में यह भी सामने आया कि 8,216 क्विंटल धान रिकॉर्ड में दर्ज है, लेकिन मौके पर नहीं है। इसके अलावा खरीदी प्रभारी विक्रम सिंह राजपूत 29 मार्च से बिना सूचना अनुपस्थित पाया गया। इसके बाद टीम ने रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी। इस मामले में कलेक्टर कुंदन कुमार ने खरीदी प्रभारी विक्रम सिंह राजपूत के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए।

हेमंत सोरेन कैबिनेट का बड़ा फैसला

53 प्रस्तावों को मिली है मंजूरी, डीए में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

रांची, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। नए वित्तीय वर्ष में झारखंड के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी खुशखबरी मिली है। राज्य सरकार ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति दी गई।

महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के बाद विभागीय सचिव वंदना दादेल ने बताया कि आज की बैठक में कुल 53 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशन भोगियों के महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके तहत इन सभी को 252 की जगह 257

प्रतिशत महंगाई भत्ता देय होगा। वहीं पांचवां वेतनमान के तहत वेतन और पेंशन लेने वालों के भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की गई है।

झारखंड कैबिनेट के एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में झारखंड में अनधिकृत तरीके से बनाए गए भवनों को नियमित करने के लिए नगर विकास विभाग के नियमितीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके साथ रांची सहित राज्य भर में 10 मीटर ऊंचाई के आवास यानी जी प्लस टू भवन को रेगुलराइज किया जाएगा। इसमें अधिकतम 300 स्क्वायर मीटर एरिया होगा। नियमितीकरण के लिए न्यूनतम फीस आवासीय भवनों के लिए 10000 रुपये और गैर आवासीय भवनों के लिए 20000 रुपये रखा गया है।

उन्होंने बताया कि झारखंड के स्कूलों- कॉलेजों में विज्ञान और तकनीक क्विज का आयोजन किया जाएगा। 8वीं कक्षा से लेकर पॉलिटेक्निक के छात्र इसमें हिस्सा ले सकेंगे। क्विज में रोबोटिक्स और एआई से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगें। वहीं सर ज्ञानचंद्र घोष के नाम पर राज्य में गणित दिवस मनाया जाएगा । झारखंड में रोबोटिक्स फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। एससी-एसटी कानून के तहत रांची-धनबाद और पलामू में अलग से कोर्ट की व्यवस्था होगी।

सड़क दुर्घटना में दो शिक्षकों की मौत

जनगणना कार्य से लौटते समय हुआ हादसा, कार की टक्कर से हुई दुर्घटना

गुमला, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। गुमला जिले के कामडारा-बेड़ो मुख्य पथ पर बुधवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में दो शिक्षकों की मौत हो गई। यह हादसा कोटबो मोड़ के पास हुआ। दोनों शिक्षक जनगणना कार्य के लिए कामडारा प्रखंड मुख्यालय जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी।

मृतकों की पहचान राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सेमरटोली के सरकारी शिक्षक धनेश्वर गोप और पारा शिक्षक बहुरन सिंह के रूप में हुई है। वे एक ही बाइक पर सवार थे। दोपहर करीब एक बजे कोटबो मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रही एक लाल रंग की कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

रेप पीड़िता से इंस्पेक्टर बोला- अकेले में मिलो बाबू

बलिया में ऑडियो रिकॉर्डिंग आई सामने, डीआईजी ने इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी को सस्पेंड किया

बलिया, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। बलिया में एक रेप केस में चार्जशीट लगाने के लिए पीड़िता युवती को 'अकेले में मिलने' का ऑफर देने वाले क्राइम इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी उभांव को सस्पेंड कर दिया गया है। रेप पीड़िता ने क्राइम इंस्पेक्टर को चार्जशीट के बारे में पूछने के लिए फोन किया था।

इंस्पेक्टर ने कहा- सबकुछ मेरे हाथ में है, एक बार मिल लो तो 2 सेकेंड में चार्जशीट ओके करके भेज दूंगा। 2, 4 या 10 जितने लगेंगे मैं दूंगा, बस बताओ, कब और कहां मिलना है? पीड़िता ने 9 मिनट 40 सेकेंड की ऑडियो रिकॉर्डिंग डीआईजी आजमगढ़ को सौंपकर पूरी आपबीती सुनाई। डीआईजी ने एक्शन लेते हुए आरोपी क्राइम इंस्पेक्टर नरेश मलिक और उभांव थाने के प्रभारी संजय शुक्ला को सस्पेंड कर दिया है। दरअसल, 3 फरवरी 2026 को उभांव थाने में पीड़िता ने वन दरोगा उग्रसेन जायसवाल पर यौनशोषण का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। 21 फरवरी को पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई और 24 फरवरी को आरोपी वन दरोगा को अरेस्ट कर लिया गया था।

तेल कंपनियों का घाटा बढ़ा, पेट्रोल पर 18 डीजल पर 35 रुपये/लीटर का नुकसान

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव के बाद सरकार कर सकती है पेट्रोल-डीजल कीमतों की समीक्षा कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ गया है। तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर करीब 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। मार्च में हुए भारी घाटे ने जनवरी और फरवरी के मुनाफे को लगभग खत्म कर दिया है, जिसके चलते जनवरी-मार्च तिमाही में इन कंपनियों के नुकसान में जाने की आशंका जताई जा रही है। वित्तीय सेवा कंपनी मैक्वेरी की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत 135-165 डॉलर प्रति बैरल रहती है तो यह घाटा और बढ़ने की आशंका है।

रेलवे के पूर्व अधिकारी अनंत स्वरूप बने फिक्की के सेक्रेटरी जनरल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेल कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) में 1992 बैच के पूर्व अधिकारी अनंत स्वरूप उद्योग संगठन फिक्की के महासचिव बने हैं। उनकी नियुक्ति 14 अप्रैल 2026 से प्रभावी हुई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के जेनेवा दफ्तर में फर्स्ट सेक्रेटरी के रूप में काम कर चुके स्वरूप को केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में काम करने का लंबा अनुभव है।

पब्लिक पॉलिसी के जानकार

पूर्व नौकरशाह अनंत स्वरूप को पब्लिक पॉलिसी का अच्छा जानकार माना जाता है। तभी तो उन्हें भारत में उद्योग एवं वाणिज्य जगत के सबसे बड़े संगठन (एफआईसीसीआई) का महासचिव बनाया गया है। अनंत स्वरूप ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित सिविल सर्विसेज परीक्षा पास करने के बाद भारतीय रेल कार्मिक सेवा से जुड़े। इस दौरान रेलवे के फील्ड ऑफिस से लेकर रेलवे बोर्ड और उत्तर रेलवे के सीपीआरओ पद पर भी तैनात रहे। इसके बाद भारत सारकार ने उन्हें डब्ल्यूटीओ में फर्स्ट सेक्रेटरी के तौर पर नामित कर दिया। तब वह स्विटजरलैंड के जेनेवा चले गए। बाद में वह स्वदेश लौटने के बाद वह प्रतिनियुक्ति पर केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उस दौरान उन्होंने मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी की जिम्मेदारी का भी निर्वहन किया। उन्होंने रेलवे बोर्ड में एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर के पद पर भी काम किया है।

स्वरूप ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से जीव विज्ञान में बीएससी और मएससी करने के अलावा एलएलबी, एमबीए और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर और फाइनेंस में मास्टर्स सर्टिफिकेट भी हासिल किया है। भारत सरकार की सेवा से समय पूर्व अवकाश ग्रहण करने के बाद उन्होंने बहुराष्ट्रीय फर्म ईएंडवाई में भी अपनी सेवा दी है।

आयकर विभाग के कर्मचारी और प्रोमोटी अधिकारी आज से शुरू करेंगे आंदोलन

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकारी खजाने के लिए साल में 23 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा की वसूली करने वाले आयकर विभाग के कर्मचारी परेशान हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर प्रोमोशन और काम के दबाव समेत 10 लंबित मुद्दों का जिक्र किया है।

इन कर्मचारियों ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत काम करने वाले सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) पर इन्हें हल करने में लगातार उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है। आयकर विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों के संगठन इनकम टैक्स इम्पलायीज फेडरेशन (आईटीईएफ) और इनकम टैक्स विभाग में प्रोमोटी अधिकारियों के संगठन इनकम टैक्स गजेटेड ऑफिसर्स एसोसिएशन (आईटीजीओए) ने मिल कर ज्वॉइंट कांउसिल ऑफ एक्शन बनाया है।

थोक महंगाई 38 महीने में सबसे ज्यादा

मार्च में ये 3.88% पर पहुंची, रोजाना जरूरत का सामान और फ्यूल महंगा हुआ

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मार्च में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 3.88% पर पहुंच गई है। फरवरी के यह 2.13% पर थी। यानी इसमें एक महीने के अंदर 1.75% की बढ़ोतरी हुई है। थोक महंगाई ने 38 महीने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। जनवरी 2023 में थोक महंगाई 4.73% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 15 अप्रैल को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुई

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 3.27% से बढ़कर 6.36% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई में कोई बदलाव नहीं है, ये 1.85% पर बनी हुई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 3.78% से बढ़कर 1.05% हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.92% से बढ़कर 3.39% रही।

- मार्च में थोक महंगाई दर 3.88%
- WPI 2.13% से बढ़कर 3.88%
- खाद्य महंगाई दर बिना बदलाव के 1.85%
- प्राइमरी आर्टिकल WPI 3.27% से बढ़कर 6.36%
- फ्यूल एंड पावर WPI -3.78% से बढ़कर 1.05%
- मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट WPI 2.92% से बढ़कर 3.39%
- मार्च में कोर महंगाई दर 41 महीनों के ऊपरी स्तर पर
- जनवरी रिवाइज्ड महंगाई दर 0.96% से बढ़कर 1.68%

होलसेल महंगाई के 4 हिस्से

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.4% पहुंची

मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.4% पहुंच गई है। इससे पहले फरवरी में यह 3.21% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

भारी बिकवाली के बीच विदेशी कंपनी ने अडानी ग्रुप में बढ़ाई हिस्सेदारी

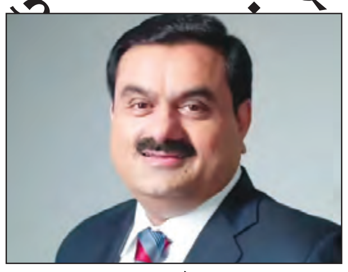

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिचर्स की एक रिपोर्ट के कारण कुछ साल पहले अडानी ग्रुप के शेयरों में काफी गिरावट आई थी। तब अमेरिका की एसेट मैनेजमेंट कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अडानी ग्रुप के शेयरों में जमकर निवेश किया था। भारतीय मूल के राजीव जैन इस कंपनी के बॉस हैं। इस कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। यह सबकुछ तब हुआ है जबकि हाल के महीनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में रेकॉर्ड बिकवाली की है।

जीक्यूजी के मार्च तिमाही के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक कंपनी ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में अपनी हिस्सेदारी 4.79 फीसदी से बढ़ाकर 4.88 फीसदी कर दिया है। इसी तरह जीक्यूजी की अडानी ग्रीन में हिस्सेदारी 4.31 फीसदी से बढ़कर 4.54 फीसदी पहुंच गई है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में उसकी हिस्सेदारी 3.90 फीसदी हो गई है जो पहले 3.87 फीसदी थी। हालांकि इस दौरान जीक्यूजी की अडानी पावर में हिस्सेदारी 4.82 फीसदी से घटकर 4.8 फीसदी रह गई है।

विदेशी निवेशकों की चाल

हालांकि इस दौरान विदेशी निवेशिकों ने काफी सतर्क रुख दिखाया है। अडानी ग्रुप की कई अहम कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी में गिरावट आई है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में उनकी हिस्सेदारी 13.47 फीसदी से घटकर 12.23 फीसदी रह गई है। अडानी एंटरप्राइजेज में भी उनकी हिस्सेदारी 11.64 फीसदी से घटकर 10.8 फीसदी रह गया है। अडानी ग्रीन में भी उनकी हिस्सेदारी 11.42 फीसदी से घटकर 11.1 फीसदी रह गई है।

इस साल अडानी ग्रुप का शेयरों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है

इस बीच एलआईसी ने अडानी ग्रुप की अधिकांश कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखी है। अडानी पोर्ट्स में कंपनी की हिस्सेदारी 6.79 फीसदी से घटकर 6.63 फीसदी रह गई है। लेकिन अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी एनर्जी और अडानी ग्रीन में एलआईसी की हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं आया है। म्यूचुअल फंड ने अडानी ग्रुप की कई कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई है। एसीसी में उनकी हिस्सेदारी 7.84 फीसदी से बढ़कर 8.01 फीसदी हो गया है।

अडानी के शेयरों का प्रदर्शन

इस कैलेंडर ईयर में अडानी ग्रुप का शेयरों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। अडानी पावर की कीमत में 22.9 फीसदी तेजी आई है। अडानी एनर्जी में 12.5 फीसदी और अडानी ग्रीन में करीब 7 फीसदी तेजी आई है। दूसरी ओर एसीसी में 18 फीसदी, अंबुजा सीमेंट में 20 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज में 6.8 फीसदी और एनडीटीवी में 20 फीसदी गिरावट आई है।

सोना आज 2,938 रुपये बढ़कर 1.53 लाख रुपये पर पहुंचा

चांदी 13,874 रुपये महंगी होकर 2.51 लाख रुपये किलो हुई

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज 15 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,938 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 13 अप्रैल को इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 13,874 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2.37 लाख रुपए प्रति किलो थी।

चार साल में चार गुना बढ़ा गोल्ड लोन

तीन राज्यों में सबसे ज्यादा सोना गिरवी रख रहे हैं लोग

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में गोल्ड लोन लेने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। मार्च 2022 से गोल्ड लोन में चार गुना बढ़ोतरी हुई है और रिटेल क्रेडिट पोर्टफोलियों में यह 16.8 लाख करोड़ रुपये के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। इससे आगे अब केवल हाउसिंग लोन ही रह गया है। हालांकि गोल्ड लोन में साउथ के तीन राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। लेकिन उतर प्रदेश, असम, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में भी अब गोल्ड लोन का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद

निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार 15 अप्रैल को सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64%) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63%) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है।

आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने के लिए दूसरे दौर की बातचीत शुरू होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमते गिर गई हैं। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 2.77 डॉलर गिरकर 95.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी क्रूड 4 डॉलर की गिरावट के साथ $95 प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सत्र में ईरान जंग के चलते कीमतों में 4.3% तक का उछाल देखा गया था, लेकिन शांति वार्ता की खबरों ने निवेशकों खरीदारी की।

डिजिटल भुगतान में भारत का दबदबा

यूपीआई लेनदेन 228 अरब के पार; भारत बनेगा दूसरा बड़ा सौर ऊर्जा बाजार

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में छोटे लेनदेन के लिए यूपीआई का चलन तेजी से बढ़ा है। इंडिया डिजिटल पेमेंट्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई के जरिये 2025 में 228.5 अरब लेनदेन दर्ज किए।

कुल लेनदेन मूल्य बढ़कर 299.74 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस बीच, औसत लेनदेन आकार लगातार घट रहा है, जो इस बात का संकेत है कि अब छोटी खरीदारी में भी यूपीआई का चलन बढ़ रहा है। व्यापारिक लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। व्यक्ति-से-व्यापारी (पीटूएम) भुगतान 34 फीसदी बढ़कर 143.82 अरब हो गया। यूपीआई क्यूआर कोड की संख्या बढ़कर 73 करोड़ से अधिक हो गई है, जबकि पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनल की संख्या 1.14 करोड़ से अधिक पहुंच गई है। जहां यूपीआई छोटे भुगतान में अग्रणी बना हुआ है, वहीं क्रेडिट कार्ड का उपयोग बड़े लेनदेन में बढ़ रहा है। 2025 में क्रेडिट कार्ड लेनदेन 27 फीसदी बढ़कर 5.69 अरब हो गया, जबकि डेबिट कार्ड के उपयोग में 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। भारत 2026 तक दूसरा बड़ा सौर ऊर्जा बाजार बनने की राह पर है। भारत ने मात्र 14 महीनों में 50 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़कर अब तक की सबसे तेज वृद्धि हासिल की है। देश का सौर ऊर्जा उत्पादन 150 गीगावाट तक पहुंच गया है। पहले 50 गीगावाट तक पहुंचने में 11 साल लगे थे। आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2019-20 सीरीज-पांच के लिए समयपूर्व मोचन (प्रीमैच्योर रिडेम्पशन) कार्यक्रम घोषित कर दिया है। निवेशक 15 अप्रैल 2026 को अपने बॉन्ड समय से पहले भुना सकेंगे। इसे 15 अक्तूबर 2019 को जारी किया गया था। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशन्स में घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 50.3 फीसदी हो गई।

ऑयल प्रोडक्शन : युद्ध खत्म हो जाए तब भी जल्द नहीं बदलेंगे हालात, वापसी में लगेंगे महीनों

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान युद्ध का ग्लोबल ऑयल प्रोडक्शन पर काफी खराब असर पड़ा है। उत्पादन में रोजाना 1.1 करोड़ बैरल तक की भारी कटौती हुई है। लड़ाई खत्म करने की ताजा कोशिश नाकाम हो चुकी है। ऐसे में इस बात की पूरी आशंका है कि सप्लाई में यह व्यवधान कुछ समय तक बना रहेगा। सबसे अच्छी स्थिति में भी उत्पादन को उसकी पूरी क्षमता तक बहाल करने में महीनों का समय लग जाएगा। यह स्थिति भारत के लिए काफी मायने रखती है। भारत अपनी जरूरत का 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से बड़ा हिस्सा होर्मुज के रास्ते आता है। उससे भविष्य की स्थितियों से निपटने के लिए कमर कसनी होगी। लाजमी है कि ताजा स्थतियिां उसकी टेंशन बढ़ाने वाली हैं।

रायस्टैड एनर्जी के भू-राजनीतिक विश्लेषण प्रमुख जॉर्ज लियोन ने इस महीने की शुरुआत में फाइनेंशियल टाइम्स को बताया, 'भले ही कल एक स्थायी युद्धविराम हो जाए और स्ट्रेट फिर से खुल जाए। फिर भी बाजार को सामान्य स्थिति में लौटने में कम से कम छह महीने लगेंगे।' फाइनेंशियल टाइम्स ने एक्सपर्ट के हवाले से बताया कि वैश्विक तेल उत्पादन का दसवां हिस्सा बंद कर दिया गया है। साथ ही रोजाना लगभग 24 लाख बैरल की रिफाइनिंग क्षमता भी रोक दी गई है। लियोन ने यह भी कहा, 'कुछ मामलों में इसमें काफी अधिक समय लग सकता है।' भले ही कल एक स्थायी युद्धविराम हो जाए और होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल जाए। फिर भी बाजार को सामान्य स्थिति में लौटने में कम से कम छह महीने लगेंगे।

अभी सुधरते नहीं दिख रहे हैं हालात

फिलहाल, परमानेंट सीजफायर वाला यह सबसे अच्छा सिनेरियो अब संभव नहीं लगता है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फारस की खाड़ी में टैंकरों की आवाजाही में आने वाली बाधाओं में अपनी ओर से भी नाकेबंदी जोड़ दी है। यही नहीं, तेल उत्पादन में की जा रही कटौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। अमेरिकी एनर्जी इनफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) की ओर से अपने ताजा 'शॉर्ट-टर्म एनर्जी आउटलुक' में लगाए गए अनुमानों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि ये कटौतियां और भी गहरी होने की राह पर हैं।

उत्पादन में कटौती रहेगी जारी

ईआईए ने बताया कि उसे उम्मीद है कि मिडिल ईस्ट में उत्पादन में की गई कटौतियां पिछले महीने के 75 लाख बैरल प्रतिदिन के स्तर से बढ़कर इस महीने 91 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच जाएंगी। यह ध्यान देने बात है कि ईआईए ने इस मामले में आशावादी रुख अपनाया है। उसने कहा है कि वह यह मानकर चल रहा है कि युद्ध मई तक समाप्त हो जाएगा।

उत्पादन फिर से सामान्य स्तर पर लौटने लगेगा। हालांकि, उस आशावादी सिनेरियो के तहत भी ईआईए को इस साल के काफी बाद तक मिडिल ईस्ट में तेल उत्पादन की पूरी बहाली की कोई उम्मीद नहीं है। उसने अपने 'शॉर्ट-टर्म एनर्जी आउटलुक' में कहा, 'इन अनुमानों के आधार पर हमें उम्मीद है कि मई में उत्पादन में कटौती (शट-इन्स) घटकर 67 लाख बैरल प्रतिदिन हो जाएगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	मेष	मे	मेष......05-57 बजे
चंद्र	मीन	मे	वृष.... 07-42 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..09-43 बजे
बुध	मीन	मे	कर्क... 11-55 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह---14-07 बजे
शुक्र	मेष	मे	कन्या--16-14 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---18-19 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृश्चिक.20-29 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु......22-43 बजे
			मकर....00-49 बजे
			कुंभ... 02-40 बजे
			मीन.....04-18 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** (सूर्योदय 06-03, सूर्यास्त. 18 -28)
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष गुरुवार **16 April 2026**
तिथि - चतुर्दशी **20-12** रात्रि तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - उ.भाद्रपद **13-59** तक उप रेवती
योग - ऐन्द्र **10-37** तक उप वैधृति
करण - विष्टी (भद्रा) **09-26** तक उप शकुनि

विशेष: भद्राकाल **09-26** तक
सर्वार्थसिद्ध योग **13-59** से

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-50 से 15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ	06-03 - 07-35	शुभ
रोग	07-35 - 09-08	अशुभ
उत्पात	09-08 - 10-42	अशुभ
चंचल	10-42 - 12-16	शुभ
लाभ	12-16 - 13-50	शुभ
अमृत	13-50 - 15-24	शुभ
काल	15-24 - 16-57	अशुभ
शुभ	16-57 - 18-28	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18-27 - 19-57	शुभ
चंचल	19-57 - 21-24	शुभ
रोग	20-24 - 22-50	अशुभ
काल	22-50 - 00-16	अशुभ
लाभ	00-16 - 01-42	शुभ
उत्पात	01-42 - 03-08	अशुभ
शुभ.	03-08 - 04-34	शुभ
अमृत	04-34 - 06-03	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है। इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यकर्म की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा । आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है । आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें और बदतमीज हुए बिना ही अपनी बात को समझाने से कोशिश करें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं ।आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा । आपको अपनी आँखें और कान खुले रखकर अपने रास्ते में आने वाले अवसरों को पकड़ना है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'80% से ज्यादा चुनावी वादे पूरे'

रिफाइनरी प्रोजेक्ट पर विपक्ष को घेरा : मदन राठौड़

जालौर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के जालौर में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने चुनाव, किसानों, रिफाइनरी प्रोजेक्ट और संगठन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने जहां चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग की भूमिका को स्पष्ट किया, वहीं सरकार की उपलब्धियों और विपक्ष के आरोपों पर भी जवाब दिया।

चुनाव पर बोले- आयोग का अधिकार, भाजपा तैयार

जालौर में प्रेसवार्ता के दौरान मदन राठौड़ ने कहा कि चुनाव कराना पूरी तरह से निर्वाचन आयोग का काम है। आयोग एक स्वतंत्र संस्था है और जब भी चुनाव की घोषणा करेगा, भाजपा हर समय इसके लिए तैयार है।

चुनावी वादों पर बोलते हुए राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने 80 प्रतिशत से अधिक घोषणाएं पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार जनता से किए वादों को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। किसानों के काम के दिनों को लेकर उठे सवाल पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने मजदूरों के लिए 125 दिन रोजगार की व्यवस्था सुनिश्चित की है। साथ ही बुवाई और कटाई के समय अतिरिक्त छूट दी गई है, ताकि किसानों को पर्याप्त मजदूर मिल सकें।

मूलभूत सुविधाओं पर नहीं होगा समझौता

कार्यकर्ताओं की समस्याओं को लेकर पूछे गए सवाल पर राठौड़ ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की पानी, बिजली या चिकित्सा जैसी मूलभूत मांगों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अगर ऐसी कोई शिकायत सामने आती है, तो वह खुद उसकी समीक्षा करेंगे। रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए राठौड़ ने कहा कि इसकी शुरुआत भाजपा सरकार के समय हुई थी। बाद में कांग्रेस सरकार ने इसमें कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बिना उचित प्रक्रिया के शिलान्यास किया था। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने पुराने एमओयू को संशोधित कर राज्य के हित में बेहतर शर्तों पर समझौता किया है। वर्तमान में रिफाइनरी प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे प्रदेश को हर साल हजारों करोड़ का राजस्व और बड़ी संख्या में रोजगार मिलने की उम्मीद है।

पंचायत पुनर्गठन पर बोले- करेंगे समीक्षा

जालौर जिले में पंचायत समिति पुनर्गठन के मामले पर राठौड़ ने अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो वह इसकी समीक्षा करेंगे। पार्टी में बगावत करने वालों की वापसी को लेकर उन्होंने कहा कि भविष्य में इस विषय पर और ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी। संविदा शिक्षकों के नियमितीकरण के मुद्दे पर राठौड़ ने कहा कि यह एक अलग प्रक्रिया है और सरकार नियमों के अनुसार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा परिवारवाद की राजनीति में विश्वास नहीं रखती और संगठन में सभी को समान अवसर दिया जाता है।

दूसरे राज्य के छात्रों को नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ

हाईकोर्ट का अहम फैसला

जोधपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि एक राज्य में मिलने वाला आरक्षण लाभ दूसरे राज्य में लागू नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि अन्य राज्यों के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी राजस्थान में पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सीटों के लिए अनारक्षित (जनरल) श्रेणी में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। लेकिन उन्हें आरक्षित वर्ग के लिए निर्धारित कम पात्रता प्रतिशत (परसेंटाइल) का लाभ नहीं मिलेगा।

न्यायाधीश संजीत पुरोहित की एकलपीठ ने फेडरेशन ऑफ प्राइवेट मेडिकल एंड डेंटल कॉलेज ऑफ राजस्थान द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह निर्णय दिया। याचिका में 18 फरवरी 2026 की बैठक के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें अन्य राज्यों के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को सामान्य श्रेणी में रखते हुए उन्हें कम परसेंटाइल का लाभ देने से इनकार किया गया था। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार की अधिसूचना के अनुसार, तय पात्रता प्रतिशत सभी काउंसलिंग बोर्डों पर समान रूप से लागू होना चाहिए और अन्य राज्यों के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को भी उसी आधार पर प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए।

हालांकि, अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए इस दलील को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि आरक्षण नीतियां राज्य-विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों पर आधारित होती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों को सामान्य श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की अनुमति देना 100 फीसदी डोमिसाइल आधारित आरक्षण नहीं माना जाएगा।

यह मामला एक फेडरेशन द्वारा दायर याचिका से शुरू हुआ, जिसमें मांग की गई थी कि राजस्थान में काउंसलिंग के दौरान गैर-मूल निवासी SC, ST और ओबीसी अभ्यर्थियों को भी आरक्षित वर्ग के लाभ दिए जाएं। याचिकाकर्ता का मुख्य उद्देश्य इन छात्रों को कम योग्यता पर्सेंटाइल का लाभ दिलाकर आरक्षित सीटों पर प्रवेश दिलाना था।

नीट-पीजी के क्वालिफाइंग पर्सेंटाइल को कम करने का उद्देश्य खाली सीटों को भरना था, जो बाहरी राज्यों के छात्रों को बाहर रखने से विफल हो रहा है। बोर्ड का निर्णय काउंसलिंग के बीच में खेल के नियम बदलने जैसा है। यह नीति अप्रत्यक्ष रूप से 100% डोमिसाइल-आधारित आरक्षण लागू करने के समान है।

राज्य सरकार ने काउंसलिंग बोर्ड के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि आरक्षण नीतियां राज्य-विशिष्ट होती हैं। राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक परिवेश को देखते हुए जो श्रेणियां यहां अधिसूचित हैं, लाभ केवल उन्हीं पर लागू होते हैं।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संवैधानिक योजना के अनुसार, आरक्षित श्रेणियों की पहचान राज्यवार आधार पर होती है, जो वहां की स्थानीय स्थितियों पर निर्भर करती है। आरक्षण का लाभ राज्य की सीमाओं के पार विस्तारित करना असंवैधानिक होगा। हाईकोर्ट ने जोर देकर कहा कि अभ्यर्थी आरक्षित वर्गों के लिए तय किए गए 'शिथिल मानकों' का उपयोग करके सामान्य श्रेणी की सीटों पर अधिकार नहीं जता सकते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि खाली सीटों को भरना एक प्रशासनिक लक्ष्य हो सकता है, लेकिन यह कानूनी और संवैधानिक मानकों से ऊपर नहीं हो सकता।

खाद माफियाओं के खिलाफ भजनलाल सरकार का 'महा-अभियान', मंत्री किरोड़ी ने किया 'स्टॉक' का खुलासा!

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में खरीफ सीजन 2026 के आगाज के साथ ही भजनलाल सरकार 'एक्शन मोड' में नजर आ रही है। किसानों को खाद की किल्लत न हो और बिचौलिए उनकी मेहनत पर डाका न डाल सकें, इसके लिए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अधिकारियों को खुली छूट दे दी है। प्रदेशभर में खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनुदानित यूरिया के औद्योगिक उपयोग को रोकने के लिए विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया है।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल के नेतृत्व में 11 अप्रैल से प्रदेशभर में विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तकः

विभाग को सूचना मिली थी कि किसानों के लिए आने वाला अनुदानित यूरिया चोरी-छिपे प्लाईवुड, रेजिन और पशु आहार बनाने वाली फैक्ट्रियों में भेजा जा रहा है। इस पर आयुक्त ने खुद कालाडेरा औद्योगिक क्षेत्र की प्लाईवुड इकाइयों पर छापेमारी की। सरकार ने चेतावनी दी है कि यूरिया का गैर-कृषि कार्य में उपयोग करने वाली इकाइयों को सीज कर उनके मालिकों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज होंगे।

कृषि मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया है कि खाद की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में प्रदेश के सहकारी और निजी क्षेत्र में भारी स्टॉक उपलब्ध हैः

डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा, ₹किसानों को चिंतित होने की जरूरत नहीं है, आपूर्ति निरंतर जारी है और पिछले वर्षों की तुलना में इस बार हमारे पास अधिक स्टॉक है।

मानेसर 'फाइल' फिर खुली, पूर्व सीएम अशोक गहलोत के इस बयान से कांग्रेस में सियासी भूचाल

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस में जब भी सियासी हलचल थमती नजर आती है, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक बार फिर 2020 के राजनीतिक संकट का जिक्र कर माहौल गरमा देते हैं। मानेसर गए विधायकों की याद दिलाते हुए वे अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं के साथ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर भी निशाना साधते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गहलोत के इन बयानों से कांग्रेस में गुटबाजी फिर उभर सकती है।

दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई की स्मृति में आयोजित प्रार्थना सभा में जाने से पहले गहलोत ने नागौर जिले के डीडवाना में यह बयान देकर पुराने जख्म कुरेद दिए, जिसके प्रदेश कांग्रेस में अलग-अलग सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

बिना नाम लिए भाजपा और पायलट खेमे पर निशाना

गहलोत ने 2020 के संकट को याद करते हुए बिना नाम लिए भाजपा और पायलट खेमे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उस समय उनकी सरकार को गिराने के लिए पार्टी के विधायकों को भड़काकर मानेसर ले जाया गया। यह पूरा संकट भाजपा के शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की देन था, जिसका खामियाजा उनकी सरकार को 34 दिनों तक होटलों में रहकर भुगतना पड़ा।

आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ कहते हैं कि हमारी सरकार होटलों से चली। यह तो उनके कृत्यों के कारण होटलों की सरकार थी। उन्होंने भाजपा की लीडरशिप पर सरकार गिराने के लिए पैसे खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन लोगों ने करोड़ों रुपए खर्च किए।

अन्य राज्यों में गिरीं, राजस्थान में बच गई थी सरकार

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक का उदाहरण देते हुए गहलोत ने कहा कि वहां सरकारें गिर गईं, लेकिन राजस्थान एकमात्र राज्य था जहां उनकी सरकार बची रही। उन्होंने इस दौरान चेतन डूडी सहित कुछ विधायकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सूझबूझ से ही सरकार को बचाया जा सका।

2020 का जख्म फिर हरा

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर सरकार गिराने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थानमें वर्ष 2020 में खड़ा हुआ सियासी संकट भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की देन था। जिसका खामियाजा उनकी सरकार को 34 दिनों तक होटलों में रहकर भुगतना पड़ा। कोरोनाकाल में जहां प्रदेश की जनता कोरोना महामारी से जूझ रही थी वहीं भाजपा के कारण सियासी संकट खड़ा होने से सरकार बचाना भी बड़ी चुनौती था। सरकार बचाने में कुछ विधायकों की अहम भूमिका रही।

शराब की 550 पेटियां मलबे में तब्दील

झुंझुनूं, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं में आबकारी विभाग ने विभिन्न कार्रवाई में शराब तस्करों को बड़ा झटका देने के बाद फिर बड़ा एक्शन लिया है। विभाग ने विभिन्न ब्रांड्स की तकरीबन 35 लाख रुपए कीमत की अवैध शराब की 550 पेटियों को नष्ट कर दिया है। एक्शन ऐसा किया गया कि तस्करों के भी यह जान होश उड़ जाएंगे। कार्रवाई में शराब की हर बोतल सिर्फ मलबा बन गई। दरअसल, आबकारी महकमे का कहना है कि बीते समय में बरामद शराब इतनी खतरनाक हो चुकी थी कि पीने वालों की सेहत का खेल बन सकती थी। यहीं नहीं नियमानुसार बरामद शराब को नष्ट करना था। यहां गौर करने वाली बात यह है कि यह वही शराब है जिससे बीते समय में बरामदगी के दौरान इस शराब की कीमत लाखों में आंकी गई और बरामदगी से पहले तस्करी के दौरान पुलिस से बचने के लिए तस्करों को न जाने क्या क्या जतन किए थे।

धधक उठी टेक्सटाइल फैक्ट्री

8 हजार कपड़ों के थान जले, आग की तपन से पिघला प्लास्टिक, 7 दमकलों ने पाया काबू

पाली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के औद्योगिक शहर पाली के मंडिया रोड स्थित आगम टेक्सटाइल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में फैक्ट्री के गोदाम में रखा लाखों रुपए का कपड़ा जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है।

आग फैक्ट्री के फोल्डिंग हॉल (नंबर 220-221) से शुरू हुई। देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए पाली के साथ-साथ सोजत सिटी से भी दमकलें मंगवाई गईं।

अग्निशमन विभाग के अनुसार, 7 दमकल की गाड़ियों ने कुल 54 फेरे किए। रात भर चले इस रेस्क्यू ऑपरेशन में स्थानीय लोगों और आसपास की फैक्ट्रियों ने भी पानी उपलब्ध कराकर मदद की। कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार अलसुबह करीब 4:00 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। फैक्ट्री के राहुल ने बताया कि गोदाम में करीब 7 से 8 हजार कपड़े के धान रखे हुए थे। विशेषज्ञों के अनुसार, टेक्सटाइल फैक्ट्रियों में आग तेजी से फैलने का मुख्य कारण कपड़ों की प्रकृति है।

रोहित गोदारा गैंग ने फिर बीजेपी नेता से मांगी 5 करोड़ की फिरौती

धमकियों का सिलसिला फरवरी से है चालू

नागौर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी के नागौर के देहात जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह पलाड़ा को एक बार फिर धमकी मिली है। उल्लेखनीय है कि सत्ताधारी दल के ही एक पदाधिकारी पलाड़ा को पिछले दो महीनों से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। एक बार फिर उन्हें वॉट्सएप वॉयस नोट भेज धमकी दी है। बताया जा रहा है कि कुख्यात रोहित गोदारा गैंग ने बीजेपी नेता से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है।

पलाड़ा ने जयपुर में दर्ज की शिकायत

बीजेपी नेता विजय सिंह पलाड़ा ने जयपुर के बनीपार्क थाने में 12 अप्रैल को एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोहित गोदारा गैंग और वीरेंद्र चारण गैंग के गुर्गे उन्हें और उनके परिवार को खत्म करने की धमकी दे रहे हैं।

पलाड़ा के अनुसार, धमकियों का यह खेल फरवरी के मध्य में शुरू हुआ था। उस समय उन्हें पहली बार रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग के नाम से कॉल आए थे।

रंगदारी की मांगः 22 मार्च को गैंग ने फिर से संपर्क किया और 5 करोड़ रुपये देने का दबाव बनाया। लगातार धमकियां : 12 अप्रैल को मामला तब और बिगड़ गया जब पलाड़ा के पास एक इंटरनेशनल नंबर से 9 व्हाट्सएप कॉल और 4 वॉइस नोट्स आए।

'मंत्री-विधायक कोई नहीं बचा पाएगा'

बताया जा रहा है कि पलाड़ा के पास आए शख्स ने खुद को गैंगस्टर नवीन बॉक्सर बताया है। खुद को हरियाणा से ऑपरेट करने वाला बताते हुए कॉलर ने पलाड़ा ने कहा कि 'गोलियों से भून दूंगा और किसी भी तरह के वहम में मत रहना। कॉलर ने आगे कहा कि 'तुम किसी भी मंत्री या विधायक के पास चले जाओ, लेकिन ये जो गार्ड्स लेकर तुम घूमते हो, ये तुम्हें नहीं बचा पाएंगे'।

पुलिस ने शुरू की पूरे मामले की जांच

विजय सिंह पलाड़ा ने अपनी सुरक्षा और परिवार की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और जिस इंटरनेशनल नंबर से कॉल आए हैं, उसे ट्रैक करने की कोशिश की जा रही है।

आईएएस सुबोध अग्रवाल को बड़ा झटका

जमानत खारिज, कोर्ट ने भेजा जेल

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को एसीबी की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस दौरान उनकी अंतरिम जमानत अर्जी भी खारिज कर दी गई, जबकि सुरक्षा को लेकर उठाए गए मुद्दे पर अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा है। सुबोध अग्रवाल को 9 तारीख को दिल्ली से गिरफ्तार कर जयपुर लाया गया था। इसके बाद 10 तारीख को उन्हें एसीबी कोर्ट में पेश किया गया। पहली पेशी के दौरान एसीबी ने अदालत से 5 दिन की रिमांड की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने इस मांग को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए उन्हें 3 दिन की रिमांड पर भेजा। इसके बाद 13 अप्रैल को दोबारा कोर्ट में पेश किए जाने पर अदालत ने अग्रवाल को 2 दिन की अतिरिक्त रिमांड पर भेजने का आदेश दिया। दो दिन की अतिरिक्त रिमांड पूरी होने के बाद बुधवार को एक बार फिर उन्हें एसीबी कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। इस दौरान सुबोध अग्रवाल के वकीलों ने अंतरिम जमानत की अर्जी दाखिल की, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकीलों ने दलील दी कि जांच के दौरान सुबोध अग्रवाल ने कई बड़े और प्रभावशाली नामों का खुलासा किया है, जिसके चलते जेल में उनकी जान को खतरा हो सकता है।

मुझे अभी पढ़ना है, 16वर्षीय किशोरी ने खुद रुकवाया बाल विवाह, एक मई को होनी थी शादी

बूंदी, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। 'मुझे अभी पढ़ना है, इस दृढ़ फैसले ने एक 16 वर्षीय नाबालिग को समाज के लिए प्रेरणा बना दिया। कक्षा 12वीं में पढ़ रही इस किशोरी ने न सिर्फ अपने बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि खुद आगे आकर उसे रुकवाकर एक मिसाल पेश की। जिले के एक थाना क्षेत्र की इस किशोरी ने अपने माता-पिता के निर्णय के खिलाफ प्रशासन से न्याय की मांग की। उसने साफ कहा कि वह अभी शादी नहीं करना चाहती और अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती है। इस निर्णय के बाद उसने फिलहाल माता-पिता के पास रहने से भी इंकार कर दिया। जानकारी के अनुसार किशोरी का विवाह 1 मई को खानखेड़ा सम्मेलन में तय किया गया था। लेकिन उसने हिम्मत और दृढ़ संकल्प दिखाते हुए अलग-अलग स्तर पर संपर्क किया और अपने बाल विवाह को रुकवाने में सफल रही। किशोर ने बाल कल्याण समिति से संपर्क कर अपना बाल विवाह किए जाने की शिकायत दी। सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन टीम और सदर थाना पुलिस किशोरी के घर पहुंची पहुंचे। टीम ने किशोरी से बातचीत कर स्थिति को समझा और आवश्यक कार्रवाई की। उसकी इच्छा और समिति के आदेश के अनुसार उसे शेल्टर होम में सुरक्षित प्रवेश दिलवाया गया, ताकि उसकी सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा भी जारी रह सके।

जिले में इस तरह का चौथा मामला है, जब किसी नाबालिग ने खुद आगे आकर बाल विवाह का विरोध किया है। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पौद्दार के अनुसार बालिका को शेल्टर होम में रखने के बाद उसके माता-पिता की काउंसलिंग की जाएगी।

जिले रायथल थाना क्षेत्र में दो किशोरियों का विवाह रुकवाकर उन्हें सुरक्षित शेल्टर होम भेज दिया। जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल को दो नाबालिग लड़कियों और एक नाबालिग लड़के के विवाह की सूचना प्रशासन को मिली थी। इस पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि दोनों लड़कियों की उम्र 17 और 15 वर्ष है, जबकि लड़के की उम्र 18 वर्ष पाई गई। इनमें एक लड़की कक्षा 10वीं और दूसरी कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है। मौके पर तहसीलदार नरोत्तम, थानाधिकारी हरलाल और चाइल्ड लाइन टीम के रामनारायण, बुद्धि प्रकाश व मनजीत कौर ने स्थिति का जायजा लिया।

लेपर्ड का आतंक : सीसीटीवी में कैद हुई हरकत, मोर का शिकार कर दहशत बढ़ाई

रामपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बानसूर क्षेत्र के रामपुर कस्बे में पिछले दो दिनों से लेपर्ड की लगातार मौजूदगी ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। आबादी क्षेत्र में जंगली जानवर के घूमने से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और शाम ढलते ही घरों में रहने को मजबूर हैं।

जांगिड़ मोहल्ले में सोमवार तड़के करीब 3 बजे लेपर्ड की हलचल देखी गई, जो पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में लेपर्ड गलियों में घूमता हुआ साफ नजर आया। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। स्थानीय निवासी अजीत स्वामी ने बताया कि उनके घर के पीछे भी लेपर्ड देखा गया, जिससे पूरे क्षेत्र में डर फैल गया।

दिन में लेपर्ड द्वारा एक मोर का शिकार किए जाने की घटना सामने आई, जिसके बाद ग्रामीणों का भय और अधिक बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से आसपास जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे जान-माल के नुकसान का खतरा बना हुआ है।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। इसके बाद लेपर्ड को पकड़ने के लिए रणनीति बनाई गई और सोमवार शाम को आबादी क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया। वन विभाग इलाके में लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है ताकि लेपर्ड को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जा सके।

जेल से छूटा और 10 दिन में फिर 'कांड'

रेकी कर बंद मकानों को निशाना बनाने वाले तीन सुपर चोर गिरफ्तार

जयपुर, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में लगातार हो रही नकबजनी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। राजस्थान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से चोरी किया गया पूरा माल भी बरामद कर लिया गया है। डीसीपी ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि 23 मार्च को क्षेत्र में एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्धों के हुलिए के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। लगातार दबिश के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में पिन्टू जाटव (24) निवासी भरतपुर, विशाल बैरवा (20) निवासी जयपुर और राहुल कुमार (28) निवासी बूंदी शामिल हैं। इनमें से दो आरोपियों के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया है। इसमें सोने जैसे धातु के आभूषण जैसे अंगूठी, झुमके, मांगटीका, बाली, लॉकेट और ओम पेंडेंट शामिल हैं। इसके अलावा चांदी के गहनों में पायजेब, बिछिया, सिक्के और लक्ष्मी, पार्वती व गणेश जी की मूर्तियां तथा बच्चों के कड़े भी बरामद हुए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मौज-मस्ती और लक्जरी जीवन जीने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। वे दिन में कॉलोनियों में घूमकर बंद मकानों की रेकी करते और रात में उन्हीं मकानों को निशाना बनाते थे। हैरानी की बात यह सामने आई कि एक आरोपी जेल से छूटने के मात्र 10 दिन बाद ही दोबारा अपराध में शामिल हो गया।

टॉमकॉम के जरिए विदेश रोजगार को बढ़ावा: विवेक वेंकटस्वामी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनन मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के लिए विदेशों में व्यापक रोजगार अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना प्रवासी जनशक्ति कंपनी(टॉमकॉम) के माध्यम से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मंत्री ने जानकारी दी कि जर्मनी में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख नौकरियों की आवश्यकता है और इसी क्रम में वहां हर साल करीब 90 हजार वीजा जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स (एटीसी) के माध्यम से हर वर्ष 25 हजार युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिस पर राज्य सरकार करीब 4,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। साथ ही, टॉमकॉम द्वारा चार माह की अवधि में जर्मन भाषा का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। बुधवार को चेन्नर में मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि भारतीय युवाओं की विदेशों में कानून का पालन करने और मेहनत से काम करने की छवि काफी मजबूत है। उन्होंने बताया कि जर्मनी में रोजगार के अवसरों में मासिक वेतन दो लाख रुपये से अधिक तक मिल सकता है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार दो लाख नौकरियां देने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को अब तक एक लाख से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने का श्रेय भी दिया। डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने स्थानीय बेरोजगार युवाओं से टॉमकॉम द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना गिग वर्कर्स अधिनियम देश के लिए एक मॉडल के रूप में उभरा है, जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, उन्होंने युवाओं को फर्जी निजी एजेंसियों के झांसे में न आने की चेतावनी देते हुए केवल आधिकारिक माध्यमों पर ही भरोसा करने की सलाह दी।

अवैध वसूली करने वाले होंगे सलाखों के पीछे : डीसीपी

चारमीनार क्षेत्र में 'मामूल' पर पुलिस की अंतिम चेतावनी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार क्षेत्र में अवैध ''मामूल'' वसूली के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए अंतिम चेतावनी जारी की है। डीसीपी चारमीनार किरण खरे के नेतृत्व में आज दुकानदारों और फुटपाथ विक्रेताओं से जबरन वसूली में संलिप्त व्यक्तियों के लिए एक काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एसीपी चारमीनार चंद्रशेखर और एसएचओ चारमीनार राम बाबू भी उपस्थित रहे। पुलिस ने चिन्हित सभी व्यक्तियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की अवैध वसूली या धमकी से तुरंत बाज आएं। यदि इस तरह की गतिविधियां दोहराई गईं तो उनके खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें रोडी शीट खोलना, मामला दर्ज करना, गिरफ्तारी और रिमांड शामिल होगा। इसे अंतिम चेतावनी बताया गया है।

साथ ही पुलिस ने सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए आरोपितों को अपने व्यवहार में बदलाव लाने और वैध आजीविका अपनाने का अंतिम अवसर भी दिया। दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को भी निर्देश दिया गया कि वे अतिक्रमण से बचें, यातायात में बाधा न डालें और क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखें। चारमीनार जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल की छवि और सुचारु व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। चारमीनार पुलिस ने अवैध वसूली के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति दोहराते हुए आम जनता से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

अंबेडकर के सिद्धांत आज भी देश की प्रगति के मार्गदर्शक : श्रीवास्तव

दक्षिण मध्य रेलवे में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती आज रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद स्थित मुख्यालय में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई। इस अवसर पर महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, एससी-एसटी एवं ओबीसी संगठनों के प्रतिनिधियों तथा मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने भाग लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की स्थायी विरासत को रेखांकित करते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं था, बल्कि शिक्षा, सामाजिक सुधार और आधारभूत संरचना के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने दामोदर घाटी परियोजना तथा 1943 की समग्र नदी विकास नीति में अंबेडकर की भूमिका को याद करते हुए बताया कि इस नीति में बहु-मोडल परिवहन, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और विद्युत उत्पादन का समावेश किया गया था।

उन्होंने कहा कि आंबेडकर के समावेशिता, ईमानदारी और दूरदर्शी विकास के सिद्धांत आज भी देश की प्रगति के मार्गदर्शक हैं, विशेषकर परिवहन और रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने में। उन्होंने यह भी कहा कि ''भारत रत्न डॉ. बी.आर. आंबेडकर की विरासत को सच्ची श्रद्धांजलि पेशेवर ईमानदारी और साहस को अपनाने में निहित है।'' इस अवसर पर कार्मिक विभाग, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा आयोजित ''भारत में सामाजिक न्याय के शिल्पकार'' विषयक निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को महाप्रबंधक ने पुरस्कृत किया। इससे पूर्व एससी-एसटी, ओबीसी संगठनों तथा ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने भी डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान, उपलब्धियों और विरासत पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सिकंदराबाद मंडल तथा लालागुड़ा स्थित मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय में भी डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों, ट्रेड यूनियनों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पालमुरु परियोजनाओं की अनदेखी पर कांग्रेस सरकार घिरी, आंदोलन की चेतावनी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर पालमुरु क्षेत्र की महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो विरोध प्रदर्शन तेज किए जाएंगे। बीआरएस नेता ने कहा कि मानसून से पहले पालमुरु परियोजनाओं से जुड़े जलाशयों को भरना सुनिश्चित किया जाए। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में एस. निरंजन रेड्डी ने बताया कि पार्टी मई के पहले सप्ताह तक अपनी कार्ययोजना तैयार कर लेगी और सरकार पर दबाव बनाने के लिए पदयात्रा सहित विभिन्न आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि देरी के लिए जिम्मेदार लोगों को सार्वजनिक रूप से उजागर किया जाएगा। उन्होंने पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना और कलवाकुर्थी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। साथ ही प्रस्तावित गोल्लापल्ली जलाशय को वापस लेने की भी अपील की, यह कहते हुए कि सरकार ने जन विरोध की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि कभी समृद्ध रहा पालमुरु क्षेत्र आंध्र प्रदेश के गठन के बाद सूखा, पलायन और गरीबी का शिकार हो गया। वर्ष 2014 के बाद बीआरएस सरकार ने इसमें सुधार की दिशा में कार्य शुरू किया था, लेकिन वर्तमान सरकार की निष्क्रियता से किसान फिर संकट में हैं। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों पर आवश्यक मंजूरियां प्राप्त करने और अंतरराज्यीय विवादों को सुलझाने में विफल रहने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं का केवल 10 प्रतिशत कार्य शेष है, जिसे गंभीरता से कुछ महीनों में पूरा किया जा सकता है।

कृषि एवं किसान कल्याण आयोग की कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के तत्वावधान में कृषि विपणन से जुड़ी समस्याओं पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हैदराबाद स्थित बुर्गुला रामकृष्ण राव भवन (बीआरकेआर भवन) में सफलतापूर्वक किया गया। आयोग द्वारा राज्य के विभिन्न प्रमुख कृषि बाजारों का दौरा कर किसानों को विपणन व्यवस्था में आने वाली अनेक चुनौतियों की पहचान की गई।

किसानों की आय, स्थिरता और आजीविका में सुधार के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाजार अवसंरचना के विकास, बाजार पहुंच के विस्तार, डिजिटल साधनों को बढ़ावा देने तथा बिचौलियों पर निर्भरता कम करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंडा रेड्डी ने की। इस अवसर पर आयोग के सदस्य एम. रामुलु नायक (पूर्व एमएलसी), एम. सुनील कुमार, राम रेड्डी गोपाल रेड्डी, के.वी. नरसिंहा रेड्डी तथा मरिकंटी भवानी रेड्डी उपस्थित रहे। आयोग के सलाहकारों में नीति विशेषज्ञ डी. नरसिंहा रेड्डी, डॉ. जीवी रामांजनयुलु (कार्यकारी निदेशक एवं सलाहकार, सीएसए), श्रीनिवास रेड्डी (सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक) तथा विष्णुवर्धन रेड्डी (सेवानिवृत्त डीन एवं सलाहकार, पीजेटीएयू) शामिल रहे। कार्यशाला में कृषि, उद्यानिकी एवं विपणन विभागों के अधिकारी, विभिन्न कृषि बाजार समितियों (एएमसी) के अध्यक्ष एवं सचिव, किसान संगठनों के प्रतिनिधि, कमीशन एजेंट, प्राकृतिक खेती करने वाले किसान, आईटीडीए अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि तथा राज्यभर से आए किसान बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रमुख प्रतिभागियों में विपणन निदेशक लक्ष्मीबाई, कृषि उपनिदेशक पुष्पाराणी, उद्यानिकी उपनिदेशक राजकुमार, सीपीएम के उपाध्यक्ष सारामपल्ली मल्लारेड्डी तथा तेलंगाना किसान संगठन (सीपीआई)की पाश्य पद्मा शामिल रहे। आयोग के अधिकारियों में सदस्य सचिव गोपाल, कृषि सहायक निदेशक के. संध्या रानी तथा अध्यक्ष के ओएसडी बी. हरी वेंकट प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ''तेलंगाना कृषि उत्पाद एवं पशुसंवर्धन बाजार अधिनियम, 1966'' तथा इसके संशोधन, किसान बाजारों की वर्तमान स्थिति, नई बाजार संरचनाओं की स्थापना, कमीशन एजेंटों की जिम्मेदारियों तथा किसानों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने बताया कि कार्यशाला में प्राप्त सुझावों और सिफारिशों के आधार पर एक समग्र रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को सौंपी जाएगी, ताकि किसानों के हित में पारदर्शी और लाभकारी विपणन व्यवस्था विकसित की जा सके।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर की टाइटेनियम मिश्र धातु से निर्मित प्रतिमा का अनावरण

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मिधानि द्वारा डॉ. बी.आर. अंबेडकर की टाइटेनियम मिश्र धातु से निर्मित प्रतिमा का अनावरणकिया गया।

अनावरण का नेतृत्व डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक; सुश्री के. मधुबाला, निदेशक (वित्त); पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन); तथा सुश्री स्फूर्ति रेड्डी,आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, मिधानि ने किया।

टाइटेनियम मिश्र धातु की ढलाई (कास्टिंग) जो अपनी उच्च मजबूती, जंग-रोधी क्षमता तथा हल्केपन के गुणों के लिए जानी जाती है उच्च तापमान पर इसकी रासायनिक क्रियाशीलता के कारण अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है।

परिसीमन के बहाने दक्षिणी राज्यों की आवाज दबाने की साजिश : केटी रामाराव

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि परिसीमन के नाम पर केंद्र की भाजपा सरकार दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व कम करने की साजिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय हुआ, तो बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव इसके खिलाफ बड़ा जन आंदोलन चलाएंगे। बुधवार को पीरज़ादिगुडा में विभिन्न दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल कराने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रामाराव ने कहा कि केंद्र सरकार लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने को लेकर भ्रम फैला रही है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के बार-बार अनुरोध के बावजूद केंद्र ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत तेलंगाना विधानसभा में परिसीमन नहीं किया।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद भी वह अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं कर पाई है। लोगों से कई तरह की आर्थिक सहायता और योजनाओं का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें कोई लाभ नहीं मिला। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाते हुए रामाराव ने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों से बच रही है और पिछली बीआरएस सरकार की कई योजनाएं बंद कर दी गई हैं। उन्होंने उप्पल फ्लाईओवर जैसी परियोजनाओं में देरी के लिए भी केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

रामाराव ने कहा कि कांग्रेस शासन में हैदराबाद में बिजली कटौती और मच्छरों की समस्या बढ़ गई है, जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री के रिश्तेदारों के जरिए बड़े पैमाने पर भूमि अतिक्रमण हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस राज्य से जुड़े मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार दोनों के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी। साथ ही, मेडचल-मलकाजगिरि में हालिया स्थानीय चुनावों में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने पीरज़ादिगुडा में भी जीत की उम्मीद जताई और मतदाताओं से पार्टी का समर्थन करने की अपील की।

सांसद साना सतीश बाबू तेलुगु

देशम पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

अमरावती, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायुडु ने राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबु को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर साना सतीश बाबू ने पार्टी अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायडू के प्रति आभार व्यक्त किया।

आज तेलुगु देशम पार्टी द्वारा पोलितब्यूरो, राष्ट्रीय एवं राज्य समितियों की घोषणा की गई, जिसमें कुल 18 सदस्यों की राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की टीम में साना सतीश बाबू को स्थान दिया गया है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कैडर से लीडर बनने का अवसर केवल तेलुगु देशम पार्टी में ही संभव है। मेहनत करने वाले हर कार्यकर्ता को पार्टी अवश्य पहचान देती है। उन्होंने विश्वास जताकर यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस दायित्व का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे और हमेशा जनता तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पुलिस ने दिया 'स्टार्ट अर्ली - गो स्लोली-रीच सेफली' का संदेश

कुकटपल्ली में सड़क सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के तत्वावधान में चल रहे 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत कुकटपल्ली स्थित जेनिसिस स्कूल में छात्रों के लिए एक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में कुकटपल्ली के अतिरिक्त डीसीपी सुदर्शन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, पर्याप्त नींद की कमी और गंतव्य तक जल्दी पहुंचने की जल्दबाजी के कारण सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि मानव जीवन अत्यंत अमूल्य है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारी से वाहन चलाना चाहिए। उन्होंने ''स्टार्ट अर्ली — गो स्लोली — रीच सेफली'' के संदेश को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि विशेष रूप से युवा और छात्र वर्ग सड़क दुर्घटनाओं का अधिक शिकार हो रहे हैं, इसलिए उनमें जागरूकता लाना बेहद आवश्यक है। हेलमेट को लेकर फैली भ्रांतियों पर उन्होंने कहा कि बाल झड़ने के डर से हेलमेट न पहनना बेहद खतरनाक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्घटना के समय हेलमेट ही जीवन बचाने वाला सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। कार्यक्रम में कुकटपल्ली लॉ एंड ऑर्डर एसएचओ के.वी. सुब्बाराव, ट्रैफिक एसएचओ तिम्मप्पा, स्कूल के छात्र-छात्राएं, पुलिसकर्मी तथा विद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री सत्यसाईं जिले में ब्लास्ट से 4 की मौत, 18 घायलों में एक की हालत गंभीर

अमरावती, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाईं जिले में एक ब्लास्ट में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में भी एक बुजुर्ग की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने बताया कि हादसा बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे कम्मालवांदला पल्ली गांव के एक घर में हुआ। ब्लास्ट इतना भीषण था कि इसकी चपेट में दो घर ढह गए। शुरुआती जांच में इसे गैस सिलेंडर ब्लास्ट बताया जा रहा है, लेकिन धमाके की तीव्रता को देखते हुए इसके पीछे अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिस घर में यह विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के मजदूर रह रहे थे। फिलहाल घटना के कारणों की जांच जारी है।

सोशल मीडिया ट्रेंड्स के पीछे न भागें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें: डॉ. एम. रमेश

यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा संचालित ''अराइव अलाइव'' सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत मादापुर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित केएलएच यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ एक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने भाग लिया और छात्रों को सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आजकल युवा सोशल मीडिया ट्रेंड्स के पीछे अधिक भाग रहे हैं, जहां आईपीएल टीमों और फिल्मी सितारों को लेकर अत्यधिक चर्चा होती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये सेलिब्रिटी कभी हमारी व्यक्तिगत सुरक्षा के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि केवल परिवार, मित्र और समाज ही हमारे हितैषी होते हैं, इसलिए हमें उनके लिए जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। सीपी ने छात्रों को सलाह दी कि मोबाइल फोन उनके नियंत्रण में होना चाहिए, न कि वे मोबाइल के गुलाम बनें। विशेष रूप से वाहन चलाते समय या सड़क पर चलते समय मोबाइल का उपयोग पूरी तरह से बंद करने की हिदायत दी। उन्होंने छात्रों से अपने कीमती समय को करियर और भविष्य निर्माण पर केंद्रित करने की अपील की। सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता को समझाते हुए डॉ. एम. रमेश ने छात्रों से उनके व्यक्तिगत अनुभव साझा करने को कहा, जिस पर कई छात्रों ने अपने जीवन से जुड़े दर्दनाक अनुभव बताए। छात्रा दीक्षित ने बताया कि वर्ष 2001 में उनके पिता एक भीषण सड़क दुर्घटना का शिकार हुए, जिसमें उन्होंने अपने दोनों पैर खो दिए। इस घटना ने उनके परिवार को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से गहरा आघात पहुंचाया। उन्होंने कहा कि एक छोटी सी लापरवाही कितना बड़ा नुकसान कर सकती है, यह उन्होंने स्वयं अनुभव किया है।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, सुरेश कुमार अग्रवाल, अशोक लखोटिया, दीपक कुमार सराईवाला, प्रमोद कुमार सराईवाला, अशोक कुमार सराईवाला, सुभाष कुमार, सुरेश कुमार अग्रवाल आदि सम्मिलित हुए।

यातायात सिग्नल लगाने पर छात्रों ने पुलिस का जताया आभार

मंचेरियल, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एथिक एकेडमी स्कूल के छात्रों और प्रबंधन ने शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित करने के लिए पुलिस विभाग की सराहना की। बुधवार को छात्रों ने डीसीपी ए. भास्कर से मुलाकात कर उन्हें हाथ से बने चित्र और धन्यवाद पत्र भेंट किए। इस दौरान छात्रों ने कहा कि सिग्नल लगने से उन्हें यातायात नियमों को समझने में काफी मदद मिली है। पहले जो बातें केवल किताबों, कहानियों और कक्षा तक सीमित थीं, अब वे उन्हें व्यवहारिक रूप से सीख पा रहे हैं। स्कूल के निदेशक एन.एस. चरण रेड्डी ने कहा कि पुलिस की यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

पालतू कुत्ते को लेकर दो अधिकारियों में विवाद, मामला पुलिस तक पहुंचा

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स में एक पालतू कुत्ते को लेकर दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के बीच हुआ विवाद पुलिस मामले में बदल गया। यह घटना 13 अप्रैल को रोड नंबर 10 स्थित आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के क्वार्टर में हुई। आईआरएस अधिकारी नितिका सिंह ने अपने पड़ोसी आईएफएस अधिकारी सुथन एसपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, विवाद उस समय शुरू हुआ जब सिंह के पालतू कुत्ते ने कथित तौर पर सार्वजनिक स्थान के पास गंदगी कर दी। इस पर आपत्ति जताते हुए सुथन ने घर के कर्मचारियों से बहस की और कथित रूप से आक्रामक व्यवहार किया।

आरोप है कि उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाया, दरवाजे पटकते रहे और स्थिति बिगड़ने पर बाहर रखे गमलों को तोड़ दिया तथा कुछ सामान फेंका। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया और धमकी भरे अंदाज में बात की। शिकायत मिलने के बाद बंजारा हिल्स पुलिस ने सार्वजनिक उपद्रव, दुर्व्यवहार और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बकाया बिलों से सिंगारेनी कंपनी पर बढ़ा आर्थिक संकट

पेद्दापल्ली, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोयला उत्पादन में बेहतर प्रदर्शन कर रही सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) पर बिजली उत्पादन इकाइयों के बकाया बिलों के कारण आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। विभिन्न राज्यों की बिजली कंपनियां समय पर भुगतान नहीं कर रही हैं, जिससे कंपनी को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, एससीसीएल से कोयला खरीदने वाली बिजली इकाइयों पर कुल करीब 21,303 करोड़ रुपये बकाया हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.eT-BR-WAT-06-2026, दिनांक : 06.04.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/पुल/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर/पुल/रायगड़ा के स्थायी केन्द्रीय निरीक्षण पाथवे, निरीक्षण सीढ़ी, बीयरिंग निरीक्षण की व्यवस्था एवं अन्य विविध कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 1,61,07,679.89, EMD(रुपये में) : 3,22,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 30.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-49/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पॉइंट्स टेबल में सीएसके की दमदार वापसी
8 स्थान पर लगाई छलांग, केकेआर का बुरा हाल

आयपीएल 2026 पॉईंट्स टेबल

	संघ	मॅच	विजय	पराभव	NRR	गुण
1	राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	+0.889	8
2	पंजाब किंग्स	4	3	0	+0.720	7
3	रॉयल्स चॅलेंजर्स बंगळुरु	4	3	1	+1.148	6
4	सनरायझर्स हैद्राबाद	5	2	3	+0.576	4
5	दिल्ली कॅपिटल	4	2	2	+0.322	4
6	गुजरात टायटन्स	4	2	2	-0.029	4
7	लखनऊ सुपर जायंट्स	4	2	2	-0.427	4
8	चेन्नई सुपर किंग्स	5	2	3	-0.846	4
9	मुंबई इंडियन्स	4	1	3	-0.772	2
10	कोलकत्ता नाईट रायडर्स	5	0	4	-1.383	1

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के 22वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को एमए चिदंबरम स्टेडियम में आसानी से हरा दिया. इस मुकाबले में चेन्नई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 192 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया. जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 160 रनों पर सिमट गई और 32 रनों से मैच हार गई. यह जीत चेन्नई सुपर किंग्स के लिए काफी अहम साबित हुई. सीजन के शुरुआती तीन मैचों में लगातार हार झेलने के बाद अब सीएसके ने शानदार वापसी की है और लगातार दूसरी जीत हासिल की. इस जीत से टीम का मनोबल काफी ऊंचा हो गया है.

पॉइंट्स टेबल में सीएसके को हुआ फायदा

कोलकाता नाइट राइडर्स को हराने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स को पॉइंट्स टेबल में भी फायदा हुआ है. चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अब 8वें स्थान पर पहुंच गई है. इससे पहले वह 9वें स्थान पर थी. 5 मैचों में 2 जीत और 3 हार के साथ चेन्नई के पास 4 पॉइंट्स हो गए हैं. हालांकि नेट रन रेट अभी भी -0.846 का बना हुआ है, जो टीम के लिए बड़ी टेंशन है. चेन्नई सुपर किंग्स को आने वाले मैचों में एक बड़ी जीत की जरूरत है, ताकी वह नेट रन रेट को पॉजिटिव में बदल सके.

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए यह सीजन अभी तक निराशाजनक रहा है. 5 मैचों में अब तक उन्हें एक भी जीत नहीं मिली है और वह पॉइंट्स टेबल के सबसे नीचे हैं. कोलकाता नाइट राइडर्स ने इन 5 मैचों में से 4 में हार का सामना किया है. वहीं, 1 मैच बारिश के चलते रद्द हुआ है, जिसकी वजह से केकेआर के 1 पॉइंट है और उसका नेट रन रेट -1.383, जो इस सीजन में बाकी टीमों के मुकाबले सबसे ज्यादा खराब है.

टॉप में इन टीमों का दबदबा

राजस्थान रॉयल्स की टीम 5 मैचों में 4 जीत और 8 पॉइंट्स के साथ टॉप पर बनी हुई है. वहीं, पंजाब किंग्स 4 मैचों में 3 जीत और 7 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है. पंजाब का भी एक मैच बारिश के चलते रद्द हुआ था. इनके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 4 मैचों में से 3 जीते हैं और वह तीसरे नंबर पर बनी हुई है. दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद 5 मैचों में 2 जीत के साथ चौथे नंबर पर है. दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी 4 में से 2-2 मैच जीते हैं.

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना
चेन्नई के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते कार्रवाई

सीजन की पहली गलती

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के 22वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर स्लोओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच के दौरान कोलकाता की टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई थी। आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण बीसीसीआई ने कप्तान पर यह एक्शन लिया है।

केकेआर का सीजन का यह पहला स्लोओवर रेट है

मैच के बाद जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीजन का पहला अपराध था।

नियमों के अनुसार, सीजन की पहली गलती होने के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर केवल 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया। अगर टीम दोबारा ऐसी गलती करती है, तो जुर्माने की रकम बढ़ जाएगी और टीम के अन्य खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का जुर्माना लग सकता है।

क्या है स्लो ओवर रेट का नियम?

आईपीएल के नियमों के अनुसार, हर टीम को 20 ओवर फेंकने के लिए एक निश्चित समय (डेढ़ घंटा या 90 मिनट, जिसमें रणनीतिक ब्रेक शामिल हैं) दिया जाता है। अगर पारी खत्म होने तक टीम निर्धारित समय से पीछे रहती है, तो इसे 'स्लो ओवर रेट' माना जाता है। फील्ड पर मौजूद अंपायर और मैच रेफरी इसकी मॉनिटरिंग करते हैं। कप्तान की जिम्मेदारी होती है कि वह खेल की रफ्तार बनाए रखे।

अगली गलती पर लग सकता है बैन

आईपीएल नियमों के मुताबिक, अगर रहाणे की टीम सीजन में दूसरी बार स्लो ओवर रेट की गलती करती है, तो कप्तान पर 24 लाख रुपये और टीम के बाकी सदस्यों पर मैच फीस का 25% या 6 लाख रुपये (जो भी कम हो) जुर्माना लगेगा। वहीं, तीसरी बार ऐसा होने पर कप्तान पर 30 लाख का जुर्माना और एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में सट्टेबाजी के विज्ञापनों पर रोक

लंदन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। खेलों में सट्टेबाजी के बढ़ते चलन और इसके लुभावने विज्ञापनों के बीच, एक ताजा रिपोर्ट ने इसके मनोवैज्ञानिक और आर्थिक खतरों को उजागर किया है। इंग्लिश प्रीमियर लीग के क्लबों द्वारा सट्टेबाजी स्पॉन्सरशिप पर रोक के बाद हो रहे वित्तीय नुकसान की शिकायतों के बीच, ब्रिटेन के एक वरिष्ठ खेल पत्रकार ने बेटिंग की वास्तविकता परखने के लिए एक प्रयोग किया, जिसके नतीजे चौंकाने वाले रहे हैं। प्रीमियर लीग में अगले सीजन से खिलाड़ियों की जर्सी के फ्रंट पर सट्टेबाजी कंपनियों के विज्ञापन देने पर स्वैच्छिक रोक लगाई जा रही है। इस फैसले के बाद नौ से ज्यादा क्लबों ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें सट्टेबाजी कंपनियों के बराबर पैसे देने वाले अन्य स्पॉन्सर नहीं मिल रहे हैं, जिससे उन्हें करोड़ों का नुकसान हो रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का तर्क है कि सट्टेबाजी उद्योग का यह भारी-भरकम मुनाफा सीधे तौर पर आम फैंस की जेब से आता है, जो दांव लगाने की लत का शिकार हो रहे हैं। क्या खेलों की अच्छी समझ होने पर सट्टेबाजी से सुरक्षित तरीके से पैसा कमाया जा सकता है? यह जांचने के लिए ब्रिटिश खेल पत्रकार ने एक सोशल एक्सपेरिमेंट किया।

देश के लिए दुश्मनी ले रहे हैं गौतम गंभीर
ऐसा हुआ तो टीम इंडिया को संभालना हो जाएगा मुश्किल : मुनाफ पटेल

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर एक धधकता बयान सामने आया है. इस बयान को देने वाले भारत के पूर्व तेज गेंदबाज और गंभीर की तरह 2011 वनडे वर्ल्ड कप की चैंपियन टीम के सदस्य रहे मुनाफ पटेल हैं. दाएं हाथ के इस दिग्गज भारतीय गेंदबाज ने गौतम गंभीर की कोचिंग और उनके अंदाज की तारीफ की है. उन्होंने कहा कि टीम इंडिया को गंभीर जैसा ही हेड कोच चाहिए. उन्होंने टीम इंडिया को संभाले रखा है.

टीम इंडिया को संभालना होगा मुश्किल, अगर...

मुनाफ पटेल ने गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग पर कहा कि एक बात याद रख लेना, गौतम गंभीर जैसा हेड कोच हट गया ना तो टीम इंडिया के प्लेयर्स को हैंडल करना मुश्किल हो जाएगा. मुनाफ पटेल ने कहा कि खिलाड़ियों में उनका डर है. सबको पता है कि अगर कुछ किया तो ये टीम से ड्रॉप भी कर सकता है. टीम पर उसका 100 पर्सेन्ट कंट्रोल है. वो खिलाड़ियों का दोस्त नहीं कोच है.

देश के लिए कितनों से दुश्मनी ले रहे गंभीर?

मुनाफ पटेल ने आगे बताया कि गौतम गंभीर सच को सच बोलने वाला इंसान है. हर किसी को पसंद नहीं आता है. जब उनसे पूछा गया कि टीम में विराट और रोहित जैसे सुपरस्टार हैं, इस लेवल पर क्या ही कोचिंग कर लोगे? मुनाफ पटेल ने कहा कि वो सुपरस्टार हैं फिर भी टीम को गौतम गंभीर अच्छे से चला रहे हैं. उन बड़े नामों को मैनेज करना ही बड़ी बात है. विराट और रोहित को किसी एक चीज के लिए कोई ना करके दिखा दे. गंभीर ऐसा कर सकते हैं. तो आप सोचो कि वो देश के लिए, कोचिंग के लिए, कितनों से दुश्मनी मोल ले रहे हैं.

2028 तक बढ़ सकता है गंभीर का करार

हेड कोच के तौर पर टीम इंडिया के साथ गौतम गंभीर का करार 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक का है. लेकिन, ऐसी रिपोर्ट है कि उनके इस कार्यकाल में बढ़ोत्तरी हो सकती है. रिपोर्ट के मुताबिक गंभीर खुद अपना कार्यकाल 2028 में होने वाले T20 वर्ल्ड कप तक बरकरार रखने के मूड में है. इतना ही नहीं पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक तब तक के लिए सूर्यकुमार यादव कप्तानी में उनकी पहली पसंद भी है. हालांकि, ये इस पर निर्भर करेगा कि उससे पहले होने वाली टी20 सीरीज में सूर्यकुमार का बल्ला कैसा गरजता है?

आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में एंट्री के लिए मुंबई इंडियंस को जीतने होंगे 7 मैच
पांड्या पर बढ़ गया है दबाब

मुंबई इंडियंस को करना होगा कमबैक

मुंबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस की टीम लगातार खराब प्रदर्शन कर रही है. जिसके कारण ही टीम पर बहुत ज्यादा दबाव बढ़ गया है. मुंबई की टीम में कई मैच विनर खिलाड़ी नजर आ रहे हैं, लेकिन उसमें से कई फॉर्म में नहीं हैं. जिसके कारण ही टीम मुश्किल में नजर आ रही है. उसके बाद भी अगर टीम को प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करनी है, तो उन्हें आने वाले मैचों में शानदार कमबैक करना होगा. मुंबई की टीम अपना अगला मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने वाली है.

हार्दिक पांड्या की टीम को अब तक 4 में से सिर्फ एक मुकाबले में ही जीत मिली है. ऐसे में उनके पास अभी सिर्फ 2 पॉइंट ही हैं. ऐसे में प्लेऑफ की राह बड़ी मुश्किल नजर आ रही है. अगर टीम को प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करनी है, तो उन्हें बाकी बाचे 10 मैचों में से 7 मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी. फिलहाल मुंबई की फॉर्म पर नजर डाले तो ऐसा कर पाना बहुत ही मुश्किल नजर आ रहा है. हालांकि इससे पहले मुंबई इंडियंस की टीम कई बार शुरुआती मैचों में हारने के बाद भी प्लेऑफ में एंट्री कर चुकी है. इतना ही नहीं वो ट्रॉफी भी उठा चुके हैं.

विराट कोहली को 5 बार किया आउट : एलएसजी के खिलाफ आरसीबी को शमी की आग उगलती गेंदों का डर

खेल डेस्क, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सबसे बड़े बल्लेबाज हैं. आईपीएल 2026 में उनके ऊपर अपनी टीम को हर मैच में बेहतरीन स्टार्ट दिलाने की जिम्मेदारी है. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में भी आरसीबी की चाहत अपने सुपरस्टार से यही होगी. लेकिन बड़ा सवाल ये है कि क्या वो ऐसा कर पाएंगे? ऐसा इसलिए क्योंकि मोहम्मद शमी की चुनौती उनके सामने होगी, जिन्होंने बेंगलुरु में होने वाले आरसीबी बनाम एलएसजी मैच से पहले उन्हें 5 बार आउट किया है.

टी20 में विराट बनाम शमी

विराट कोहली के खिलाफ मोहम्मद शमी का T20 में जबरदस्त रिकॉर्ड है. टी20 में अब तक विराट कोहली और मोहम्मद शमी का 12 बार आमना -सामना हुआ है. उन 12 पारियों ने विराट कोहली ने शमी के खिलाफ 138.96 की स्ट्राइक रेट के साथ 107 रन बनाए हैं. लेकिन, इस दौरान शमी ने विराट को 5 बार आउट भी किया है. T20 क्रिकेट में शमी के खिलाफ विराट का ये डराने वाला आंकड़ा आईपीएल से जुड़ा है.

आईपीएल 2026 में शमी की बॉलिंग असरदार

विराट कोहली के खिलाफ शमी के इसी शानदार रिकॉर्ड को देखकर आरसबी अपने होम ग्राउंड बेंगलुरु में खेलने के बावजूद भी थोड़ी सकते में है. मोहम्मद शमी के सामने विराट कोहली को सावधान रहने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आईपीएल 2026 में उनकी गेंदबाजी असरदार दिख रही है. शमी ने अब तक खेले 4 मैचों में विकेट ज्यादा भले ना लिए हों. मगर उनकी इकॉनमी 6.25 की ही रही है.

शमी की चुनौती पार कर विराट बनाएंगे ये रिकॉर्ड!

एलएसजी के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली जब उतरेंगे तो उनके सामने कुछ नायाब रिकॉर्ड बनाने का भी मौका होगा. आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज बनने से वो बस 10 चौके दूर हैं. तो वहीं अपने 300वें छक्के से वो 2 कदम की दूरी पर हैं. विराट कोहली का इन सारी उपलब्धियों को हासिल करना इसी पर निर्भर करेगा कि वो मोहम्मद शमी को कैसे खेलते हैं?

उनके ऊपर कैसे हावी होते हैं? सीधे शब्दों में कहें तो आरसीबी बनाम एलएसजी के मुकाबले में एक मुकाबला विराट बनाम शमी का भी है.

पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने फिर उगला भारत के खिलाफ झूठ
तो पाकिस्तानी मीडिया ने ही निकाल दी हेकड़ी!

मोहसिन नकवी ने भारत के खिलाफ उगला झूठ

इस्लामाबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मीडिया ने नकवी के बयान के बाद अपने देश में गैस और बिजली की समस्याओं पर रिपोर्ट किया, जिससे पता चला कि पाकिस्तान में ही ऐसी समस्याएं मौजूद हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी अपने किसी न किसी बयान के कारण विवादों में रहते हैं. अब पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान उनका भारत को लेकर एक बयान चर्चा का विषय बना है.

उन्होंने पीएसएल के खाली स्टेडियम को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देने के बजाय भारत में पेट्रोल की समस्या होने का दावा किया. भारत के खिलाफ झूठ फैलाना अब उन्हें ही भारी पड़ा है, क्योंकि पाकिस्तानी मीडिया ने दिखा दिया कि उनके देश में कितनी समस्या चल रही है.

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आयोजन बिना दर्शकों के किया जा रहा है, जबकि आईपीएल में हजारों की तादाद में लोग स्टेडियम में आ रहे हैं. कुछ हफ्ते पहले जब पीएसएल को खाली स्टेडियम में कराने का ऐलान हुआ था, तब इसके पीछे का कारण देश में फ्यूल की कमी को बताया गया था. हालांकि, जब मोहसिन नकवी से सवाल पूछा गया कि आईपीएल में हजारों दर्शक आ रहे हैं और पीएसल खाली स्टेडियम में हो रहा है, तो उन्होंने भारत के बारे में झूठ फैलाने में कोई समय नहीं गंवाया. उन्होंने कहा, 'हमारी स्थिति कुछ और है. उनके पेट्रोल पंप पर लंबी-लंबी लाइन लगी है. वहां पर फ्यूल की कमी है. आपको यह समस्या नहीं हो रही है. स्थिति के हिसाब से बदलाव करने पड़ते हैं.' सोशल मीडिया पर लोग मोहसिन नकवी के बयान का मजाक उड़ा रहे हैं और बता रहे हैं कि भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है. भारत में अप्रैल 2026 तक पेट्रोल की सप्लाई को लेकर कोई दिक्कत नहीं है. नकवी के बयान के बाद एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जहां पाकिस्तानी मीडिया ने अपने देश में गैस और बिजली की समस्या के बारे में लोगों से पूछा. लोगों ने बताया कि गैस की समस्या ने पाकिस्तानी आवाम को परेशान कर रखा है और खाना बनाने में भी समस्या हो रही है. इससे पता चलता है कि नकवी सिर्फ बातों को घुमाना ही जानते हैं.

माराडोना की मौत मामले में फिर जांच शुरू हो रही
मेडिकल टीम पर इलाज में लापरवाही के आरोप; पहला ट्रायल रद्द हुआ था

ब्यूनस आयर्स, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। फुटबॉल दिग्गज डिएगो माराडोना की मौत के मामले की जांच दोबारा शुरू हो रहा है। उनकी मेडिकल टीम पर सही इलाज न देने और लापरवाही बरतने के आरोप हैं। मई 2025 में शुरू हुआ पहला ट्रायल उस समय रद्द कर दिया गया था, जब एक जज पर कोर्ट में बिना अनुमति डॉक्यूमेंट्री शूट कराने का आरोप लगा। अब नए जजों के सामने सुनवाई शुरू होगी।

माराडोना को फुटबॉल इतिहास के महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने 1986 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना को जीत दिलाई थी और 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के लिए भी जाने जाते हैं। माराडोना की 25 नवंबर 2020 को 60 साल की उम्र में मौत हुई थी। वे ब्रेन ब्लड क्लॉट की सर्जरी के बाद घर पर रिकवर कर रहे थे। पोस्टमॉर्टम में दिल का दौरा और फेफड़ों में पानी भरने को मौत की वजह बताया गया।

इस मामले में मेडिकल टीम के 7 सदस्य ट्रायल का सामना कर रहे हैं। इन पर 'कुलपेबल होमिसाइड' का केस दर्ज है। दोषी पाए जाने पर उन्हें 8 से 25 साल तक की सजा हो सकती है। जांच में सामने आया कि टीम को माराडोना की गंभीर हालत की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने जरूरी कदम नहीं उठाए।

मेडिकल एक्सपर्ट्स ने उनके इलाज को 'लापरवाह और अपर्याप्त' बताया। ट्रायल में करीब 100 गवाहों के बयान होंगे, जिनमें उनकी बेटियां भी शामिल हैं। यह सुनवाई जुलाई तक चल सकती है। मैराडोना ने फुटबॉल करियर में 312 गोल किए। उन्होंने इंटरनेशनल करियर में 91 मैच खेले, जिसमें 34 गोल किए।

बार्सिलोना चैंपियंस लीग से बाहर हुई
एटलेटिको मैड्रिड ने 3-2 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

बार्सिलोना, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराया, लेकिन कुल स्कोर 3-2 रहने से टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पहले लेग में एटलेटिको ने 2-0 की जीत हासिल की थी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। इस जीत की बदौलत वह एग्रीगेट स्कोर पर 3-2 से आगे रही। एटलेटिको मैड्रिड 2017 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। अब अगले दौर में उनका मुकाबला आर्सेनल या स्पोर्टिंग लिस्बन में से किसी एक से होगा।

मैच के शुरुआती 24 मिनटों में ही बार्सिलोना ने दो गोल कर बढ़त बना ली थी। चौथे मिनट में ही युवा खिलाड़ी लेमिन यमल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने एटलेटिको के डिफेंडर क्लेमेंट लेंगलेट की गलती का फायदा उठाया। इसके बाद 24वें मिनट में फेरान टॉरेस ने दानी ओल्मो के पास पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन एटलेटिको मैड्रिड ने हार नहीं मानी और मैच में वापसी की। मैच का सबसे अहम मोड़ 31वें मिनट में आया। मार्कोस लोरेंटे के पास पर एडमोला लुकमैन ने एटलेटिको के लिए गोल किया। यह गोल एग्रीगेट स्कोर के लिहाज से निर्णायक साबित हुआ।

एक्सेलसन ने पेशेवर बैडमिंटन से लिया संन्यास
दो-दो बार ओलंपिक और विश्व चैंपियन रह चुके

कोपेनहेगन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन ने पीठ की गंभीर चोट के चलते 32 साल की उम्र में बैडमिंटन से संन्यास ले लिया। शानदार करियर के दौरान उन्होंने ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप और कई बड़े खिताब जीते और लंबे समय तक नंबर-1 खिलाड़ी रहे।

दुनिया के दिग्गज शटलर और दो बार के ओलंपिक और दो बार के विश्व चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 32 साल की उम्र में लिया गया यह फैसला खेल जगत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। एक्सेलसन ने यह निर्णय लंबे समय से चल रही पीठ की गंभीर चोट के कारण लिया, जिसने पिछले दो वर्षों से उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया था।

एक्सेलसन ने अपने संन्यास के पीछे की वजह साफ करते हुए कहा कि अब उनका शरीर उन्हें खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर संन्यास का एलान करते हुए लिखा, 'जैसा कि ज्यादातर लोग जानते हैं, मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में मेरी सर्जरी हुई थी और उसके बाद लंबा रिहैबिलिटेशन चला, लेकिन अक्तूबर में मुझे फिर से झटका लगा। तब से मैं उस स्तर पर खेल या ट्रेनिंग नहीं कर पा रहा हूं, जैसा जरूरी है। दर्द की वजह से मैं खेल नहीं पा रहा हूं और इसी कारण मुझे यह बेहद कठिन फैसला लेना पड़ा।'

एक्सेलसन ने बताया कि यह फैसला उन्होंने डॉक्टरों और सर्जन की सलाह के बाद लिया है। उन्होंने कहा, 'यह फैसला मैंने अपने सर्जन और डॉक्टरों से सलाह लेकर लिया है। उनका कहना है कि जिस तरह का दर्द मैं अभी महसूस कर रहा हूं, उसमें फिर से सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। अगर वह सफल नहीं होती, तो और गंभीर ऑपरेशन करना पड़ सकता है। ऐसे में मैं उस स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगा। यह मेरा शरीर है जो मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे डॉक्टरों की सलाह माननी होगी।'

पर्यटन क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है सरकार : भट्टी

सत्तुपल्ली में पुलिगुंडाला इको-टूरिज्म हब का उद्घाटन

पावर सब स्टेशन के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को खम्मम जिले के सत्तुपल्ली विधानसभा क्षेत्र में पुलिगुंडाला इको-टूरिज्म परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने परियोजना के तहत विकसित किए गए कॉटेज, बोटिंग सुविधाएं और जंगल सफारी का भी शुभारंभ किया। बाद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने इको-टूरिज्म के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पर्यटन क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और तेलंगाना की प्राकृतिक सुंदरता को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार बनने के बाद प्रस्तुत पहले ही बजट में इको-टूरिज्म के विकास पर विशेष जोर दिया गया था और खम्मम जिले के कनकागिरी क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए बजट में पहले ही धन आवंटित किया जा चुका है। स्थानीय विधायक मट्टा रागमयी दयानंद ने बताया कि पुलिगुंडाला झील के पर्यटन विकास के लिए 4 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इस पर उपमुख्यमंत्री ने ग्रीन फंड से 2 करोड़ रुपये तथा शेष 2 करोड़ रुपये सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा, ''कनकागिरी तक पर्यटकों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए डबल रोड का निर्माण प्रस्तावित है और जिला कलेक्टर को तत्काल प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा तय कर सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय होटलों एवं छोटे व्यवसायों को भी लाभ मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पर्यटन विकास प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किए बिना किया जाना चाहिए और सरकार राज्य भर में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिगुंडाला परियोजना, कनकागिरी पहाड़ियां और कल्लूर पहाड़ियां को एकीकृत कर एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह क्षेत्र न केवल राज्य बल्कि देश भर में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक सभी धनराशि बिना किसी विलंब के स्वीकृत करने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने सभी से इस परियोजना को साझा संपत्ति मानते हुए इसे राज्य और देश के गौरव का विषय बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। इसी क्रम में सत्तपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नारायणपुरम गाँव में, लगभग 2.75 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाले पावर सब स्टेशन के निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य नारायणपुरम और उसके आस-पास के क्षेत्रों के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस सबस्टेशन के माध्यम से, स्थानीय किसान समुदाय और आम जनता को बेहतर बिजली सुविधाएँ उपलब्ध हो।

कार्यक्रम में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सत्तुपल्ली विधायक मट्टा रागमयी दयानंद, वायरा विधायक मलोथ रामदास नाइक, जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, पीसीसीएफ अधिकारी सुवर्णा, सीसीएफ भीमनायक, एफएफओ खम्मम विक्रम सिंह, कल्लूर उप-कलेक्टर अजय यादव, डीसीसी अध्यक्ष नूथी सत्यानारायण, कॉरपोरेशन चेयरमैन नायडू सत्यानारायण, रायला नागेश्वर राव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

एफसीआरए संशोधन विधेयक पर ईसाई नेताओं ने जताई चिंता

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर एकत्रित हुए करीब 40 प्रमुख ईसाई नेताओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधियों ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर चिंता जताई, जिसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

एक बयान में नेताओं ने कहा कि यह विधेयक संवैधानिक रूप से त्रुटिपूर्ण है और इसमें एक अतिरिक्त-संवैधानिक 'नामित प्राधिकरण' को व्यापक शक्तियां देने का प्रस्ताव है। यह प्राधिकरण एफसीआरए लाइसेंस जारी करने, अस्वीकार करने या रद्द करने के साथ ही उन संस्थानों पर नियंत्रण कर सकता है, जिनके लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि गृह मंत्रालय के अपारदर्शी कामकाज के कारण वर्ष 2016 से विभिन्न ईसाई संगठनों को बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के एफसीआरए लाइसेंस के नवीनीकरण से वंचित किया जा रहा है। बयान में कहा गया कि देशभर में, विशेष रूप से तेलंगाना में, ईसाई समुदाय इन प्रस्तावित संशोधनों का विरोध कर रहा है। नेताओं ने तेलंगाना सरकार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से इन संशोधनों को खारिज करने की मांग की। साथ ही उन्होंने संवैधानिक मूल्यों, अल्पसंख्यक अधिकारों और समाज सेवा में लगे संस्थानों की रक्षा के लिए सरकार से आगे आने का आह्वान किया।

म्यूज़ियम की कलात्मक खज़ानों को सहेजने में अहम भूमिका : राज्यपाल

सालार जंग म्यूज़ियम में 'वर्ण मैत्री' कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि प्रदर्शनी में प्रदर्शित वॉटरकलर पेंटिंग्स कलाकार रुमाले चेन्नवासय्या के प्रकृति के प्रति गहरे प्रेम का प्रतीक हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद राज्यपाल ने बुधवार को यहाँ सालार जंग म्यूज़ियम में 'वर्ण मैत्री: रुमाले चेन्नवासय्या की पेंटिंग्स का एक रेट्रोस्पेक्टिव' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, सालार जंग म्यूज़ियम और रुमाले आर्ट हाउस, बेंगलुरु ने मिलकर किया था। पेंटिंग्स देखने के बाद उन्होंने उन्हें ''बेहद खूबसूरत'' बताया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि सालार जंग म्यूज़ियम, जो हैदराबाद की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, कलात्मक खज़ानों को सहेजने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ''जब भी हैदराबाद का ज़िक्र होता है, तो चारमीनार के साथ-साथ सालार जंग म्यूज़ियम का नाम भी ज़हन में आता है। इस प्रतिष्ठित संस्थान के अध्यक्ष के तौर पर यह मेरी पहली यात्रा है, और मुझे खुशी है कि यह पूरी लगन से अमूल्य कला और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा कर रहा है।'' राज्यपाल ने कहा कि वैश्वीकरण के इस दौर में, अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए म्यूज़ियम बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद विविध संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों का संगम है, और यह शहर हमें सिखाता है कि विविधता में एकता ही हमारी सांस्कृतिक पहचान की असली ताकत और बुनियाद है। उन्होंने आगे कहा, ''कला में दिलों को छूने और भावनाओं में जान डालने की एक अनोखी शक्ति होती है।'' रुमाले चेन्नवासय्या की तारीफ करते हुए, जिन्हें उनकी अनोखी शैली और कौशल के कारण लोगों का दिल जीतने वाला एक महान कलाकार माना जाता है, राज्यपाल ने कहा कि उनके काम प्रकृति और आध्यात्मिकता के प्रति गहरे प्रेम का एक सुंदर संगम दर्शाते हैं। उन्होंने कलाकार की स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी और अपनी कला के माध्यम से देशभक्ति की भावना जगाने के उनके प्रयासों को भी याद किया। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा, ''आज के युवाओं को उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए।'' सालार जंग म्यूज़ियम की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम पर खुशी ज़ाहिर करते हुए, राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि ऐसी प्रेरणादायक प्रदर्शनियाँ और शैक्षिक पहलें भविष्य में भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कला संस्थानों के साथ सहयोग से इस क्षेत्र को और अधिक समृद्ध बनाने में मदद मिलेगी, और उन्होंने ऐसे सभी प्रयासों के लिए अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। बाद में, राज्यपाल ने सालार जंग संग्रहालय के प्लेटिनम जुबली लोगो और पोस्टर का अनावरण किया।

स्कूल की जमीन बचाने को लेकर विरोध प्रदर्शन, सरकार से हस्तक्षेप की मांग

संगारेड्डी, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विद्या परिरक्षण समिति (टीवीपीसी) ने सरकार से पटांचेरु स्थित जिला परिषद हाई स्कूल की जमीन की रक्षा करने की मांग की है। हाल ही में 7 अप्रैल को स्कूल की जर्जर इमारत और उसकी सीमा को ध्वस्त कर दिया गया था। बुधवार को टीवीपीसी और स्कूल के पूर्व छात्रों ने पटांचेरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने एनएच-65 पर स्थित एमआरओ कार्यालय तक रैली निकाली और वहां प्रदर्शन करने के बाद ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर टीवीपीसी के सह-संस्थापक और पूर्व शिक्षक वाई अशोक कुमार ने बताया कि भवन जर्जर होने के कारण स्कूल को करीब 13 वर्ष पहले प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने खाली पड़ी इस जमीन पर दावा करते हुए अदालत में मुकदमा दायर किया है।

उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय की अनुमति से जमीन के चारों ओर चारदीवारी का निर्माण कराया है। साथ ही सरकार से इस मामले की पैरवी के लिए एक सक्षम वकील नियुक्त करने की मांग की। अशोक कुमार ने सरकार से 2.20 एकड़ जमीन पर आधुनिक सरकारी स्कूल भवन बनाने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिक्रमणकारियों ने लगभग 9 गुंटा जमीन पर झोपड़ियां बनाकर कब्जा कर लिया है और इसे हटाने की आवश्यकता है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने नालसर में संभाली जिम्मेदारी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एनएएलएसएआर विधि विश्वविद्यालय के छात्र और शोधार्थी अब भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई से सीधे विधि की शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर का पद संभाल लिया है। नवंबर 2025 में सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति गवई ने दिसंबर 2025 में इस पद को स्वीकार किया। मंगलवार को विश्वविद्यालय की अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने यह जिम्मेदारी बिना वेतन के स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की विरासत से जुड़ना किसी भी आर्थिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है। डॉ. अंबेडकर स्मृति व्याख्यान देते हुए न्यायमूर्ति गवई ने सतत विकास और वास्तविक समानता: एक संवैधानिक संवाद विषय पर विचार रखे। उन्होंने विकास और समानता के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि वास्तविक समानता के बिना विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर किए बिना समानता के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर चेयर के लिए बनाए गए कार्यालय का उद्घाटन भी किया, जिससे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

35 टन पीडीएस चावल की तस्करी पकड़ी, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए शमीरपेट के पास आउटर रिंग रोड पर 35 टन पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के चावल की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर मंगलवार रात एक ट्रक को रोककर जांच की गई, जिसमें पाया गया कि सार्वजनिक वितरण के लिए निर्धारित चावल को शमशाबाद से मध्य प्रदेश भेजा जा रहा था। जब्त किए गए चावल की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में पीडीएस आपूर्ति की अवैध हेराफेरी के पीछे सक्रिय नेटवर्क की जांच की जा रही है।

कांग्रेस पार्टी मूल रूप से महिला आरक्षण के खिलाफ : रामचंदर राव

महिला आरक्षण के समर्थन में हैदराबाद में भाजपा की स्कूटी रैली

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सशक्तिकरण और 33 प्रतिशत आरक्षण नीति के समर्थन में बुधवार को हैदराबाद में भाजपा महिला मोर्चा और युवा मोर्चा द्वारा स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने नारायणगुड़ा स्थित केशव मेमोरियल से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें सैकड़ों महिलाओं और युवाओं ने भाग लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की पहल का समर्थन किया।

सभा को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के तहत निर्वाचन संस्थाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों तक लागू होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 16 से 18 अप्रैल तक आयोजित होने वाले संसद के विशेष सत्र में इस अधिनियम पर महत्वपूर्ण चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि देशभर की महिलाएं इस ऐतिहासिक कदम के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त कर रही हैं। कांग्रेस द्वारा इस विधेयक में की गई देरी को उजागर करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के लिए विधायी आरक्षण का मुद्दा पिछले 30 वर्षों से लंबित था। उन्होंने कहा, 'यूपीए शासन के दौरान कांग्रेस पार्टी आंतरिक दबाव और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण इस विधेयक को आगे नहीं बढ़ा सकी। केवल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सभी दलों को सहमति में लाकर इस ऐतिहासिक अधिनियम को पारित कराया गया।' रामचंदर राव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस गठबंधन पर महिला आरक्षण विधेयक के क्रियान्वयन को रोकने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए देश को धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए उस पत्र को, जिसमें परिसीमन से दक्षिणी राज्यों को नुकसान होने की बात कही गई है, ''दुर्भावनापूर्ण अभियान'' करार दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का पत्र ही इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस पार्टी मूल रूप से महिला आरक्षण के खिलाफ है।

सड़क दुर्घटना में कांग्रेस नेता मोहम्मद जावेद की मौत

खम्मम, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले में खम्मम-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में खम्मम निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद जावेद (55) की मौत हो गई। बताया गया कि वह मंगलवार को खम्मम में पार्टी के नव नियुक्त पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद हैदराबाद जा रहे थे। वह टीपीसीसी सदस्य थे और खम्मम के वाईएसआर नगर स्थित रेड हिल्स क्षेत्र के निवासी थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मोथे के पास हादसे के समय जावेद खुद गाड़ी चला रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और तेज गति से डिवाइडर से टकरा गए। टक्कर के बाद कार सड़क से उतरकर किनारे खेत में जा गिरी।

हादसे में कार की छत से टकराकर वह करीब 15 फीट हवा में उछल गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सूर्यापेट के सरकारी जिला अस्पताल भेज दिया। जिला मंत्री भट्टी विक्रमार्क, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार सहित कई नेताओं ने जावेद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और परिजनों के प्रति संवेदना जताई। जावेद को भट्टी विक्रमार्क का करीबी माना जाता था और वह खम्मम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा रखते थे। टिकट न मिलने के बावजूद उन्होंने उस सीट से चुनाव लड़ने वाले मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव की जीत के लिए सक्रिय रूप से काम किया था।

नारा लोकेश टीडीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त

अमरावती, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव करते हुए मंत्री नारा लोकेश को बुधवार को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पार्टी ने साथ ही अपने पोलितब्यूरो, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समितियों के गठन की भी घोषणा की। वरिष्ठ नेता पल्ला श्रीनिवास राव को राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि नंद्याल से सांसद बी. शबरी को पार्टी की पहली महिला राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। नारा लोकेश, जो पार्टी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के पुत्र हैं, 43 वर्ष के हैं। वे एन.टी. रामाराव (एनटीआर) के पौत्र भी हैं और पार्टी के कई प्रमुख नेताओं से उनका निकट संबंध है। पार्टी के इस संगठनात्मक पुनर्गठन को टीडीपी के विकास में एक अहम मोड़ माना जा रहा है। पोलितब्यूरो, राष्ट्रीय और राज्य समितियों की घोषणा के साथ ही लोकेश के नेतृत्व में पार्टी एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। उनकी यह नियुक्ति पार्टी संचालन में स्पष्ट दिशा का संकेत देती है और आने वाले समय में नेतृत्व संरचना को मजबूत करने की ओर इशारा करती है। पार्टी नेतृत्व ने निष्ठा, समर्पण और अनुभव के आधार पर पदों का वितरण किया है। इसके तहत 29 सदस्यीय पोलितब्यूरो, 31 सदस्यीय राष्ट्रीय समिति और 185 सदस्यीय राज्य समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा, तीन नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव, 18 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा 10 नेताओं को राष्ट्रीय आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

चलती बस में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें : पुलिस

छात्राओं को यातायात नियमों की दी गई जानकारी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी को रोकने और छात्रों में यातायात अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से अबिड्स ट्रैफिक पुलिस ने आज सेंट जॉर्ज गर्ल्स ग्रामर स्कूल में 'अराइव-अलाइव' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में इंस्पेक्टर मधुसूदन, एसआई पांडुराजू तथा एसआई हनमंथा राव ने भाग लेते हुए छात्राओं को महत्वपूर्ण सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को सड़क पार करते समय पहले दाएं, फिर बाएं और पुनः दाएं देखकर यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि कोई वाहन न आ रहा हो। साथ ही, हमेशा ज़ेब्रा क्रॉसिंग, फुट-ओवर ब्रिज या सबवे का उपयोग करने पर जोर दिया गया। जहां फुटपाथ उपलब्ध नहीं है, वहां सड़क के दाईं ओर, यानी सामने से आने वाले यातायात की दिशा में चलने की सलाह दी गई, ताकि सतर्कता बनी रहे। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि सड़क पर चलते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का उपयोग जानलेवा हो सकता है, इसलिए इससे बचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कभी भी चलती बस में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें और बस से उतरने के बाद उसके पूरी तरह आगे बढ़ जाने तक सड़क पार न करें। कार्यक्रम में प्रत्येक छात्रा को जिम्मेदार नागरिक के रूप में यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या रुत लाजवंती, शिक्षिकाएं अरुंधति और मृदुला सहित लगभग 300 छात्राएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने सामूहिक रूप से 'अराइव-अलाइव' शपथ ली।

छात्रों ने 'ह्यूमन चेन' बनाकर यातायात अनुशासन का दिया संदेश

रोड सेफ्टी वीक के तहत जागरूकता अभियान आयोजित

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यव्यापी 'अराइव-अलाइव' रोड सेफ्टी वीक (13 से 18 अप्रैल) के अंतर्गत संतोष नगर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बुधवार को व्यापक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य आम जनता को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का नेतृत्व संतोष नगर ट्रैफिक इंस्पेक्टर मोहम्मद आसिफ ने किया।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में इंडो एंग्लो स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा मुख्य चौराहे पर 'ह्यूमन चेन' बनाकर यातायात अनुशासन का संदेश देना शामिल रहा। इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों ने भी छात्रों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ ली। इंस्पेक्टर मोहम्मद आसिफ ने अपने संबोधन में हेलमेट के अनिवार्य उपयोग पर जोर देते हुए ट्रिपल राइडिंग और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसी खतरनाक आदतों के प्रति चेतावनी दी। उन्होंने लोगों से शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर चिंता व्यक्त करते हुए अभिभावकों से अधिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, यातायात नियमों का पालन पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपने परिवार की सुरक्षा और बच्चों के भविष्य के लिए करें। सुरक्षित घर पहुंचना ही 'अराइव-अलाइव' का मुख्य उद्देश्य है।'' इस अवसर पर पुलिस अधिकारी तथा विद्यालय प्रबंधन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

नकदी और जेवर चोरी

हैदराबाद, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के मुगलपुरा क्षेत्र में बुधवार दोपहर अज्ञात चोरों ने एक स्कूटर की डिक्की से नकदी और सोने के आभूषण चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद सिराज नामक व्यक्ति दोपहर करीब 1:30 बजे अपना स्कूटर पार्क कर मुगलपुरा स्थित एक मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। वापस लौटने पर जब उसने स्कूटर की डिक्की देखी, तो उसमें रखा बैग गायब मिला। बैग में करीब सात तोले सोने के आभूषण, 60 हजार रुपये नकद और अन्य सामान रखा था।

दर्शन और आवास के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई: टीटीडी

तिरुमला, 15 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शन और आवास की व्यवस्था कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है। हाल ही में सामने आए मामलों में कुछ लोग सोशल मीडिया पर ''श्रवण कला तिरुमला तिरुपति वेंकटेश्वर स्वामी देवस्थानम'' नामक अकाउंट के जरिए भक्तों को दर्शन और आवास दिलाने का झांसा देकर पैसे वसूल रहे थे। टीटीडी सतर्कता विभाग और पुलिस के सहयोग से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी पहचान कामासानी पवन कुमार उर्फ नागराजू और बोदिरेड्डी चेन्नाकेशवुलु के रूप में हुई है, जो चित्तूर जिले के पेनुमुरु के निवासी हैं। दोनों को हिरासत में लेकर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। टीटीडी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे ऐसे धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें और दर्शन टिकट तथा आवास की बुकिंग केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही करें। साथ ही, किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी टीटीडी सतर्कता नियंत्रण कक्ष को देने का आग्रह किया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.